@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 15 दिसंबर 2024

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 35 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अभिव्यक्ति और संवाद के संतुलन पर पनपता है लोकतंत्रः धनखड़

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि लोकतंत्र केवल प्रणालियों पर ही नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और संवाद के संतुलन पर केंद्रित मूल मूल्यों पर भी पनपता है। श्री धनखड़ ने यहां भारतीय डाक एवं दूर संचार लेखा और वित्त सेवा के 50वें स्थापना संबोधित करते हुए कहा कि आज की संस्थागत चुनौतियाँ भीतर और बाहर से अक्सर सार्थक संवाद और प्रामाणिक अभिव्यक्ति के क्षरण से उत्पन्न होती हैं। विचार की अभिव्यक्ति और सार्थक संवाद दोनों ही लोकतंत्र के अनमोल रत्न हैं। अभिव्यक्ति और संचार एक दूसरे के पूरक हैं। दोनों के बीच सामंजस्य ही सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, डिजिटल संचार आयोग के वित्त सदस्य मनीष सिन्हा और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। श्री धनखड़ ने कहा कि लोकतंत्र केवल व्यवस्थाओं पर नहीं, बल्कि मूल मूल्यों पर पनपता है। इसे अभिव्यक्ति और संवाद के नाजुक संतुलन पर केंद्रित होना चाहिए। अभिव्यक्ति और संवाद, ये जुड़वां ताकतें लोकतांत्रिक जीवन शक्ति को आकार देती हैं। उनकी प्रगति को व्यक्तिगत पदों से नहीं, बल्कि

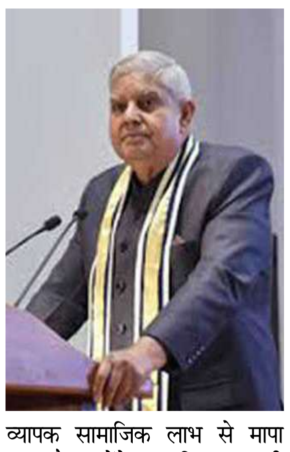

व्यापक सामाजिक लाभ से मापा जाता है। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा इस बात का उदाहरण है कि विविधता और विशाल जनसांख्यिकीय क्षमता राष्ट्रीय प्रगति को बढ़ावा दे सकती है। लोकतांत्रिक स्वास्थ्य और आर्थिक उत्पादकता राष्ट्रीय विकास में बराबर भागीदार हैं।स्व-लेखा परीक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री धनखड़ ने कहा, ÷सेल्फ ऑडिट बहुत ज़रूरी है। किसी व्यक्ति या संस्था को गिराने का सबसे पक्का तरीका है, उसे या सज्जन या सज्जन महिला को जांच से दूर रखना। आप जांच से परे, आपका पतन निश्चित है। और इसलिए, आत्म-लेखा परीक्षा, स्वयं से परे एक लेखा परीक्षा, आवश्यक है। विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और तालमेल पर जोर देते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा, ÷एक दूसरे से जुड़ी दुनिया में विभागों के बीच सहयोग बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। हमें एक दूसरे के साथ तालमेल में रहना चाहिए, हमें एक दूसरे के साथ तालमेल बिठाना चाहिए।

मैंने अक्सर सभी को यह समझाया है कि शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत कुछ और नहीं बल्कि तीन संस्थाओं, न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका, को एक साथ मिलकर काम करना चाहिए। उन्हें सामंजस्य के साथ काम करना चाहिए।

तेजस्वी के 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम' के तीसरे चरण की अगली कड़ी 15 दिसंबर से

नरेश मल्होत्रा

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रदेश प्रवक्ता चितरंजन गगन ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के' कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम ' के तीसरे चरण की अगली कड़ी कल 15 दिसम्बर को सुपौल से शुरू होगी। श्री गगन ने बताया कि तीसरे चरण की पहली कड़ी 4 से 7 दिसम्बर के बीच मुंगेर, खगड़िया, बेगुसराय, लखीसराय और शेखपुरा जिले के 17 विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद हो चुका है। झारखंड विधानसभा चुनाव के पूर्व यात्रा के पहले और दूसरे चरण में तेजस्वी समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, बांका , जमुई सहित छह जिलों के कुल 48 विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं से संवाद कर चुके थे। अबतक वे 11 जिलों के कुल 65 विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित कर चुके हैं। राजद प्रवक्ता ने बताया कि श्री तेजस्वी यादव कल 15 दिसम्बर को सुपौल, 44 विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित करेंगे। अस्वस्थ रहने के बावजूद प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने आज सभी

16 दिसम्बर को सहरसा, 17 दिसम्बर को मधेपुरा, 18 दिसम्बर को अररिया, 19 दिसम्बर को किशनगंज, 20 दिसम्बर को पूर्णियां, 21 दिसम्बर को कटिहार एवं 22 दिसम्बर को भागलपुर में आयोजित 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम' के माध्यम से कुल जिलाध्यक्षों से दूरभाष पर सम्पर्क कर तैयारी की समीक्षा की है, साथ हीं सभी जिला प्रभारियों को अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में जाकर कैम्प करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि यात्रा के अगले चरण की घोषणा भी जल्द ही कर दी जाएगी।

झारखंड में भीषण सड़क दुर्घटना में पांच की मौत, तीन घायल

रांची। झारखंड में बोकारो जिले के कसमार थाना क्षेत्र के दांतू गांव के पास रात एनएच-23 बोकारो-रामगढ़ नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई तथा तीन अन्य घायल हो गए।

दुर्घटना में घायल सभी लोगों को जारीडीह कम्युनिटी हेल्थ सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 5 लोगों को मृत घोषित कर दिया तथा तीन अन्य लोगों का इलाज भी चल रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मेडिकल ऑफिसर डॉ स्वीटी भगत ने आज बताया कि अस्पताल में 8 लोगों को लाया गया था जिसमें से 5 की मौत हो चुकी थी और 3 घायल थे। इनमें से एक की हालत गंभीर है। उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर

दिया गया है जबकि दो की स्थिति ठीक है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दांतू गांव में रात एनएच-23 पर डाकबंगला के सामने सड़क जाम की वजह से एक कार खड़े टेलर से टकरा गई जिसमें रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड के रहने वाले एक ही परिवार के 4 सदस्यों समेत 5 की मौत हो गई। ये सभी सूतरी गांव के रहने वाले थे और बोकारो जिले के चंद्रपुरा प्रखंड के भंडारीदह स्थित फुलवारी गांव में अपने रिश्तेदार के यहां मुंडन कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे तभी या दुर्घटना हुई।

आडवाणी की तबीयत बिगड़ी, अपोलो अस्पताल में कराया गया भर्ती

नइ दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी को शुक्रवार देर रात दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार 96 वर्षीय आडवाणी का न्यूरोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर विनीत सूरी की देखरेख में उपचार किया जा रहा है। उनकी हालत स्थिर है। इससे पहले इसी साल 04 जुलाई को भी श्री आडवाणी को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उससे कुछ दिन पहले उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) उपचार के लिए ले जाया गया था। उन्हें एम्स में उपचार के बाद अगले दिन अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी थी।

मोदी ने राज कपूर की 100वीं जयंती पर उन्हें अर्पित की श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय सिनेमा के शोमैन राज कपूर को उनकी 100वीं जयंती के मौके पर शनिवार को उन्हें नमन किया और श्रद्धांजलि अर्पित की1

श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, आज हम महान फिल्मकार, दूरदर्शी फिल्मकार, अभिनेता और सदाबहार शोमैन राज कपूर की 100वीं जयंती मना रहे हैं! उनकी प्रतिभा ने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया और भारतीय और वैश्विक सिनेमा पर अपनी अमिट छाप छोड़ी।÷ उन्होंने लिखा, ÷ राज कपूर का सिनेमा के प्रति जुनून कम उम्र में ही शुरू हो गया और उन्होंने एक उम्दा कहानीकार के रूप में उभरने के लिए कड़ी मेहनत की। उनकी फिल्में कलात्मकता, भावना और यहां तक कि सामाजिक

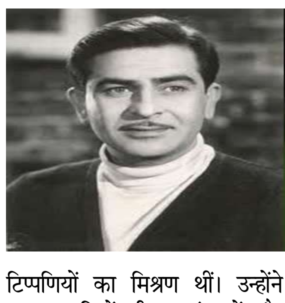

टिप्पणियों का मिश्रण थीं। उन्होंने आम नागरिकों की आकांक्षाओं और संघर्षों को आम जतना तक पहुंचाया। प्रधानमंत्री ने लिखा, राज कपूर केवल एक फिल्म मेकर नहीं थे, बल्कि वे एक सांस्कृतिक राजदूत की भूमिका में थे। उन्होंने इस भूमिका में रहते हुए भारतीय सिनेमा को पूरी दुनिया में पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज के फिल्ममेकर उनसे बहुत कुछ सीख सकते हैं, जो आगे की पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा। मैं एक बार फिर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और रचनात्मक दुनिया में उनके योगदान को याद करता हूं।उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, आज राज कपूर के गाने पूरी और उनके किरदार पूरी दुनिया में पसंद किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि लोग उनके सहज काम काम को याद करते हैं। उनकी फिल्में के कुछ किरदार जिन्हें लोग भूल नहीं पाते हैं। उल्लेखनीय है कि कपूर परिवार ने हाल ही में श्री मोदी से मुलाकात की थी और राज कपूर की 100वीं जयंती पर आयोजित समारोह के लिए उन्हें निमंत्रण दिया था। इस मुलाकात के दौरान श्री मोदी ने राज कपूर के योगदान का जिक्र किया था और कहा था कि राज कपूर अपने समय से बहुत आगे थे। उन्होंने अपनी कहानियों के जरिए दुनिया भर के लोगों के बीच भारत को 'सॉफ्ट पावर' के रूप में स्थापित किया।

पड़ोसी मुल्कों में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार होता है तो वो भारत आते हैं : किरेन रिजिजू

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली । लोकसभा में संविधान पर चर्चा का शनिवार को दूसरा दिन है। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पड़ोसी मुल्कों पर अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाया। बोले, वो हमारे यहां संरक्षण लेने के लिए आते हैं, क्योंकि वो यहां पर सुरक्षित हैं।

संविधान पर चर्चा के दूसरे दिन लोकसभा में रिजिजू ने कहा, हमारे देश का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा ही नहीं बल्कि खूबसूरत संविधान भी है। इसमें सब कुछ है। पिछले कई सालों में मैंने कई संविधानों को जानने की कोशिश की। वहीं, अपने संविधान के प्रावधानों को बारीकी से देखा है इसलिए इसको लेकर हम गौरव

महसूस करते हैं। लेकिन कुछ चीजें हैं, जिसको लोगों के सामने दर्शाते समय हमें कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। ऐसा नहीं बोलना चाहिए, जिससे दुनिया के सामने देश की छवि खराब हो। अन्य देशों में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे भेदभाव को लेकर उन्होंने कहा, ऐसी रिपोर्ट आई है कि इंडोनेशिया में शिया और अहमदिया के बीच भेदभाव किया जाता है। पाकिस्तान की हालत सभी जानते हैं, बांग्लादेश में जो हो रहा है, वो पता है। अफगानिस्तान में हिंदुओं, सिखों, ईसाई की संख्या हो गई ये भी पता है। तिब्बत, म्यांमार, श्रीलंका, बांग्लादेश या पाकिस्तान, अफगानिस्तान है, वहां पर अल्पसंख्यकों पर हमला होता है, तो वो सबसे पहले भारत में संरक्षण लेने के लिए आते हैं। वो यहां पर सुरक्षित हैं, इसलिए ही आते हैं। फिर ऐसा क्यों कहा जाता है कि भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं है। रिजिजू ने कहा, देश में अल्पसंख्यकों के लिए नेशनल कमीशन ऑफ माइनॉरिटी एक्ट (एनसीएम) बनाया गया है, ऐसा कमीशन किसी दूसरे राष्ट्र में नहीं बनाया गया है। कई एक्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि देश में अल्पसंख्यकों के लिए कई स्पेसिफिक कानून बनाया गया है। उन्होंने कहा, एक-दो जगह कुछ घटनाएं होती होंगी, परिवार में भी होती हैं।

बालासाहेब ने भाजपा को हिंदुत्व के रास्ते पर चलना सिखाया : संजय राउत

मुंबई । मुंबई के दादर इलाके में स्थित हनुमान मंदिर को अवैध बताकर रेलवे विभाग की तरफ से नोटिस देने का मामला गर्माता जा रहा है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा 'वो' मंदिर तोड़कर दिखाए, हमें भी देखना है कि भाजपा वाकई में हिंदुत्ववादी पार्टी है भी या नहीं। साथ ही दावा किया कि पार्टी को हिंदुत्व की राह बालासाहेब ठाकरे ने दिखाई थी। मुंबई के दादर इलाके में 80 साल पुराने हनुमान मंदिर के तोड़ने का विवाद गर्माता जा रहा है। संजय राउत ने शनिवार को कहा, वो मंदिर तोड़कर दिखाए, हमें भी देखना है कि भाजपा वाकई में हिंदुत्ववादी पार्टी है भी या नहीं। संजय राउत बोले, हिंदुत्व किसी के बाप का नहीं

है। उनको हिंदुत्व किसने सीखाया।राउत ने आगे कहा, 80 साल पुराने मंदिर को तोड़ने को लेकर किसी से चर्चा भी नहीं की गई। इस मंदिर में हजारों लोग प्रतिदिन श्रद्धा से पूजा पाठ करने जाते है, श्रद्धालुओं में भाजपा को वोट करने वाले लोग भी होंगे। विकास के नाम पर पहले उन्होंने मुंबई के पेड़ों को काटा, इमारत तोड़ी और अब मंदिरों पर उनकी नजर है। उन्होंने बताया, शिवसेना सुप्रीमो बालासाहेब ठाकरे ने भाजपा को उंगली पकड़कर हिंदुत्व के रास्ते पर ले जाने का काम किया, लेकिन उन्होंने उस रास्ते पर भी हिंदुत्व के नाम पर गड्ढा खोद कर रख दिया है। राउत ने कहा, शिवसेना (यूबीटी) का हिंदुत्व भाजपा की तरह सिर्फ वोट के लिए नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) के लिए हिंदुत्व जीवन और संस्कृति है।

कश्मीर में सर्दी का सितम जारी

श्रीनगर। कश्मीर में रात के तापमान में गिरावट आने से शीतलहर जारी है और सभी स्थानों का तापमान हिमांक बिंदु से काफी नीचे दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) के अनुसार, अगले तीन दिनों तक कई स्थानों पर शीतलहर जारी रहने के आसार हैं। श्रीनगर में रात का न्यूनतम तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो इस समय के सामान्य तापमान से शून्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस कम है। मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले में पर्यटन स्थल सोनमर्ग में रात का न्यूनतम तापमान शून्य से 9.6 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। उत्तरी कश्मीर के स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में तापमान गिरकर शून्य से 7.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो सामान्य से शून्य से पांच डिग्री सेल्सियस कम है।

नई दिल्ली विधानसभा के लोग अरविंद केजरीवाल को सबक सिखाने को तैयार : प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर कांग्रेस ने हाल ही में 21 प्रत्याशियों का ऐलान किया। लिस्ट में कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित का नाम था। ये वही सीट है जिससे दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल विधायक हैं। सवाल पूछा जाने लगा है कि क्या केजरीवाल इसी सीट से ताल ठोकेंगे या सिसोदिया की तरह कहीं और से किस्मत आजमाएंगे! पूरे मामले पर भाजपा नेता प्रवेश वर्मा ने चुटकी ली है भाजपा नेता प्रवेश वर्मा ने शनिवार को आईएएनएस से बात की। उन्होंने कहा, ÷नई दिल्ली विधानसभा सीट पर यहां कांग्रेस ने संदीप दीक्षित को प्रत्याशी बनाया है। इस सीट पर उनकी मां स्वर्गीय शीला दीक्षित तीन बार विधायक और मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। संदीप दीक्षित खुद भी सांसद रह चुके हैं। अगर उन्हें अब उम्मीदवार बनाया गया है तो कांग्रेस ही बता सकती है कि उन्होंने उन्हें क्यों चुना। जहां तक ??केजरीवाल का सवाल है तो उन्हें यहां से भागना नहीं

चाहिए। वे कहते रहते हैं कि वे यहां से नहीं जाएंगे, लेकिन वे कभी अपने किसी बयान पर कायम नहीं रहे, इसलिए वे क्या करते हैं, यह तो समय ही बताएगा। उन्होंने आगे कहा, मनीष सिसोदिया को पटपड़गंज सीट छोड़नी पड़ी क्योंकि उन्हें हार का डर था इसलिए वे जंगपुरा आए हैं।

राहुल गांधी का भाजपा और आरएसएस के संविधान विचारों पर हमला : सावरकर के कथनों का हवाला देते हुए की आलोचना

नई दिल्ली। भारत के संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक महत्वपूर्ण और विवादास्पद बयान दिया। उन्होंने भारतीय संविधान और उसके साथ जुड़ी राजनीतिक विचारधाराओं पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के विचारों की आलोचना की। राहुल गांधी ने अपने भाषण की शुरुआत एक उद्धरण से की, जो RSS के विचारक और स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर के थे। उन्होंने सावरकर के कथन को उद्धृत किया, जिसमें सावरकर ने भारतीय संविधान की आलोचना की थी। सावरकर ने कहा था, भारत के संविधान की सबसे बुरी बात यह है कि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है। मनुस्मृति वह धर्मग्रंथ है जो हमारे हिंदू राष्ट्र के लिए वेदों के बाद सबसे अधिक पूजनीय है और जिससे हमारी प्राचीन संस्कृति, रीति-रिवाज, विचार और व्यवहार का आधार बना है। इस पुस्तक ने सदियों से हमारे राष्ट्र की आध्यात्मिक और दैवीय यात्रा को संहिताबद्ध किया है। आज मनुस्मृति ही कानून है। राहुल गांधी ने कहा कि सावरकर के इस कथन के माध्यम से स्पष्ट होता है कि उनके अनुसार भारतीय संविधान में भारतीय संस्कृति और धर्म का कोई स्थान नहीं है, और संविधान को हटाकर मनुस्मृति को लागू करने की आवश्यकता है। गांधी ने आरोप लगाया कि यह वही विचारधारा है, जो आज भाजपा और RSS का मार्गदर्शन करती है, और इसी मुद्दे को लेकर राजनीतिक संघर्ष जारी है राहुल गांधी ने इस दौरान भारतीय संविधान के मूल्यों की रक्षा और सावरकर जैसे विचारकों के कड़ी आलोचना की, जो संविधान की विचारधारा के विपरीत दृष्टिकोण रखते हैं।

कानून व्यवस्था को लेकर अरविंद केजरीवाल ने लिखी अमित शाह की चिट्ठी, मिलने का मांगा समय

नई दिल्ली । 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। केजरीवाल ने इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए अमित शाह से मिलने का समय मांगा है।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, दिल्ली की कानून व्यवस्था केंद्र सरकार के अधीन है। इसके बावजूद दिल्ली को अब अपराध की राजधानी के नाम से जाना जा रहा है। अरविंद केजरीवाल ने बताया है की भारत के 19 मेट्रो शहरों में दिल्ली महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध में नंबर वन पर है। हत्या के मामलों में दिल्ली नंबर वन पर है। दिल्ली में जबरन वसूली वाले गैंग सक्रिय हैं और खुलेआम फिरौती का कारोबार चला रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने अपनी चिट्ठी में आगे लिखा

है कि दिल्ली के हवाई अड्डों और स्कूलों को ईमेल और फोन कॉल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिल रहीं हैं। ड्रग्स से जुड़े अपराधों में 350 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हैं। उन्होंने अपनी चिट्ठी में इस बात का भी जिक्र किया कि मैं पूरी दिल्ली में लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हूं। इस दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाने की जरूरत है।

गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों से दिल्ली में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर आम आदमी पार्टी लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर बनी हुई है।

अरविंद केजरीवाल सहित आप नेता इस मसले पर भाजपा और केंद्र सरकार के खिलाफ लगातार हमला बोलते दिखाई दे रहे हैं। अरविंद केजरीवाल अपनी पदयात्रा, जनसभा और लोगों से मिलने के दौरान यह कहते नजर आ रहे हैं कि दिल्ली को देश-विदेश में अब क्राइम कैपिटल के नाम से जाना जा रहा है।

आपसी बातचीत से सुलझेगा कंगना-जावेद विवाद, कोर्ट ने दी इजाजत

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई । जावेद अख्तर और कंगना रनौत के बीच विवाद का पटाक्षेप हो सकता है। कोर्ट ने मध्यस्थता की इजाजत दे दी है। इसे लेकर दोनों पक्षों के बीच बैठक 21 जनवरी 2025 को होगी। इस उम्मीद के साथ कि मध्यस्थता से मामला सफलतापूर्वक सुलझा लिया जाएगा। सांसद कंगना रनौत और जावेद अख्तर ने अदालत से मध्यस्थता की अपील की थी, जिसे

कोर्ट ने मान लिया। गीतकार जावेद अख्तर ने खुद पर लगे झूठे आरोपों को लेकर अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ मानहानि केस किया था। दोनों कलाकारों के बीच शुरू हुए विवाद को लगभग 4 साल बीत चुके हैं। जावेद अख्तर की शिकायत पर अंधेरी मजिस्ट्रेट अदालत में सुनवाई चल रही थी। वहीं, कंगना रनौत के मंडी की सांसद बनने के बाद केस को सांसदों के स्पेशल कोर्ट बांद्रा में ट्रांसफर कर दिया गया था। अभी मामले को लेकर सुनवाई शुरू भी नहीं हुई थी कि जावेद और कंगना के वकीलों ने बताया कि दोनों के बीच समझौते की बात चल रही है। इसके बाद मामला 9 दिसंबर को स्पेशल मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। हालांकि, यहां भी बात नहीं बन सकी। वकील ने किसी जज द्वारा मध्यस्थता कराने की बात कही, जिसे मजिस्ट्रेट ने मान लिया। इसे लेकर बैठक दोनों पार्टियों के बीच होगी और उसी दिन मजिस्ट्रेट (21 जनवरी 2025) सुनवाई करेंगे।

हरियाणा में शीतलहर का कहरः 15 दिसंबर तक सतर्कता बरतने की सलाह

चंडीगढ़। हरियाणा में कड़ाके की ठंड का दौर जारी है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने प्रदेश के 17 जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। खासतौर पर हिसार में ठंड ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए प्रदेश के सबसे कम तापमान का स्तर छू लिया है। हिसार का न्यूनतम तापमान 1.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इसे शिमला जैसे हिल स्टेशनों से भी ठंडा बना रहा है।शीतलहर के बीच हरियाणा के अलग-अलग हिस्सों में तापमान में बड़ी असमानता देखी गई। हिसार जहां 1.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, वहीं सिरसा में 23.4 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया। हालांकि, इस ठंड के बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) संतोषजनक श्रेणी में बना हुआ है, जो राहत की बात है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक मदन खीचड़ के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते हवा की दिशा में बदलाव हुआ है। इस कारण प्रदेश में रात और दिन के तापमान में भारी गिरावट दर्ज हो रही है।मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि शीतलहर का असर 15 दिसंबर तक बना रहेगा। इस दौरान नागरिकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। ठंड से बचने के लिए बुजुर्गों और बच्चों पर खास ध्यान देने की जरूरत है। शीतलहर के प्रकोप से निपटने के लिए प्रशासन और आमजन को मिलकर तैयार रहना होगा। गर्म कपड़े पहनें, घरों में हीटर या अन्य गर्माहट के साधनों का उपयोग करें और बाहर निकलते समय पूरी सावधानी बरतें।

ड्रोन हमले से रूस के ओर्योल क्षेत्र में बुनियादी ढांचे की सुविधा में लगी आग

एजेंसी

मास्को। रूस के ओरयोल क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हुए ड्रोन हमले के कारण यहां एक बुनियादी ढांचे की सुविधा में आग लग गई। गवर्नर एंड्री क्लिचकोव ने टेलीग्राम पर लिखा, यह रात ओरीओल क्षेत्र में बेचैन करने वाली थी। ड्रोन हमले के कारण बुनियादी ढांचे की सुविधा में आग लग गई और कई घरों के दरवाजों और खिड़कियों पर लगे शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने बताया कि आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर मौजूद हैं। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

सीरिया में काम शुरू कर सकता है तुर्की का दूतावासः फिदान

अंकारा। तुर्की का एक प्रतिनिधिमंडल दूतावास का काम शुरू करने के लिए सीरिया गया है और दूतावास के शनिवार को खुलने की उम्मीद है।यह जानकारी तुर्की के विदेश मंत्री हकान फिदान ने दी। उन्होंने तुर्की के एनटीवी न्यूज चैनल से कहा, आज ही हमारा राजनयिक दल सीरिया के लिए रवाना हुआ है। (दूतावास का) काम संभवतः शनिवार को शुरू होगा।इससे पहले श्री फिदान ने मंगलवार को कहा था कि तुर्की सीरिया में अपने दूतावास को फिर से खोलने की तैयारी कर रहा है।

मोल्दोवा में अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए पर्याप्त समर्थन नहीं जुटा पाया विपक्ष

चिसीनाउ। मोल्दोवा की संसद के अध्यक्ष इगोर ग्रोसु ने कहा है कि विपक्ष देश की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए पर्याप्त सांसदों का समर्थन पाने में विफल रहा। गौरतलब है कि विपक्षी कम्युनिस्टों और समाजवादियों के गठबंधन के सदस्यों ने 06 दिसंबर को सरकार के प्रति अविश्वास का प्रस्ताव पेश किया। मोल्दोवा अभी भी गहरे ऊर्जा संकट से जूझ रहा है और सरकार के पास देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा नागरिकों को ऊर्जा संकट के परिणामों से बचाने के लिए कोई स्पष्ट नीति और रणनीति नहीं है।श्री ग्रोसु ने कहा, अविश्वास प्रस्ताव की परियोजना को 18 वोट मिले। उन्होंने कहा कि परियोजना को पारित करने के लिए 51 वोटों की आवश्यकता थी। सांसदों ने मतदान में मौजूद प्रधानमंत्री डोरिन रेसियन पर देशद्रोह का भी आरोप लगाया, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर देश में स्थिति को अस्थिर करने का प्रयास किया है।

विदेश मंत्री, यूएई उप प्रधामंत्री ने डीपीएम ने आईएमईईसी, वर्चुअल ट्रेड कॉरिडोर पर काम पर चर्चा की

यूएई । विदेश मंत्री एस जयशंकर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद ने आज यहां 15वीं भारत-यूएई संयुक्त आयोग की बैठक के दौरान भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईईसी) पर चर्चा की और हाल ही में वर्चुअल माध्यम व्यापार गलियारा (वीटीसी), से काम शुरू होने का स्वागत किया। एक बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने एमएआईटीआरआई इंटरफ़ेस (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और नियामक इंटरफ़ेस के लिए मास्टर एप्लिकेशन) पर काम शुरू करने का भी स्वागत किया, और स्वीकार किया कि वीटीसी और एमएआईटीआरआई एक डेटा विनिमय प्रणाली के माध्यम से व्यापार प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करेंगे जो दोनों देशों के बीच कागज रहित लेनदेन की सुविधा प्रदान करेगा। कहा। वर्चुअल ट्रेड कॉरिडोर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर (आईएमईईसी) का एक अभिन्न अंग है, जो भारत, संयुक्त अरब अमीरात और यूरोप के बीच समुद्री कनेक्टिविटी और व्यापार में सुधार लाने के उद्देश्य से एक प्रमुख पहल है। वीटीसी और एमएआईटीआरआई पर काम इस साल सितंबर में शुरू किया गया था।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने सैन्य अदालतों को 85 मामलों में सशर्त फैसला सुनाने की अनुमति दी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने आज सैन्य अदालतों को नौ मई, 2023 के दंगों से संबंधित 85 मामलों में फैसला सुनाने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सैन्य अदालतों के फैसले सशर्त होंगे। नरमी के पात्र आरोपितों को रिहा किया जाना चाहिए। जिन लोगों को बरी नहीं किया जा सकता, उन्हें अपनी सजा काटने के लिए जेलों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार यह फैसला जस्टिस अमीनुद्दीन खान की अध्यक्षता वाली संवैधानिक पीठ ने सुनाया। शीर्ष अदालत ने नागरिकों के सैन्य मुकदमे के खिलाफ अपील की सुनवाई पर आज अपने आदेश में कहा कि सैन्य अदालतों के फैसले उसके समक्ष लंबित मामलों पर शीर्ष अदालत के फैसले के लिए सशर्त होंगे। शीर्ष अदालत ने संक्षिप्त आदेश में कहा कि नरमी के पात्र आरोपितों को रिहा किया जाना चाहिए। जिन

लोगों को बरी नहीं किया जा सकता, उन्हें अपनी सजा काटने के लिए जेलों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। इस संबंध में आज भी संघीय सरकार के वकील ख्वाजा हारिस ने अपनी दलील रखीं। जस्टिस जमाल खान मंडोखाइल ने उनसे पूछा कि क्या इस श्रेणी में सभी पर मुकदमा चलाने के लिए सेना अधिनियम में संशोधन किया जाना चाहिए? जस्टिस मोहम्मद अली मजहर ने सेना अधिनियम के कुछ प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित करने के पीछे के कारणों के बारे में पूछताछ की। जस्टिस मंडोखाइल ने कहा कि सेना अधिनियम 1973 के संविधान से पहले बनाया गया था। ख्वाजा हारिस ने जवाब दिया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में खामियां थीं। जस्टिस जमाल मंडोखाइल ने टिप्पणी की, अदालत के फैसले का इस हद तक अनादर न करें कि आप इसे त्रुटिपूर्ण कहें। ख्वाजा हारिस ने माफी मांगते हुए कहा, मेरे शब्द कानूनी प्रकृति के नहीं थे।

जस्टिस मजहर ने टिप्पणी की कि अदालत ने पिछली सुनवाई के दौरान नौ मई की घटनाओं का विवरण भी मांगा था। वर्तमान में हमारे सामने मामला केवल कोर कमांडर हाउस से संबंधित है। यदि मामला केवल कोर कमांडर के घर तक ही सीमित रहना है, तो कृपया इसे भी स्पष्ट करें। अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल ने कहा कि सभी विवरण आज सुबह प्राप्त हो गए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह संपूर्ण विवरण जल्द प्रस्तुत कर देंगे।

युद्धग्रस्त लेबनान से 85 बांग्लादेशी स्वदेश लौटे

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अपने खर्च से युद्धग्रस्त लेबनान में फंसे अपने नागरिकों की स्वदेश वापसी करवा रही है। आज इथियोपियाई एयरलाइंस की उड़ान (संख्या ईटी-0680) से 85 स्त्री-पुरुष और बच्चे स्वदेश पहुंचे। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार विदेश मंत्रालय ने कहा कि अब तक 16 उड़ानों से 1,048 नागरिकों की स्वदेश वापसी कराई जा चुकी है। आज सुबह सभी 85 नागरिक ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। हवाई अड्डे पर विदेश मंत्रालय, प्रवासी कल्याण और विदेशी रोजगार मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अधिकारियों ने स्वदेश वापसी पर सभी का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रत्येक व्यक्ति को 5,000 टका प्रदान किए गए। सरकार ने पुष्टि की कि लेबनान में बमबारी की घटना में एक बांग्लादेशी नागरिक की जान चली गई। बेरूत में बांग्लादेश दूतावास वापस आने के इच्छुक लोगों की सुरक्षित वापसी की सुविधा प्रदान कर रहा है।

रूस ने यूक्रेन के 37 ड्रोन को मार गिराया

एजेंसी

मास्को। रूसी वायु रक्षा ने रूसी क्षेत्रों में 37 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया है। यह जानकारी रूस के रक्षा मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने कहा, कल रात यूक्रेनी शासन द्वारा रूसी संघ के क्षेत्र में विमान की तरह के मानव रहित हवाई वाहनों का उपयोग करके आतंकवादी हमले करने के प्रयास के दौरान ड्यूटी पर मौजूद वायु रक्षा प्रणालियों ने 37 यूक्रेनी यूएवी को नष्ट कर दिया। बयान में कहा कि कुर्स्क क्षेत्र में 12 ड्रोन, क्रास्नोडार क्षेत्र में 12, ब्रांस्क क्षेत्र में सात, ओर्योल क्षेत्र में पांच और आज़ोव सागर में एक ड्रोन को मार गिराया गया।

चट्टोग्राम अदालत में चिन्मय ब्रह्मचारी की पैरवी करेंगे स्थानीय वकील सुमित आचार्य

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में गिरफ्तार हिंदू संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को अभी तक जमानत नहीं मिल पाई है। ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के लिए अंतरिम सरकार की दुनियाभर में आलोचना हो रही है। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदू समाज के लिए सुकून भरी यह खबर है कि चट्टोग्राम मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश मोहम्मद सैफुल इस्लाम की अदालत में उनकी जमानत याचिका पर पैरवी के लिए स्थानीय वकील सुमित आचार्य तैयार हो गए हैं। वह अदालत में हाई कोर्ट के वरिष्ठ वकील रवीन्द्र घोष के साथ इस केस को लड़ेंगे। द डेली स्टार समाचार पत्र के अनुसार चट्टोग्राम मेट्रोपॉलिटन के सत्र न्यायाधीश मोहम्मद सैफुल इस्लाम ने कल हाई कोर्ट के वरिष्ठ वकील घोष से कहा था कि वे

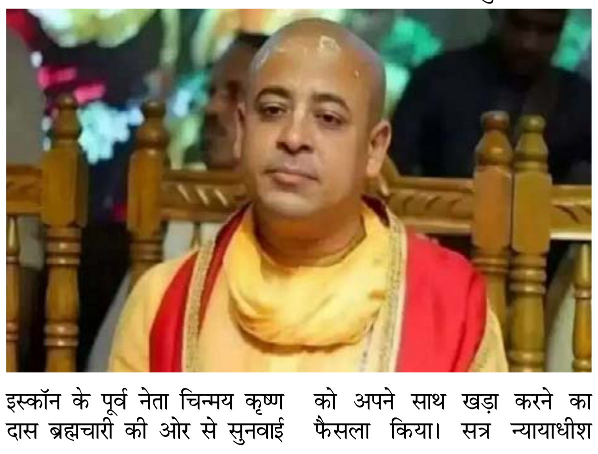

इस्कॉन के पूर्व नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की ओर से सुनवाई करने के लिए चट्टोग्राम से एक वकील खोजें। इसके बाद रवीन्द्र घोष ने स्थानीय वकील सुमित आचार्य को अपने साथ खड़ा करने का फैसला किया। सत्र न्यायाधीश मोहम्मद सैफुल इस्लाम ने बुधवार को चिन्मय की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उन्होंने कहा था कि वकील रवीन्द्र घोष के पास अदालत में चिन्मय का प्रतिनिधित्व करने के लिए वकालतनामा नहीं है। रवीन्द्र घोष ने कल संवाददाताओं से कहा कि अदालत ने स्वीकार कर लिया है कि वह मामले की सुनवाई करेगी। वह चिन्मय के वकीलों की सहायता के लिए यहां आए हैं। स्थानीय वकील सुरक्षा कारणों से सामने आने से डर रहे हैं। अब उम्मीद है कि कुछ अच्छा होगा। हाई कोर्ट के वरिष्ठ वकील घोष ने कहा कि वह जेल से चिन्मय का वकालतनामा लाकर अदालत में जमा करवा चुके हैं।

माल्दोवा में विपक्षी नेता शोर को बैंक धोखाधड़ी माले में 15 साल की कैद

एजेंसी

चिसीनाउ। मोल्दोवा के सुप्रीम कोर्ट ऑफ जस्टिस ने पोबेडा (विजय) विपक्षी गठबंधन के भगोड़े नेता इलान शोर के खिलाफ बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और हवाला कारोबार के आरोप में 15 साल की जेल की सजा सुनायी। गौरतलब है कि चिसीनाउ की एक अदालत ने पहले शोर को देश के बैंकों से एक अरब डॉलर के कथित गबन के लिए 2023 में 15 साल की जेल की सजा सुनाई थी, और उनकी संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया था। शोर ने इस फैसले को गैरकानूनी और अपमानजनक बताया और कहा कि वह इसका पालन नहीं करेंगे। उनके वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की।अदालत के फैसले में कहा गया , न्यायाधीशों के पैनल ने सर्वसम्मति से वकीलों द्वारा दायर अपील (13 अप्रैल, 2023 को चिसीनाउ अपील न्यायालय के निर्णय के खिलाफ) को खारिज कर दिया । बचाव पक्ष द्वारा प्रस्तुत सभी पर्याप्त तर्क, यानी, जो निर्णय को प्रभावित कर सकते थे, प्रक्रियात्मक आधार पर निराधार या अस्वीकार्य माने गए। शेष तर्क,

जिनमें साक्ष्य की अस्वीकार्यता के बारे में तर्क शामिल हैं, स्पष्ट रूप से निराधार हैं या अपीलीय उदाहरण द्वारा पर्याप्त रूप से विवादित हैं और आगे विवाद की आवश्यकता नहीं है।

उधर, शोर ने मोल्दोवा के राष्ट्रपति मैया सैंडू के शासन के खिलाफ अपना संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, सैंडू गिरोह ने मोल्दोवा की संप्रभुता को पश्चिम को बेच दिया है, अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया है, चुनावों और जनमत संग्रह में धांधली की है, तथा अब यह झूठे आरोपों पर सजा सुना रहा है... हम गणतंत्र की स्वतंत्रता और मोल्दोवा के लोगों के लिए एक सभ्य जीवन के लिए दोगुनी ऊर्जा के साथ लड़ना जारी रखेंगे।

उल्लेखनीय है कि शोर 2014 में माल्दोवा के तीन बैंक - बैंका डे इकोनॉमी, बैंका सोशला और यूनीबैंक में एक अरब की धोखाधड़ी में शामिल पाए गए थे। शोर को जून 2017 में उनकी संदिग्ध संलिप्तता के लिए 7.5 साल की जेल की सजा सुनाई गई और मोल्दोवा छोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। फरवरी 2019 के संसदीय चुनावों के बाद शोर मोल्दोवा छोड़कर इज़रायल चले गए और अगस्त में उनकी संसदीय प्रतिरक्षा छीन ली गई। मोल्दोवा उनके प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। वहीं, इजरायल ने कहा कि अंतिम फैसला आने के बाद वह इस बात पर विचार करेगा कि उसे सौंप दिया जाए या इजरायल में ही सजा काटनी पड़ेही।

अमेरिका ने जॉर्जियाई अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंध लगाया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने देश में लोकतंत्र को कमजोर करने आरोप में जॉर्जिया के लगभग 20 व्यक्तियों पर वीजा प्रतिबंध लगाए हैं, जिनमें मंत्री और कानून निर्माता भी शामिल हैं। विदेश विभाग ने कहा, विदेश विभाग आज वीजा प्रतिबंध नीति के तहत अतिरिक्त कार्रवाई की घोषणा कर रहा है, जो जॉर्जिया में लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए जिम्मेदार या इसमें शामिल लोगों को वीजा जारी करने पर रोक लगाती है। आज की कार्रवाई से लगभग बीस व्यक्ति प्रभावित होंगे, जिनमें सरकारी मंत्री और संसद में सेवारत व्यक्ति, कानून प्रवर्तन और सुरक्षा अधिकारी तथा निजी नागरिक शामिल हैं।

बयान में कहा गया कि अमेरिका प्रदर्शनकारियों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, विपक्षी सदस्यों और पत्रकारों के खिलाफ हिंसा की निंदा करता है। बयान में कहा गया है, हम जॉर्जिया में लोकतंत्र को कमजोर करने वालों को जवाबदेह ठहराने के लिए प्रतिबंधों सहित अतिरिक्त कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं।

गौरतलब है कि पिछले दो सप्ताह में जॉर्जिया में विपक्ष के विरोध

प्रदर्शनों की एक नई लहर देखने को मिली। ये विरोध प्रदर्शन जॉर्जिया के प्रधानमंत्री इराकली कोबाखिद्ज़े के उस बयान के बाद शुरू हुए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि जॉर्जियाई सरकार ने 2028 तक यूरोपीय संघ में प्रवेश के लिए वार्ता शुरू न करने और यूरोपीय संघ के वित्तीय समर्थन को अस्वीकार करने का निर्णय लिया है। जॉर्जियाई राज्य सुरक्षा सेवा ने कहा कि 14 दिसंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को बाधित करने के प्रयास में विदेश से राज्य अभिनेताओं द्वारा विरोध प्रदर्शनों का समन्वय किया जा रहा है।

सऊदी अरब जा रही इंडिगो फ्लाइट की पाकिस्तान में आपात लैंडिंग, मेडिकल इमरजेंसी के चलते लिया गया फैसला

एजेंसी

दक्षिण कोरिया। दक्षिण कोरिया की संसद ने राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ महाभियोग लाने के लिए मतदान किया है। देश में मार्शल लॉ लगाने के फैसले के बाद से राष्ट्रपति योल विवादों में घिर गए थे। हालांकि, जनता के विरोध और नेशनल असेंबली की कड़ी आलोचना के बाद उन्होंने इसे वापस ले लिया था। बता दें कि दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ केवल लगभग छह घंटे चला।

मार्शल लॉ के कारण विपक्षी पार्टियों ने राष्ट्रपति यून पर महाभियोग लगाने का प्रयास किया था। हालांकि, यह प्रस्ताव असफल हो गया क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के ज्यादातर सांसदों ने वोटिंग का बहिष्कार किया था। देश में महाभियोग के लिए 300 सीटों वाली संसद में 200 वोटों की आवश्यकता थी, लेकिन विपक्ष के पास केवल 192 सीटें थीं। सत्तारूढ़ पार्टी के

केवल तीन सांसदों ने वोटिंग में भाग लिया, जिससे प्रस्ताव खारिज हो गया। वहीं नेशनल असेंबली के स्पीकर ने इसे लोकतंत्र के लिए शर्मनाक बताया। संसद में एकबार फिर राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की बढ़ी मुश्किलें, संसद में योल को हटाने के लिए हुआ मतदान

एजेंसी

जॉर्जिया। दक्षिण कोरिया की संसद ने राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ महाभियोग लाने के लिए मतदान किया है। देश में मार्शल लॉ लगाने के फैसले के बाद से राष्ट्रपति योल विवादों में घिर गए थे। हालांकि, जनता के विरोध और नेशनल असेंबली की कड़ी आलोचना के बाद उन्होंने इसे वापस ले लिया था। बता दें कि दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ केवल लगभग छह घंटे चला। मार्शल लॉ के कारण विपक्षी पार्टियों ने राष्ट्रपति यून पर महाभियोग लगाने का प्रयास किया था। हालांकि, यह प्रस्ताव असफल हो गया क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के ज्यादातर सांसदों ने वोटिंग का बहिष्कार किया था। देश में महाभियोग के लिए 300 सीटों वाली संसद में 200 वोटों की आवश्यकता थी, लेकिन विपक्ष के पास केवल 192 सीटें थीं। सत्तारूढ़ पार्टी के केवल तीन सांसदों ने वोटिंग में भाग लिया, जिससे प्रस्ताव खारिज हो गया। वहीं नेशनल असेंबली के स्पीकर ने इसे लोकतंत्र के लिए शर्मनाक बताया। संसद में एकबार फिर राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया।

जॉर्जिया में जौराबिचविली ने राष्ट्रपति चुनाव को 'पैरोडी' बताया

एजेंसी

जॉर्जिया। जॉर्जिया की राष्ट्रपति सैलोम जौराबिचविली ने शनिवार को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को 'पैरोडी' और 'अवैध' करार दिया है।

गौरतलब है कि सुश्री सैलोम का कार्यकाल 16 दिसम्बर को समाप्त हो रहा है और 300 सांसदों और विभिन्न स्तरों के प्रतिनिधियों का एक समूह संसद भवन में एक नए राष्ट्रपति का चुनाव कराने वाले हैं। इस पद के लिए एकमात्र दावेदार पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी एवं वर्तमान सांसद मिखाइल कैवेलशविली हैं, जिन्हें सत्तारूढ़ जॉर्जियाई ड्रीम पार्टी की ओर नामित किया गया है। चुनाव होने पर नए राष्ट्रपति 29 दिसंबर को पदभार ग्रहण करेंगे। गौरतलब है कि जॉर्जियाई राज्य सुरक्षा सेवा ने कहा था कि विदेशी खुफिया सेवाओं की ओर समन्वित विरोध प्रदर्शन के आयोजक राष्ट्रपति चुनाव को बाधित करने की योजना बना रहे हैं।सुश्री ज़ौराबिचविली ने

संवाददाता सम्मेलन में कहा,'मुझे यह भी नहीं पता कि इसे क्या कहा जाए, उकसावे की कार्रवाई या पैरोडी! संभवतः, यह पूरी अवैध प्रक्रिया एक 'पैरोडी'है।' उन्होंने कहा कि आगामी राष्ट्रपति चुनाव जॉर्जियाई लोगों के लिए 'अपमानजनक' है। उन्होंने कहा कि उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद राष्ट्रपति पद छोड़ने का इरादा नहीं है और वे 'अंत तक लोगों के साथ रहेंगी।'

अमेरिकी सेना ने सीरिया में हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिक को देश से बाहर भेजा

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने सीरिया में कई महीनों से हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिक ट्रैविस टिमरमैन को देश से बाहर भेज दिया है।अमेरिकी वेबसाइट द हिल ने रक्षा अधिकारियों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि टिमरमैन को इस सप्ताह की शुरुआत में दमिश्क की जेल से रिहा किया गया था।

'समय आ गया है कि अमेरिका कार्रवाई करे', बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर बोले भारतीय अमेरिकी सांसद

एजेंसी

काठमांडू। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हमलों के मुद्दे पर अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि अमेरिकी संसद इस मामले पर कार्रवाई करे। शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से ही श्री थानेदार लगातार हिंदुओं पर हो रहे हमलों का मुद्दा उठा रहे हैं। गुरुवार को व्हाइट हाउस ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन बांग्लादेश की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं।बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले पर अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने कहा, भीड़ ने हिंदू मंदिरों को नष्ट कर दिया। अब समय आ गया कि इसपर अमेरिकी संसद और अमेरिकी सरकार कार्रवाई करें। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए हरसंभव उपकरण का अपयोग करने की आवश्यकता है।

बांग्लादेश पर आरोप लगाते हुए थानेदार ने कहा, 1971 में पाकिस्तान से आजादी मिलने के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा जारी है। हाल ही में हमने देखा कि एक हिंदू पुजारी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके वकील की हत्या कर दी गई।व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय

सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेस में कहा, शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में सुरक्षा स्थिति कठिन हो गई। हम इस चुनौती से निपटने के लिए कानूनी प्रवर्तन और सुरक्षा सेवाओं की की क्षमता बढ़ाने के लिए अंतरिम सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

भारतीय अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने सांसद रूबियो से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, मुख्य रूप से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के मुद्दे को संबोधित करने का आग्रह किया है।बता दें कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शीर्ष राजनयिक पद के लिए सांसद रूबियो को नामित किया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर हाल ही में बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकियों ने मार्च निकाला था।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सीरिया से 77 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत ने सीरिया में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के बीच 77 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया है जबकि दमिश्क और बेरूत में भारतीय दूतावास ने अन्य भारतीयों को निकालने की तैयारी कर ली है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में सीरिया के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा, सीरिया में भारतीय दूतावास लगातार काम कर रहा है। हमने सीरिया से उन सभी भारतीय नागरिकों को निकाल लिया है जो उस देश में हाल के घटनाक्रम के बाद घर लौटना चाहते थे। अब तक सीरिया से 77 भारतीय नागरिकों को निकाला जा चुका है।प्रवक्ता ने कहा, दमिश्क में हमारे दूतावास के कर्मी उनके साथ सीमा तक गए, जिसके बाद लेबनान में हमारे मिशन ने उनका स्वागत किया और उनके आव्रजन की सुविधा प्रदान की। दूतावास ने बेरूत में उनके रहने-खाने और घर वापस आने की व्यवस्था की।हमारे अधिकांश नागरिक पहले ही भारत लौट आए हैं और शेष आज या कल तक आ जाएंगे।उन्होंने कहा कि सीरिया की तीर्थयात्रा पर गए 44 जायरीन भी क्षेत्र के अन्य धार्मिक स्थलों की यात्रा के लिए कल बेरूत से रवाना हुए।

भारत और संयुक्त अरब अमीरात रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करेंगे

नयी दिल्ली। भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने रक्षा, उभरती हुई प्रौद्योगिकियों, परमाणु ऊर्जा, ध्रुवीय अनुसंधान, महत्वपूर्ण खनिजों और नवीकरणीय ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने की संभावनाओं पर गहन विचार विमर्श किया है। विदेश मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और संयुक्त अरब अमीरात के उप प्रधानमंत्री तथा विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान ने गुरूवार को चौथी भारत- संयुक्त अरब अमीरात वार्ता की सह-अध्यक्षता की।

किसान आंदोलन की दिशा तय करने के लिए बनी पांच सदस्यीय समिति - राकेश टिकैत

नई दिल्ली। किसान नेता राकेश टिकैत पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर पहुंचे। वहां उन्होंने आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से मुलाकात की। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा, हमने पांच सदस्यों की एक समिति बनाई है। यही समिति किसान समूहों के साथ संवाद करेगी और आगे की रणनीति तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल में भारत सरकार ने कई संगठन बनाए हैं जो सरकार के एजेंडे का समर्थन करते हैं। कई लोगों ने इसका विरोध किया है। अब आगे क्या करना है, इसकी रणनीति बनाई जाएगी। अगर किसानों की मांगें पूरी नहीं हुईं तो दिल्ली को केएमपी एक्सप्रेसवे से घेरने की रणनीति अपनानी होगी। इसके लिए चार लाख से अधिक ट्रैक्टरों की जरूरत होगी। दिल्ली के बाहर के 11 प्वाइंटों को घेरा जाएगा। खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन पर बैठे जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत बिगड़ती जा रही है, उसकी हम लोगों को चिंता है। राकेश टिकैत ने हमला बोलते हुए कहा कि आज के राजा प्रजा पर दया करने वाले नहीं हैं। मेरा मानना है कि किसान एकजुट होकर ही आगे कोई कदम उठा सकते हैं। हम सरकार से लड़कर अपना हक लेने आए हैं। ऐसे में हमें अपनी तैयारियां पूरी रखनी होंगी। दिल्ली को जब किसानों ने घेरा था तब 25 लाख लोग और चार लाख ट्रैक्टर थे। आज भी सरकार का व्यवहार वैसा ही है जैसा पहले था। हमारी लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

ट्रूडो को कनाडा की बची हुई इज्जत चाहिए तो इस्तीफा दे दें : दीपक वोहरा

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वह गवर्नर ट्रूडो से मिलेंगे और व्यापार तथा टैरिफ पर चर्चा करेंगे। यह दूसरी बार था जब उन्होंने ट्रूडो को गवर्नर कहा। इसके बाद देश और दुनिया में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडाई प्रधानमंत्री पर जानबूझ कर ऐसी टिप्पणी को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे। इस पर कई अफ्रीकी देशों में भारत के सलाहकार दीपक वोहरा ने कहा कि ट्रूडो ने कनाडा की इज्जत खराब की है, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। दीपक वोहरा ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वह गवर्नर ट्रूडो से मिलेंगे और व्यापार तथा शुल्क पर चर्चा करेंगे। यह दूसरी बार है जब उन्होंने ट्रूडो को गवर्नर कहा है। पहले जब ट्रंप ने कहा था कि वह कनाडाई आयातों पर 25 प्रतिशत ड्यूटी लगा सकते हैं, तो ट्रूडो घबरा गए थे। ट्रंप ने कहा था कि अगर कनाडा अमेरिका का 51वां प्रांत बन जाए, तो फिर टैरिफ की कोई समस्या नहीं होगी। इस पर ट्रूडो की स्थिति और भी कमजोर हो गई थी। इससे पहले दो बार ट्रूडो को डोनाल्ड ट्रंप का सार्वजनिक रूप से मजाक उड़ाते देखा गया था।

दिन-रात केवल सभापति के खिलाफ अभियान चल रहा है : धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन में अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलना राष्ट्र और समाज के लिए आवश्यक है।

श्री धनखड़ ने आज सुबह सदन में शून्यकाल के दौरान व्यथा के साथ कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया में उनके खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा,'दिन-रात केवल सभापति के खिलाफ अभियान चल रहा है... यह अभियान मेरे खिलाफ नहीं, बल्कि मेरी जैसी श्रेणी (किसानों) के खिलाफ़ है। 'सभापति ने कहा,' ..... यह स्वीकार करें कि मैं एक किसान का बेटा हूं, मैं कमज़ोरी नहीं दिखाऊंगा, मैं देश

के लिए मर जाऊंगा, मिट जाऊंगा....आप लोग नहीं सोचेंगे, 24 घंटे में केवल ही एक काम है, किसान का बेटा यहां क्यों बैठा है? मैं अपनी आंखों से देख रहा हूं और पीड़ा महसूस कर रहा हूं। श्री धनखड़ ने कहा, मुझे व्यक्तिगत रूप से पीड़ा है कि मुख्य विपक्षी दल ने सभापति के खिलाफ एक तीव्र अभियान चला रखा है। उन्हें मेरे खिलाफ प्रस्ताव लाने का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन संवैधानिक प्रावधानों से हटा जा रहा हैं। सभापति ने कहा कि सार्वजनिक तौर पर जो कुछ कहा जा रहा है, उन्होंने उसका अध्ययन कर लिया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष संविधान का पालन नहीं कर रहा है। अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस देना और इसपर चर्चा की मांग करना विपक्ष का अधिकार है लेकिन इसके लिए प्रावधान निर्धारित हैं। विपक्ष संविधान का उल्लंघन कर रहा है।

विपक्ष बयान जारी कर अविश्वास प्रस्ताव का निर्णय जानना चाहता है। उन्होंने कहा, कानून को पढ़िए, आपका प्रस्ताव आ गया है, (निर्णय) 14 दिन के बाद आएगा। आपने एक अभियान शुरू कर दिया है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा दिसनायका रविवार से दो दिन की भारत यात्रा पर

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसनायका 15-17 दिसंबर को राजकीय यात्रा पर भारत आएंगे। राष्ट्रपति बनने बाद श्री दिसनायका की भारत की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी।विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति दिसनायका इस यात्रा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ दोनों देशों के परस्पर हित के मुद्दों पर चर्चा करेंगे भारत और श्रीलंका के बीच निवेश और वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रपति दिसनायका राष्ट्रीय राजधानी में एक व्यापारिक कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। इसके अलावा वह यात्रा के हिस्से के रूप में बोधगया भी जाएंगे। श्रीलंका हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत का सबसे करीबी समुद्री पड़ोसी है और प्रधानमंत्री के सागर(क्षेत्र में सभी के

लिए सुरक्षा और विकास) के दृष्टिकोण और भारत की पड़ोसी पहले नीति में एक विशेष स्थान रखता है। बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति दिसानायका की भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच बहुआयामी और पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग और मजबूत होने की उम्मीद है।

केजरीवाल की घोषणाओं से प्रभावित कई ऑटो वाले भाजपा को छोड़ आम आदमी पार्टी में हुए शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की घोषणाओं से प्रभावित होकर कई ऑटो वाले भाजपा को छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। पार्टी के दिल्ली प्रदेश संगठन मंत्री और ऑटो विंग के प्रभारी गौरव सिंह ने सबको पटका व टोपी पहनाकर 'आप' में शामिल कराया।

इस दौरान ऑटो चालकों के कहा कि अरविंद केजरीवाल की उनके हितों में की गई पांच घोषणाओं से उनमें बेहद उत्साह है। बेटी की शादी में एक लाख रुपए मिलेंगे तो बहुत मदद होगी। साथ ही, इंश्योरेंस होने से अब परिवार की चिंता नहीं रहेगी। अरविंद केजरीवाल जो कहते हैं, वो करके दिखाते हैं। अभी तक उन्होंने हमारे लिए बहुत सारे काम किए हैं। इसलिए अब हम आम आदमी पार्टी में आ गए हैं और हम मिलकर फिर अरविंद केजरीवाल की सरकार लाएंगे। वहीं, गौरव सिंह ने कहा कि पूरी दिल्ली के ऑटो वाले मुझे फोन कर रहे हैं और अरविंद केजरीवाल को धन्यवाद दे रहे हैं। भाजपा से जुड़े कई और ऑटोवाले जल्द आम आदमी पार्टी में शामिल होंगे। गौरव सिंह ने कहा कि कुछ ऑटो वाले साथी जो कुछ वक्त पहले भाजपा में चले गए थे, उन्होंने अरविंद केजरीवाल की घोषणाओं से प्रभावित होकर भाजपा छोड़ दी है और आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया है। भाजपा के अंदर उन्हें कोई सम्मान नहीं मिलता था। उन्होंने आगे कहा कि ऑटो वालों ने बताया जितना सम्मान उन्हें आम आदमी पार्टी में मिलता है, कहीं और नहीं मिलता है। उन्हें भाजपा के वादों पर भी कोई यकीन नहीं है।

सत्ता पक्ष व विपक्ष ने लगाया एक दूसरे पर संविधान के अपमान का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में सत्ता पक्ष तथा विपक्ष ने एक दूसरे पर सत्ता का दुरुपयोग कर संविधान का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए कहा कि संविधान सबको समान अधिकारों, परंपराओं, कर्तव्यों और मूल्यों के संरक्षण का आदेश देता है और सभी को इसके दायरे में रहते हुए देश को प्रगति के पथ पर आगे बढाने के लिए काम करना चाहिए। लोकसभा में 'संविधान अंगीकार करने के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर शुरु हुई दो दिन की चर्चा के पहले दिन सदस्यों ने कहा कि संविधान सबको बराबरी का अधिकार देता है और सबकी जिम्मेदारी इसमें वर्णित मूल्यों को मजबूती के साथ आगे बढाने की है। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कांग्रेस की सरकारों का इतिहास बताते हुए कहा कि उसने 1951 से ही संविधान में प्रदत्त मूल्यों की अवहेलना शुरु कर दी थी जबकि विपक्ष ने कहा कि सत्ताधारी दल लगातार लोगों को

संविधान में दिए अधिकारों की अनदेखी कर रहा है। रक्षा मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि देश का संविधान सभी वर्गों के कल्याण के लिए है और सबको समान अधिकार देता है, गरीब को शीर्ष पद पर बैठने की अनुमति देता है। हमारा संविधान भारत को एक आदर्श राष्ट्र बनाने, राष्ट्रीय एकता, देश के विकास, नागरिकों की गरिमा सुरक्षित करने तथा राष्ट्र के आर्थिक और सांस्कृतिक विकास का रोड मैप है। यह सभी नागरिकों के कल्याण की अनुमति देता है और इसी का परिणाम है कि गरीब परिवार में जन्मा व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति भी बन सकता है। यह संविधान भारत के नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करता है और उन्हें सम्मान से जीने का अधिकार देता है। हमको सुनिश्चित करना चाहिए कि देश के नागरिकों के अधिकारों का कभी हनन नहीं हो और सभी धर्मों के लोगों को समान अधिकार मिलते रहें।उन्होंने कहा कि संविधान सब नागरिकों को एक समान अधिकार देता है और देश की संस्कृति तथा परंपरा को अक्षुण्ण रखने की अनुमति देता है। संविधान में कमल का फूल है और भगवान राम की तस्वीर है, जो दर्शाता है कि हमारा संविधान हमारी परंपरा और विरासत का वाहक है और मोदी सरकार इन्हीं मूल्यों का अनुसरण कर देश के विकास के लिए सबको साथ लेकर काम कर रही है। संविधान को अंगीकार करने के 75 साल पूरे होने पर आज सदन में चर्चा की जा रही है। भारत के स्वतंत्रता सेनानियों और आम भारतीयों ने जो सपना देखा था वह आज के दिन पूरा हुआ था। इसी दिन 26 नवंबर को भारत सरकार ने अपना संविधान अंगीकार किया था और देश में राजतंत्र, ब्रिटिश तंत्र समाप्त होकर लोकतंत्र आ गया था। इस मौके पर सदन तथा देशवासियों को बधाई देते हुए उन्होंने भारत की आजादी की लड़ाई में हिस्सा लेने वाले महान देशभक्तों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि हमारा संविधान सार्वभौम है ।

नेपाली सेना प्रमुख ने भारत के साथ रक्षा सहयोग मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जतायी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की यात्रा पर आये नेपाली सेना के प्रमुख जनरल अशोक राज सिगडेल ने नेपाल और भारत के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जतायी है।

यात्रा के तीसरे दिन जनरल सिगडेल ने गुरूवार को पुणे में भारतीय रक्षा उद्योगों का दौरा किया। इसके बाद वह देहरादून के लिए रवाना हो गये जहां वह कल भारतीय सैन्य अकादमी में प्रतिष्ठित पासिंग आउट परेड की समीक्षा करेंगे।

पुणे में जनरल सिगडेल ने टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) और भारत फोर्ज सहित कई प्रमुख रक्षा उद्योग प्रतिष्ठानों का दौरा किया। यात्रा के दौरान उन्होंने भारत के रक्षा क्षेत्र के वरिष्ठ प्रतिनिधियों से बातचीत की और विचारों का आदान-प्रदान किया। इन वार्ताओं का फोकस दोनों देशों की सेनाओं द्वारा प्रौद्योगिकी के अनुकूलन पर था उन्होंने स्टेटिक इक्विपमेंट डिस्प्ले का भी अवलोकन किया, जहां उन्हें सेना में हाल ही में शामिल किए गए नवीनतम, अत्याधुनिक उपकरणों से परिचित कराया गया।

पुणे में अपने कार्यक्रमों के बाद जनरल सिगडेल देहरादून पहुंचे और उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ

रात्रिभोज में भाग लिया और बातचीत की। समीक्षा अधिकारी के रूप में, जनरल सिगडेल उन कैडेटों का निरीक्षण करेंगे जो सेना में अपना करियर शुरू करने वाले हैं। इस स्थायी साझेदारी के हिस्से के रूप में, नेपाल के दो कैडेट, ऑफिसर कैडेट बिनोद भट्टा और ऑफिसर कैडेट प्रबीन पांडे को परेड के दौरान कमीशन दिया जाएगा, जो गर्व और साझा परंपरा का क्षण होगा। उनकी कमीशनिंग भारत और नेपाल के बीच गहरे सैन्य संबंधों को रेखांकित करती है, जो रक्षा और प्रशिक्षण में आपसी विकास और सहयोग के प्रति वचनबद्धता को दर्शाती है। जनरल अशोक राज सिगडेल की भारत यात्रा का तीसरा दिन रचनात्मक वार्ताओं से भरा रहा जिसका उद्देश्य रक्षा सहयोग को बढ़ाना, विशेष रूप से नेपाली और भारतीय सशस्त्र बलों के बीच संबंधों को मजबूत करना था।

भारत ने कनाडा में भारतीय छात्रों की हत्या पर दुख व्यक्त किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत ने कनाडा में तीन भारतीय छात्रों की हत्या पर दुख व्यक्त किया है और बिगड़ते सुरक्षा माहौल को देखते हुए भारतीय नागरिकों और छात्रों को अत्यधिक सतर्कता बरतने की सलाह दी है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में कनाडा में भारतीय छात्रों के साथ हुई घटना के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम कनाडा में हमारे नागरिकों पर हुई इन भयानक त्रासदियों से दुखी हैं। हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

प्रवक्ता ने कहा, टोरंटो और वैंकूवर में हमारा उच्चायोग और वाणिज्य दूतावास इस मामले में हर संभव मदद कर रहे हैं। वे इन घटनाओं की गहन जांच के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। श्री जायसवाल ने कहा,÷ कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, सुरक्षा और कल्याण हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके, विशेष रूप से भारतीय छात्रों के सामने आने वाले मुद्दों को हमारे उच्चायोग और वाणिज्य दूतावासों द्वारा नियमित आधार पर संबंधित

कनाडाई अधिकारियों के साथ उठाया जाता है। घृणा अपराधों और आपराधिक हिंसा की बढ़ती घटनाओं के परिणामस्वरूप कनाडा में बिगड़ते सुरक्षा माहौल को देखते हुए हमने अपने नागरिकों और भारतीय छात्रों को अत्यधिक सावधानी बरतने और सतर्क रहने के लिए सलाह भी जारी की है। उन्होंने कनाडा के नागरिकों को भारतीय वीज़ा देने से संबंधित रिपोर्टों के बारे में पूछे जाने पर कहा, हमने उक्त मीडिया रिपोर्ट देखी है। यह भारत को बदनाम करने के लिए कनाडाई मीडिया के दुष्प्रचार का एक और उदाहरण है। भारतीय वीज़ा देना हमारा संप्रभु कार्य है और हमारी क्षेत्रीय अखंडता को कमज़ोर करने वालों को वीज़ा देने से इनकार करने का हमारे पास वैध अधिकार है। इस मामले पर कनाडाई मीडिया में जो टिप्पणी हम देखते हैं वह भारत के संप्रभु मामलों में विदेशी हस्तक्षेप के समान है।

पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला: शीर्ष अदालत ने दी पूर्व मंत्री को जमानत

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में कथित शिक्षक भर्ती घोटाले के मुख्य आरोपी राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दर्ज धन शोधन मामले में एक फरवरी, 2025 से जमानत दी। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने यह आदेश पारित करते हुए कहा, याचिकाकर्ता को एक फरवरी 2025 को रिहा किया जाएगा। यदि आरोप तय करने और गवाहों की जांच पहले की जाती है तो उन्हें उसके तुरंत बाद रिहा कर दिया जाएगा। पीठ ने यह भी कहा कि श्री चटर्जी को विधानसभा के सदस्य के अलावा किसी भी सार्वजनिक पद पर नियुक्त नहीं किया जाएगा।

शीर्ष अदालत ने उनकी जमानत याचिका मंजूर करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि यह आदेश (जमानत का) केवल प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज किए गए धन शोधन मामले से संबंधित है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) सहित आरोपियों के खिलाफ किसी अन्य मामले से संबंधित नहीं है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने निचली अदालत को इस महीने आरोप तय करने और 30 जनवरी तक कमजोर

गवाहों के बयान दर्ज करने का भी निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि अपीलकर्ता आरोप तय करने को चुनौती दे सकता है, लेकिन गवाहों की जांच की जानी चाहिए।

पीठ ने कहा कि उसने जमानत न्यायशास्त्र के सामान्य सिद्धांतों के अनुसार यह आदेश पारित किया। अपने आदेश में पीठ ने यह भी कहा कि अपीलकर्ता के दावे को हजारों मेधावी अभ्यार्थियों (प्रभावित लोगों) पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की परिस्थितियों के मद्देनजर समझा गया।

पीठ ने कहा कि विचाराधीन कैदी (अपीलकर्ता) को कैद करने से दंडात्मक हिरासत का मकसद पूरा नहीं हो सकता। श्री चटर्जी को पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए ईडी ने 23 जुलाई 2022 को गिरफ्तार किया था और तब से उन पर धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत आरोप हैं। ईडी का दावा है कि इस? मामले में उनसे बड़ी रकम भी बरामद की गई थी।

उन्हें गिरफ्तारी के बाद मंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सभी पदों से मुक्त कर दिया गया था।

'किसानों को शंभू बॉर्डर खाली करने के लिए मनाएं'

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब और हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर धरना दे रहे किसानों को सुचारूपूर्वक खाली करने के लिए उन्हें मनाने का प्रयास करने का निर्देश दिया और साथ ही सुझाव दिया कि वे (किसान) अपना आंदोलन अस्थायी रूप से स्थगित कर सकते हैं। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की खंडपीठ ने यह निर्देश देते कहा कि इस मामले में शीर्ष अदालत द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति के सदस्य सचिव ने पहले आश्वासन दिया था कि समिति किसानों को मनाने का संकल्प लेगी। शीर्ष न्यायालय ने महसूस किया कि बातचीत जारी रहने के कारण आंदोलन को कुछ समय के लिए स्थगित किया जा सकता है।

न्यायालय ने कहा कि सबसे बेहतर होगा कि समिति की ओर से किसानों को मनाने का प्रयास हो चाहिए। फिलहाल किसान अपना आंदोलन स्थगित कर सकते हैं। वे कहीं स्थानांतरित हो सकते हैं। हम यह नहीं कह रहे हैं कि उन्हें विरोध नहीं करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर कुछ नहीं होता है तो आंदोलन जारी रह सकता है। शीर्ष अदालत ने पिछले 17 दिनों से अनशन बैठे पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल को तत्काल चिकित्सा सहायता देने का भी निर्देश दिया। उसने कहा कि वे एक वरिष्ठ नागरिक हैं, उन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हैं।

उनकी स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ रही है। एक प्रमुख किसान नेता होने के नाते सरकार का यह कर्तव्य है कि वो दलेवाल को उनका अनशन तोड़े बिना तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करें। उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई के दौरान जोर देकर कहा कि समिति का प्राथमिक कार्य किसानों को अपना आंदोलन स्थानांतरित करने या अस्थायी रूप से निलंबित करने के लिए राजी करना है ताकि नाकाबंदी हटाई जा सके। समिति को इस मुद्दे को हल करने के लिए कुछ समय दिया जाना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि समिति की प्रगति अनुमान से धीमी है।

जज शेखर यादव पर महाभियोग के लिए नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के 55 सांसदों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस दिया है। सांसदों ने राज्यसभा के महासचिव को यह नोटिस सौंपा है। न्यायमूर्ति यादव पर अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरती भाषण देने का आरोप है।राज्यसभा के सांसद कपिल सिब्बल के नेतृत्व में विभिन्न दलों के 55 सांसदों ने महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। नोटिस पर हस्ताक्षर करने वालों में कांग्रेस के विवेक तन्खा, दिग्विजय सिंह, माकपा के जान ब्रिटास, आप के संजय सिंह, तृणमूल के साकेत गोखले तथा सागरिका घोष, राजद के मनोज झा, सपा के जावेद अली खान प्रमुख रूप से शामिल हैं। नोटिस में कहा गया है कि उन्होंने पिछले दिनों विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में अल्पसंख्यकों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की थी। इससे जुड़े दस्तावेजों को भी सौंपा गया है। इस बाबत मीडिया में खबरें आने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी मामले में संज्ञान लिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। न्यायमूर्ति शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग चलाने का नोटिस संविधान के अनुच्छेद 124(4, 5) तथा जजेज इंक्वारी एक्ट के तहत लाया गया है। राज्यसभा में महाभियोग का नोटिस देने के लिए 50 सांसदों के हस्ताक्षर

जरूरी होते हैं। जबकि लोकसभा में अभियोग चलाने के लिए सौ सांसदों के हस्ताक्षरों की जरूरत होती है।

सांसदों के एक समूह ने राज्यसभा के महासचिव से मुलाकात की तथा उन्हें नोटिस सौंपा। साथ ही इस मामले में जल्द निर्णय लेने की अपील की ताकि उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू की जा सके। महाभियोग चलाने के लिए अगले कदम के तौर पर राज्यसभा एक जांच पैनल का गठन कर सकता है। पैनल की रिपोर्ट आने के बाद उस पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा की जाती है। साथ ही संबंधित जज को भी अपना पक्ष रखने का मौका मिलता है।

इससे पहले 2011 में कोलकाता हाईकोर्ट के जस्टिस सौमित्र सेन के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। राज्यसभा में इस पर चर्चा भी हुई थी और वे अपनी सफाई देने के लिए पेश भी हुए थे लेकिन प्रक्रिया पूरी होने से पूर्व ही उन्होंने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को सौंप दिया था। अब तक चार जजों के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव आया है। तीन अन्य में 1993 में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के जस्टिस वी. रामास्वामी के खिलाफ लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था लेकिन वह पारित नहीं हो पाया था। 2015 में गुजरात हाईकोर्ट के जस्टिस जेबी पादरीवाला के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस राज्यसभा में दिया गया था, लेकिन पादरीवाला ने अपने फैसले से आपत्तिजनक टिप्पणी को हटा दिया था। सिक्किम हाईकोर्ट के जस्टिस पीडी दिनाकरण के खिलाफ भी 2011 में महाभियोग लाने का नोटिस राज्यसभा में दिया गया था, लेकिन इससे पहले ही उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

महिलाओं को सशक्त बनाने का एक भारतीय मॉडल बनाया जाना चाहिए : धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने का एक भारतीय मॉडल बनाया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि महिलाएं सभी निर्णय लेने वाली संरचनाओं और जीवन विकल्पों में शामिल हों। उन्होंने कहा कि महिलाओं की समानता और सशक्तीकरण ही समाज और राष्ट्र को सशक्त बना सकता है। धर्मेंद्र प्रधान नई दिल्ली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा 'नारी नेतृत्वः विकासशील भारत ञ्च 2047 के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता को आकार देना' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे हम विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की ओर बढ़ रहे हैं, नारी शक्ति अधिक निर्णय लेने वाली भूमिकाएं निभाएगी। प्रधान ने कहा कि कार्यशाला एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप शिक्षा के हर स्तर पर महिलाओं के सशक्तीकरण पर जोर देती है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य यह दिखाना है कि कैसे महिलाएं उच्च शिक्षा में शैक्षिक मानकों को उठा रही हैं और साथ ही उन्हें नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए तैयार और प्रेरित भी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति ताकत, लचीलापन और आशा का प्रतीक है और महिलाओं के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना भारतीय सभ्यता का एक अंतर्निहित मूल्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सरकार ने किस तरह से महिलाओं के विकास से महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की ओर एक परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए आगे बढ़कर नेतृत्व किया है। मंत्री ने कहा कि उभरती हुई नई विश्व व्यवस्था ज्ञान से प्रेरित होगी और महिलाएं कृत्रिम रुकावटों को तोड़ रही हैं, लैंगिक भूमिकाओं को चुनौती दे रही हैं और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) सहित सभी क्षेत्रों में उनकी भागीदारी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए समान अवसर स्थापित करना महत्वपूर्ण है।

कैथल में परिवहन मंत्री ने परिषद एक्सईएन के खिलाफ दिए एफआईआर के आदेश

एजेंसी
कैथल। कैथल में जिला शिकायत निवारण कमेटी की बैठक जनसमस्याएं सुनने पहुंचे परिवहन मंत्री ने नगर परिषद के एक्सईएन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। एक्सईएन ने प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड द्वारा लगाया गया 20 लाख रुपए का जुर्माना नहीं भरा था। जींद रोड आईटीआई के सभागार में कैथल में लोगों की समस्याओं को सुनने के लिए पहुंचे अनिल विज ने अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे लोगों को उन तक ने पहुंचने देने पर डीसी को भी फटकार लगाई। बैठक में डीसी सहित अन्य विभागों के विभागाध्यक्ष भी पहुंचे थे। शुक्रवार बाद दोपहर मंत्री अनिल विज के आने की सूचना के बाद बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें लेकर आईटीआई परिसर में पहुंच गए थे। पुलिस ने सभी लोगों को अंदर जाने से रोक दिया। बैठक में केवल उन्हीं लोगों को अंदर जाने दिया गया, जिसकी शिकायत लगी हुई थी। इस बीच मंत्री अनिल विज मीटिंग लेने पहुंचे तो लोगों ने उनको बताया कि पुलिस अंदर नहीं आने दे रही है। लोगों की बात सुनने के बाद अनिल विज भड़क गए। लोगों को मीटिंग में न आने को लेकर विज ने डीसी को फटकार लगाई और कहा कि सभी से मिलकर जाऊंगा।

जिले में भाजपा सदस्यता का आंकड़ा पहुंचा दो लाख के पारः राजेश सपरा

यमुनानगर। कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने कहा कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा में भाजपा के सक्रिय सदस्यता अभियान की शुरुआत की है और यह सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए बहुत गर्व की बात है। भाजपा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली की उपस्थिति में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भाजपा परिवार के सक्रिय सदस्य बने और हरियाणा प्रदेश में इस अभियान की शुरुआत की। यह जानकारी देते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता अपने बूथ या विधानसभा क्षेत्र में 50 नए सदस्यों को पंजीकृत कर सक्रिय सदस्य बन सकते हैं। सक्रिय सदस्य बनने पर ही आपको बूथ,मंडल, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सेवा का अवसर मिलने वाला है। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा ने कहा कि जिला यमुनानगर में भाजपा के प्राथमिक सदस्यों की संख्या 2 लाख 10 हजार तक पहुंच चुकी है। जगाधरी, यमुनानगर, रादौर, सढौरा विधानसभा क्षेत्र में लगातार आमजन भाजपा के साथ जुड़ रहे हैं। जिला यमुनानगर में अब तक 500 से ज्यादा सक्रिय सदस्य बन चुके हैं व जिला यमुनानगर में 2000 से ज्यादा सक्रिय सदस्य बनाये जाने हैं। उन्होंने भाजपा के परिवारजनों से आह्वान करते हुए कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली द्वारा आरम्भ किए गए इस विशेष अभियान से जुड़ें और विकसित भारत-विकसित हरियाणा के निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाएं।

कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ही किसानों को रोक रही सरकारः श्याम सिंह राणा

यमुनानगर। हरियाणा सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने 21वें राज्य स्तरीय पशुधन गणना अभियान की रादौर में बटन दबाकर शुरुआत की। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान पूछे गए सवालों को लेकर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह ने वन नेशन वन इलेक्शन विधेयक पर केंद्रीय कैबिनेट की मोहर लगने के संबंध में कहा कि इस विधेयक के पास होने से चुनाव में होने वाले खर्च में भारी कमी आएगी। इसके अलावा आचार संहिता के लगने से चल रहें विकास कार्यो में भी बाधा नहीं आएगी। किसानों के दिल्ली कूच के सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए किसानों को जाने से रोक रही है ताकि दिल्ली में अव्यवस्था न फैले। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पंजाब से ही सबसे ज्यादा 120 लाख मीट्रिक टन अनाज खरीद रही है जिसमें हरियाणा का केवल 50 हजार मीट्रिक टन अनाज एमएसपी पर ही खरीदा जा रहा है। किसानों को अपनी बात अपनी राज्य सरकार और सांसदों के माध्यम से रखनी चाहिए। उन्होंने किसानों के आंदोलन को लेकर कहा कि किसानों को अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए क्योंकि जीवन अमूल्य है। नगर निगम के चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि पार्टी अपने चुनाव चिन्ह पर लड़ती आई है और इसका फैसला केंद्र और प्रदेश का शीर्ष नेतृत्व लेगा।

जिला परिषद अध्यक्षा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की बैठक हुई स्थगित

जींद। जींद जिला परिषद की अध्यक्षा मनीषा रंधावा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर होने वाली बैठक स्थगित हो गई। जिला उपायुक्त पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के चलते बैठक में शामिल नहीं हो पाए। एडीसी विवेक आर्य ने बताया कि डीसी मोहम्द इमरान रजा अचानक छुट्टी पर चले गए। अविश्वास प्रस्ताव की बैठक उनकी देखरेख में होनी थी। जिसके चलते बैठक को स्थगित कर दिया गया। अगली तारिख भी जल्द दे दी जाएगी। गौरतलब है कि 25 सदस्यीय जिप में 18 पार्षदों ने जिप अध्यक्षा के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। मनीषा रंधावा को सात पार्षदों को समर्थन है। उसे अविश्वास प्रस्ताव से पार पाने के लिए नौ पार्षदों की जरूरत है। अब फिर अगली मिलने वाली नई तारिख का इंतजार है।जजपा के समर्थन से भाजपा समर्थक को हरा बनी थी जिप अध्यक्षा लगभग दो साल पहले भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार में डिप्टी सीएम रहे दुष्यंत चौटाला के आशीर्वाद से मनीषा रंधावा जिला परिषद अध्यक्षा बनी थी।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विजन में हस्तशिल्पियों की होगी महत्वपूर्ण भूमिका : सीएम

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज चंडीगढ़ के सेक्टर-35 स्थित किसान भवन में आयोजित क्राफ्ट प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विजन में हस्तशिल्पियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसके लिए केंद्र सरकार ने पीएम विश्वकर्मा योजना चलाई है, जिसके तहत पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को उनके पारंपरिक उत्पादों और सेवाओं को बढ़ाने में सरकार की ओर से सहायता प्रदान की जा रही है। कारीगरों के कौशल को निखारने के लिए कौशल प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा

सरकार भी प्रधानमंत्री के इसी विजन को आगे बढ़ा रही है और प्रदेश में शिल्पकारों को सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है। क्राफ्ट रूट्स संस्था द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी ने हस्तशिल्पियों को अपनी कला को प्रदर्शित करने का बेहतरीन मंच प्रदान किया है। इस संस्थाह ने लगभग 75,000 युवाओं और महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में निपुण किया है। भारत विविधताओं का देश है। यहाँ हर प्रांत, हर क्षेत्र और हर समुदाय की अपनी विशिष्ट कला और शिल्प परंपरा है। क्राफ्ट रूट्स संस्था ने इन सभी परंपराओं को एक छत के नीचे लाने का सराहनीय प्रयास किया है। यह केवल प्रदर्शनी का मंच नहीं है, बल्कि यह उन कारीगरों और शिल्पकारों के सम्मान का प्रतीक है, जो अपने जीवन के हर पल को शिल्प को समर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास में हस्तशिल्प और हथकरघा का महत्त्वपूर्ण योगदान है। इतिहास से पता चलता है कि भारत को सोने की चिड़िया बनाने में हस्तशिल्पियों और हथकरघा से जुड़े कागिरगरों का बड़ा योगदान रहा है। आज 21वीं सदी में भारत फिर दुनिया की बड़ी आर्थिक शक्ति बनने जा रहा है, जिसमें आप जैसे कुशल हाथों का बड़ा योगदान होगा।

एसीबी ने सोनीपत में जीएसटी कार्यालय के डाटा एंट्री ऑपरेटर को रिश्वत लेते पकड़ा

एजेंसी
सोनीपत। हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने जिला सोनीपत के केंद्रीय जीएसटी ऑफिस में तैनात डाटा एंट्री ऑपरेटर सोनू को 6 हज़ार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी ने शिकायतकर्ता से उसकी फर्म के जीएसटी नंबर का वेरिफिकेशन करने के बदले में रिश्वत की मांग की थी।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि एंटी करप्शन ब्यूरो को शिकायत प्राप्त हुई थी कि केंद्रीय जीएसटी ऑफिस सोनीपत में तैनात डाटा एंट्री ऑपरेटर सोनू 6000रुपये की रिश्वत मांग रहा है। मामले की पुष्टि के बाद एसीबी ने योजना बनाकर आरोपी को रंगे हाथों रिश्वत लेते पकड़ा। ब्यूरो की टीम ने इस मामले में सभी आवश्यक सबूत जुटाकर गहन जांच शुरू कर दी है। आरोपी के खिलाफ रोहतक एंटी करप्शन ब्यूरो में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने आदमपुर पहुंचकर जांचे विकास कार्य

एजेंसी
हिसार। एंटी करप्शन ब्यूरो पंचकूला की टीम ने आदमपुर में करोड़ों रुपये की लागत से बिछाई जा रही नई सीवरेज लाइनों में तीन जगह सेंपल लिए। जांच के दौरान टीम को ना तो सीवरेज पाइप लाइन के नीचे पीसीसी की हुई मिली। ना ही सीवरेज की गहराई तय मापदंडों की अनुसार मिली। प्रयोग की गई निर्माण सामग्री भी दोयम दर्जे की पाई गई। शिकायतकर्ताओं ने कहा कि अधिकारियों की मिलीभगत से करीब 35 करोड़ रुपये के इस टेंडर में सरकार के करोड़ों रुपयों का गबन किया गया है। अब सरकार द्वारा इस कार्य की सही तरीके से जांच कर दोषियों अधिकारियों व एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। सुबह पंचकूला से एंटी क्रप्शन ब्यूरो के एसई दीपक गोयल, इंस्पेक्टर अजीत सिंह व अन्य आदमपुर रेस्ट हाउस पहुंचे। इससे पहले सुबह आठ बजे सभी शिकायतकर्ताओं को टीम के आने की सूचना दी गई। इस दौरान पब्लिक हेल्थ विभाग के जेई सुरेश ढाका, विकास गोरिया व सीताराम, एसडीओ अंकुश मक्कड़ ही पहुंचे जबकि हिसार से एक्सईएन संजीव त्यागी व कंचन वर्मा दोपहर करीब एक बजे आदमपुर रेस्ट हाउस पहुंचे। इस दौरान एक-एक करके सभी शिकायतकर्ताओं को बुलाया गया और उनकी शिकायतें सुनी गई। इसके बाद टीम ने हनुमान कालोनी, इंदिरा

कालोनी और तहसील के सामने जेसीबी व मजूदरों की सहायता से दबाई गई सीवरेज पाइप लाइन व मेन होल की खुदाई कर सैंपल लिए। खुदाई के दौरान सभी जगह सीवरेज लाइन के नीचे पीसीसी नही मिली और ना ही मेनहोल की गहराई तय मापदंडों के अनुसार पाई गई। टीम ने इंटों आदि निर्माण सामग्री के सैंपल लिए और मशीन से गुणवता की जांच की। रेस्ट हाउस में टीम के एसई दीपक गोयल, इंस्पेक्टर अजीत सिंह, पीडब्ल्यूडी विभाग के एक्सईएन संजीव त्यागी व कंचन वर्मा पहुंचे। इस दौरान लोगों ने ठेकेदार, जेई व एसडीओ पर गंभीर आरोप लगाए। लोगों ने कहा कि सीवरेज व पेयजल पाइप लाइन डालने में भारी लापरवाही बरती गई है। जब ठेकेदार द्वारा गलत लाइन बिछाने की शिकायत अधिकारियों से करते है तो उल्टे उन्हें ही पुलिस केस की धमकी दी जाती है। हाई स्कूल रोड निवासी हरिसिंह भादू, नरसी राड़, हाउसिंग बोर्ड कालोनी निवासी राजकुमार खिचड़, कृष्ण गर्ग ढांड, शिव कालोनी निवासी शिवकुमार, पवन जैन, राकेश कुमार, मैन बाजार के संजय सोनी, बोगा मंडी निवासी जगदीश भादू, जवाहर नगर निवासी राजकुमार जांगड़ा, ओमप्रकाश कनवाडिय़ा, कालेज रोड निवासी सुनील सिवाच, टांडी कालोनी के अमनदीप आदि ने बताया कि विभाग द्वारा डाली गई ।

पलवल : बार-बार चुनावों से रुकता है विकासः राज्यमंत्री गौतम

एजेंसी
पलवल। वन नेशन-वन इलेक्शन पर प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी सोच और विजय साफ है। बार-बार चुनावों में आचार संहिता लगने से विकास कार्य रुक जाते हैं। सरकार इस बिल को इसी सत्र में पेश करेगी। यह बात खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने यहां पत्रकार वार्ता में कही।उन्होंने कहा कि देश की वर्तमान चुनाव प्रणाली में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए पांच साल के अंतराल में अलग-अलग चुनाव होते है। इसी प्रकार पंचायत और नगर निकायों के चुनावों की प्रक्रिया होती है। चुनावों के दौरान आचार संहिता लागू हो जाती है। जिसके चलते हुए विकास कार्य भी प्रभावित होते है। गौतम ने कहा कि लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाने के मसले पर पिछले लंबे समय से बहस चल रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस विचार का समर्थन कर इसे आगे बढ़ाया है। अगर देश में यह पहल होती है, तो भाजपा इसका स्वागत करेगी। इस बिल के आने से चुनावों पर खर्च कम होगा और समय की भी बचत

होगी। गौतम ने कहा कि हरियाणा में निकाय चुनावों को लेकर तैयारियां चल रही है। निकाय चुनावों को लेकर पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित है। उन्होंने कहा कि भाजपा निकाय चुनाव सिंबल पर लड़वाएगी या नहीं, इसका फैसला पार्टी नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि निकाय चुनावों में भाजपा की जीत होगी और उनके पार्टी के मेयर बनेंगे।

उन्होंने कहा कि किसानों को पंजाब में जाकर आंदोलन करना चाहिए। पंजाब सरकार किसानों के साथ गलत व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य है जहां पर किसानों की फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। कांग्रेस पार्टी किसानों को बरगलाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश की जनता ने कांग्रेस पार्टी को पूरी तरह से नकार दिया है।

दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर मिलेंगे सूरजकुंड मेले के टिकट

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा टूरिज्म कॉरपोरेशन ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के साथ शुक्रवार को दिल्ली में एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत 38वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय क्राफ्ट्स मेला की टिकट अब दिल्ली के मेट्रो स्टेशनों पर नई तकनीक से बेची जाएगी। इस मौके पर हरियाणा टूरिज्म कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक सुनील कुमार ने कहा कि दिल्ली मेट्रो के साथ यह साझेदारी सूरजकुंड मेले के लिए एक गेम - चेंजर साबित होगी। यह मेट्रो कनेक्टिविटी और डिजिटल टिकटिंग की व्यवस्था आसान होगी। जानकारी के अनुसार सूरजकुंड मेला का सांस्कृतिक उत्सव 7 से 23 फरवरी 2025 तक आयोजित होगा। इस मेले में लाखों देसी और विदेशी दर्शकों के आने की उम्मीद है। इस मेला की टिकट के लिए आयोजकों ने डीएमआरसी से एक समझौता किया है।

इस समझौते के तहत दिल्ली मेट्रो को सूरजकुंड मेले के टिकट मोमेंटम 2.0 दिल्ली सारथी मोबाइल ऐप, मेट्रो स्टेशनों पर एवं मेले स्थल पर बने टिकट काउंटरों के माध्यम से बेचने की अनुमति दी गई है। मेले के गेट पर विशेष टिकट काउंटर भी इस बार डीएमआरसी ही संचालित करेगा। इससे आगंतुकों के लिए टिकट खरीदने की प्रक्रिया सहज और सुविधाजनक हो जाएगी। समझौता से आगामी 38वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय क्राफ्ट्स मेले की लोकप्रियता और लोगों की पहुंच को बढ़ाने मददगार साबित होगा इस समझौते के तहत दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर मेले के लिए संबंध में घोषणाएं की जाएंगी। इसके अलावा पैसेंजर इंफॉर्मेशन डिस्प्ले सिस्टम पर स्क्रॉलिंग संदेश भी फ़्लैश होगा और मेट्रो स्टेशन्स पर एलईडी स्क्रीन पर प्रचार वीडियो भी प्रसारित किए जाएंगे। इसके अलावा मेले के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग की सुविधा कम से कम 10 दिन पहले आरम्भ दी जाएगी। आगंतुक डीएमआरसी ऐप के माध्यम से क्यूआर कोड आधारित ई-टिकट और सामान्य तरीके से भी टिकट बुक कर सकते हैं। मेला स्थल पर पार्किंग प्रबंधन की जिम्मेदारी भी दिल्ली मेट्रो निभाएगा। यह पार्किंग सुविधा मेले के दौरान 24 घंटे रहेगी। हरियाणा टूरिज्म कॉरपोरेशन मेले की टिकट बिक्री को बढ़ावा देने के लिए अपने आधिकारिक वेबसाइट पर दिल्ली मेट्रो ऐप का लिंक साझा करेगा। उल्लेखनीय है कि सूरजकुंड मेला दुनिया के सबसे बड़े क्राफ्ट मेलों में से एक है, जो भारत और विदेशों के हजारों शिल्पकारों को सांस्कृतिक विरासत और कारीगरी का प्रदर्शित करने का एक मंच प्रदान करता है। इस साल का मेला उत्कृष्ट हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को प्रदर्शित करेगा।

नागरिकों की शिकायतों का निदान करना प्राथमिकताः अशोक गर्ग

एजेंसी
गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने कहा कि नागरिकों की शिकायतों का निदान करना तथा उन्हें बेहतर मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराना निगम की पहली प्राथमिकता है। इसके तहत अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्राप्त शिकायतों का समाधान निर्धारित समय सीमा में भीतर होना चाहिए।यह निर्देश निगमायुक्त ने निगम कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में जनशिकायतों की सुनवाई के दौरान अधिकारियों को दिए। समाधान शिविर में कुल 20 शिकायतें आई, जो सीवरेज, सफाई, स्ट्रीट लाईट, अनाधिकृत निर्माण, सडक़ आदि से संबंधित थी। निगमायुक्त ने शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना तथा उनकी समयसीमा निर्धारित करके अधिकारियों से कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान करना सुनिश्चित करें तथा एस्टीमेट व टेंडर आदि की प्रक्रिया अपनाने के दौरा समय-समय पर शिकायतकर्ता को जानकारी देते रहें। निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि सीवरेज व सफाई उनकी प्राथमिकता सूची में है। अधिकारी सफाई व्यवस्था में सुधार के लिए और अधिक गंभीरता से कार्य करें। साथ ही सीवरेज ब्लॉकेज, ओवरफ्लो की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

किसानों बारे भाजपा सांसद जांगड़ा का बयान निदंनीयः सुनैना चौटाला

एजेंसी
हिसार। इनेलो महिला प्रकोष्ठ की प्रधान महासचिव एवं हिसार जिला प्रभारी सुनैना चौटाला ने भाजपा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा द्वारा किसानों व किसान आंदोलन के संबंध में दिए गए बयान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सांसद किसानों से माफी मांगनी चाहिए क्योंकि उनकी थाली में जो रोटी आती है वो भी किसानों के कारण ही आती है। सुनैना चौटाला ताऊ देवीलाल सदन में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि इनेलो पार्टी किसानों के साथ खड़ी है और किसान आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन करती है। पार्टी के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला किसान आंदोलन के समर्थन को लेकर पार्टी का स्टेंड साफ कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के दौरान कुछ तथाकथित किसान नेताओं ने कांग्रेस के एजेंट के रूप में काम किया। ऐसे तथाकथित नेताओं से किसानों को बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसान चाहेंगे तो पार्टी के दोनों विधायक भी अपने इस्तीफा देने को तैयार हैं। इनेलो ने सदैव किसानों के हितों को प्राथमिकता देने का काम किया है और हर स्तर पर किसानों की आवाज उठाई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वो किसानों की मांगों को पूरा करें, किसान केवल एमएसपी की मांग रहे हैं।इनेलो नेत्री ने

कहा कि विधानसभा चुनावों से साफ हो गया है कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा बीजेपी के एजेंट हैं और उन्होंने ही प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने का काम किया है। इनेलो जिला प्रभारी सुनैना चौटाला ने कहा कि इनेलो ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो कहती है उसको पूरा करके दिखाती है। अन्य दल करने की बजाय केवल घोषणाएं करने में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि आज पार्टी जिला कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों के लेकर विचार विमर्श किया गया और पार्टी संगठन को मजबूत बनाने पर मंथन किया गया।इससे पूर्व उन्होंने पार्टी की जिला कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि पार्टी के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला और प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा प्रदेश भर में जिला स्तर पर पार्टी की बैठकें ले रहे हैं। इन बैठकों में गत विधानसभा चुनावों में पार्टी की खामियों पर विचार विमर्श करते हुए उनको दुरूस्त करने का काम किया जाएगा तथा पार्टी संगठन को मजबूत बनाने को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को अब पहले से अधिक जोश के साथ काम करना होगा।

विद्युत लाइनों पर काम करते हुए स्वयं सावधानी रखेंः ए. श्रीनिवास

एजेंसी
गुरुग्राम। हिसार मंडल आयुक्त एवं दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक ए. श्रीनिवास ने स्थानीय कार्यालय में निगम के निदेशकों के साथ बैठक की। इस बैठक में रखी गए कार्य सूची के अनेक प्रस्ताव की अनुमति दी गई और आगामी कार्रवाई के लिए प्रेषित करने का निर्णय किया गया।प्रबंध निदेशक ए. श्रीनिवास ने इस बैठक के दौरान विकासोनमुख प्रस्तावों को शीघ्र अति शीघ्र करने के निर्देश दिए। बिजली उपभोक्ता हित के किए जा रहे विकास कार्य में तेजी लाने, कार्यो का उचित रखरखाव करने और रखरखाव करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा हेतु उनकी जान माल की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं से बचाव के निर्देश दिए। प्रबंध निदेशक ने कहा कि प्रत्येक अभियंता को फील्ड में एलटी, एचटी लाइनों, ट्रांसफॉर्मर आदि पर काम करते समय सुरक्षा बेल्ट और अन्य संबद्ध सुरक्षा उपकरण पहनने बारे कर्मचारियों की निगरानी करनी है। बिजली लाइन पर काम करने वालों को घातक व गैर-घातक दुर्घटनाओं से बचने के स्वयं उपाय अपनाने जरूरी हैं। विद्युत लाइनों पर कार्य करते समय इनकी पालना नहीं करने वाले दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अक्सर यह देखा गया है कि जल्दबाजी एवं लापरवाही के कारण दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाएं होती हैं। विद्युत लाइनों पर काम करते समय एवं उनका रखरखाव करते हुए सुरक्षा सावधानियों का पालन किया जाना चाहिए। सभी रखरखाव टीमों और व्यक्तियों एवं लाइन स्टाफ द्वारा सुरक्षा किट व उपकरणों का उपयोग किया जाना चाहिए।

सीटीईटी परीक्षा शांतिपूर्वक करवाने के लिए पुलिस ने किए पुख्ता प्रबंध : शशांक कुमार सावन

एजेंसी
हिसार। केंद्रीय अध्यापक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी)-2024 शनिवार व रविवार को होगी। शनिवार को यह परीक्षा दो शिफ्टों में सुबह 9.30 बजे से 12 बजे तक व दूसरी शिफ्ट में दोपहर 2.30 बजे से 5.30 बजे तक होगी। अगले दिन रविवार की परीक्षा केवल एक शिफ्ट में सुबह 9.30 बजे से 12 बजे तक 13 परीक्षा केन्द्रों पर होगी। जिला पुलिस ने केंद्रीय अध्यापक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी)-2024 को शांतिपूर्वक व बिना किसी हस्तक्षेप के संपन्न करवाने के लिए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए हैं। पुलिस अधीक्षक शंशाक कुमार सावन ने कहा कि 14 और 15 दिसंबर को होने वाली केंद्रीय अध्यापक पात्रता परीक्षा को शांतिपूर्वक और बिना किसी बाह्य हस्तक्षेप के करवाने और परीक्षा देने आने वाले परीक्षार्थियों के सुगम आवागमन के लिए पुलिस ने पुख्ता प्रबंध किए हैं। उन्होंने कहा कि आगामी दो दिनों में लगभग 25 हजार से अधिक परीक्षार्थी और इनके साथ आने वाले सगे संबंधी यहां में आएंगे। शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए यातायात पर्यवेक्षण अधिकारी और थाना प्रभारी बरवाला चुंगी, सिविल अस्पताल मोड़, बस स्टेंड हिसार, तलाकी गेट, नागोरी गेट, पारिजात चौक, रानी लक्ष्मीबाई चौक, फव्वारा चौक, कैंप चौक व डाबड़ा चौक पर

अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती करेंगे। ट्रैफिक पुलिस द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी वाहन सड़क पर न खड़ा हो। सभी ऑटो चालक अपने ऑटो को एक लाइन में चलाएं और बिना निर्धारित स्थान के ऑटो को कहीं भी सड़क पर न रोके। अगर कोई भी वाहन नो पार्किंग जोन में खड़ा मिलेगा तो उसे क्रेन द्वारा उठाया जाएगा। परीक्षा के दिनों में ऑटो चालक अपने ऑटो में निर्धारित संख्या से अधिक व्यक्तियों को बैठाते है जिससे कि दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। पुलिस अधीक्षक ने ऑटो यूनियन को निर्देश दिए है कि सभी ऑटो चालक अपने ऑटो में निर्धारित संख्या से अधिक व्यक्तियों को ना बिठाए और ट्रैफिक नियमों का पालन करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि परीक्षा के दौरान ट्रैफिक थाना प्रभारी यह भी सुनिश्चित करेंगे कि अगर किसी कारणवश किसी मार्ग पर ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है तो आवश्यकता अनुसार ट्रैफिक को डायवर्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला हिसार में केंद्रीय अध्यापक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) 14 और 15 दिसंबर को कुल 13 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर महिला पुलिस कर्मचारी सहित पांच कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है और इनके साथ ही अलग से परीक्षा केंद्र पर पार्किंग व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है।

भाषा हमारी पहचान, उसे बोलने में न हो शर्मः डॉ. पवन कुमार

एजेंसी
हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी महाविद्यालय में भारतीय भाषा उत्सव 2024 का आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार किया गया। इसमें विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ. पवन कुमार मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।कुलसचिव ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश में विभिन्न प्रकार की भाषाएं एवं बोलियां बोली जाती है। उन्होंने बताया कि देश में आधिकारिक तौर पर 22 भाषाएं व 2000 से ज्यादा बोलियां बोली जाती है। विश्वविद्यालय में अलग-अलग भाषा बोलने वाले विद्यार्थी व वैज्ञानिक आपसी तालमेल के साथ बेहतर ढंग से कार्य कर रहे है। भाषा हमारी पहचान होती है और उसे बोलने में हमें शर्म नहीं करनी चाहिए। कार्यक्रम में रंगोली, श्लोक, सलोगन प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।मौलिक विज्ञान एवं मानवीकी

महाविद्यालय के अधिष्ठाता राजेश गेरा ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से जानकारी दी। रंगोली प्रतियोगिता में मोनिका ने प्रथम, विनीता सिंह ने द्वितीय व पूजा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्लोक प्रतियोगिता में कुसुम, अंजू, और विकास ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन प्रतियोगिता में मोहित ने प्रथम, नैनी ने दूसरा, प्रात्युश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मंच का संचालन अंजू ने किया। कार्यक्रम के दौरान हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़, पुस्तकालाध्यक्ष डॉ. राजीव पटेरिया, डॉ. रश्मी, डॉ. जितेश, डॉ. सुभाष, डॉ. रिजुल, डॉ. भास्कर, डॉ. पूनम, डॉ. देवेन्द्र व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लगातार जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.60 प्रतिशत चढ़कर 70.44 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 73.84 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

एनएलसीआईएल के पहले सुपरक्रिटिकल बिजली संयंत्र का वाणिज्यिक संचालन शुरू

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) ने उत्तर प्रदेश में अपने 3 × 660 मेगावाट सुपरक्रिटिकल घाटमपुर ताप विद्युत संयंत्र (जीटीपीपी) की पहली इकाई के वाणिज्यिक संचालन की शुरुआत की घोषणा की। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि इसे नेवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड (एनयूपीपीएल) के माध्यम से विकसित किया गया है, जो उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (यूपीआरवीयूएनएल) के साथ एक संयुक्त उद्यम है। इसकी पहली इकाई ने 07 दिसंबर, 2024 को अपना परीक्षण संचालन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया और आज से वाणिज्यिक संचालन शुरू कर दिया। यह मील का पत्थर एनएलसीआईएल के सुपरक्रिटिकल पावर जनरेशन तकनीक में पहला उद्यम है, जो कंपनी के ऊर्जा पोर्टफोलियो को बढ़ाने में एक बड़ी छलांग है। विशेष रूप से, यह 660 मेगावाट क्षमता वृद्धि महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस वित्तीय वर्ष में भारत में चालू होने वाला पहला जीवाश्म ईंधन आधारित ताप विद्युत संयंत्र है। यह उपलब्धि बिजली क्षेत्र में एनएलसीआईएल की स्थिति और भारत की ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास लक्ष्यों में योगदान देने वाली बड़े पैमाने की परियोजनाओं को निष्पादित करने की इसकी क्षमता को मजबूत करती है। एनएलसीआईएल ने कहा कि ग्रीनफील्ड घाटमपुर ताप विद्युत स्टेशन की पहली 660 मेगावाट इकाई के वाणिज्यिक संचालन के साथ एनएलसी इंडिया लिमिटेड और इसकी समूह कंपनियों की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 6,071 मेगावाट से बढ़कर 6,731 मेगावाट हो गई है। जीटीपीपी परियोजना उत्तर प्रदेश और असम की बढ़ती बिजली मांगों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इसकी सुपरक्रिटिकल तकनीक पारंपरिक संयंत्रों की तुलना में उच्च दक्षता, कम ईंधन खपत और कम उत्सर्जन सुनिश्चित करती है।

मीशो के ऑर्डर 2024 में 35 प्रतिशत बढ़े, उपयोगकर्ता की संख्या में 25 प्रतिशत की वृद्धि

नयी दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी मीशो ने कहा कि वर्ष 2024 में उसे मिलने वाले ऑर्डर में 35 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई जबकि उपयोगकर्ताओं की संख्या 25 प्रतिशत बढ़कर 17.5 करोड़ हो गई है। मीशो ने एक बयान में कहा कि खपत बढ़ने और टियर-2 एवं छोटे शहरों में ई-कॉमर्स का चलन बढ़ने से सौंदर्य एवं निजी देखभाल (बीपीसी) और घरेलू एवं रसोई खंडों में ऑर्डर सालाना आधार पर 70 प्रतिशत बढ़े हैं। सॉफ्टबैंक-समर्थित कंपनी ने कहा, ऑर्डर में सालाना आधार पर लगभग 35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, यह मंच मजबूत उपभोक्ता धारणा और देश भर में ई-कॉमर्स की तेज वृद्धि को दर्शाता है। कंपनी ने कहा कि यह वृद्धि भारत में बेहतर मूल्य चाहने वाले खरीदारों के दम पर है। ये ग्राहक फैशन, सौंदर्य, व्यक्तिगत देखभाल और घरेलू आवश्यक वस्तुओं जैसी विवेकाधीन श्रेणियों में किफायत को प्राथमिकता दे रहे हैं।मीशो ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में वह 232 करोड़ रुपये का परिचालन नकदी प्रवाह सृजित करने वाली पहली क्षैतिज ई-कॉमर्स मंच बन गई।

अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 10 पैसे चढ़कर 84.78 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरकर 10 पैसे की बढ़त के साथ 84.78 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत सुधार और मुद्रास्फीति के आंकड़ों में नरमी के कारण रुपये को समर्थन मिला। हालांकि, विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी कोष की निकासी ने स्थानीय मुद्रा में सकारात्मक रुख को सीमित किया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.87 पर खुला और कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले 84.77 के उच्चतम स्तर तक गया। अंत में डॉलर के मुकाबले रुपया 84.78 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से 10 पैसे की बढ़त है। रुपया पांच पैसे गिरकर 84.88 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर बंद हुआ था। इससे पहले रुपया नौ दिसंबर को 20 पैसे गिरकर 84.86 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर बंद हुआ था।

दुनिया की सबसे ताकतवर महिलाओं की फोर्ब्स सूची में सीतारमण सहित 3 भारतीय महिलाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी बिजनेस मैगजीन फोर्ब्स ने वर्ष 2024 के लिए दुनिया की 100 सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची जारी की है। फोर्ब्स की 21वीं सूची में तीन भारतीय महिलाओं के नाम हैं, जिसमें निर्मला सीतारमण, रोशनी नादर मल्होत्रा और किरण मजूमदार-शॉ हैं। सूची में उद्योग, मनोरंजन, राजनीतिक, समाज सेवा और नीति नियंताओं के नाम शामिल हैं, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण फोर्ब्स की इस सूची में 28वें स्थान पर हैं। सीतारमण ने मई 2019 में केंद्रीय वित्त मंत्री का पद संभाला था और उसके बाद से लगातार इस अहम पद पर बनी हुई हैं। निर्मला सीतारमण पर भारत के

तेज आर्थिक विकास को बनाए रखने की जिम्मेदारी है और उनके नेतृत्व में भारत पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। सीतारमण महिला सशक्तिकरण को लेकर मुखर रही हैं। वह राजनीति में आने से पहले ब्रिटेन की एग्रीकल्चर इंजीनियर्स एसोसिएशन और बीबीसी वर्ल्ड के साथ जुड़ी रहीं।

रोशनी नदार मल्होत्रा

दिग्गज भारतीय बहुराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज की चेयरपर्सन और एचसीएल कॉर्पोरेशन की मुख?य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रोशनी नदार मल्होत्रा को फोर्ब्स ने दुनिया की सबसे ताकतवर महिलाओं की इस सूची में 81वां स्थान दिया है। रोशनी नदार 12 अरब डॉलर की कंपनी के रणनीतिक फैसले लेती हैं। वह शिव नदार फाउंडेशन की भी ट्रस्टी हैं। इसके जरिए वो शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही हैं। रोशनी नदार ने द हैबीटेटस ट्रस्ट की स्थापना की, जो प्राकृतिक संरक्षण के लिए काम करती है।

किरन मजूमदार शॉ

किरन मजूमदार शॉ को फोर्ब्स की दुनिया की सबसे ताकतवर महिलाओं की 21वीं सूची में 82वां स्थान दिया गया है। किरन मजूमदार बायोटेक कंपनी बायोकॉन की संस्थापक और चेयरपर्सन हैं। बायोकॉन की अमेरिका, एशिया के विभिन्न बाजारों समेत दुनियाभर में पहुंच है। किरन मजूमदार शॉ भारत के सबसे सफल उद्योगपतियों में शामिल हैं। साल 2019 में किरन मजूमदार और उनके पति जॉन शॉ ने यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लोसगो में कैंसर रिसर्च के लिए 75 लाख डॉलर का दान दिया था।

अशोक लेलैंड के वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में 3 फीसदी तक बढ़ोतरी का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स के बाद हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लेलैंड लिमिटेड ने अपने वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में अगले साल जनवरी से 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि मुद्रास्फीति और कमोडिटी की कीमतों में वृद्धि के कारण जनवरी से अपने वाणिज्यिक वाहनों की पूरी रेंज पर 3 तीन फीसदी तक की इजाफा करेगी। कंपनी ने कहा कि इस कदम से लागत के प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी। इससे पहले टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, हुंडई मोटर इंडिया के साथ-साथ लग्जरी यात्री वाहन तथा कार निर्माता कंपनियों मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू और ऑडी ने पहले ही जनवरी, 2025 से अपने वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर सोना, चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना आज सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। हालांकि चांदी के भाव में आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। सोने के सपाट स्तर पर बने रहने की वजह से आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 79,620 रुपये से लेकर 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये से लेकर 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत बढ़ कर 96,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज

79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज भी 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एनएलसी इंडिया लिमिटेड के पहले सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट का व्यावसायिक संचालन शुरू

एजेंसी

चेन्नई। एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) ने उत्तर प्रदेश में अपने 3×660 मेगावाट घाटमपुर थर्मल पावर प्लांट (जीटीपीपी) की पहली इकाई के वाणिज्यिक संचालन की शुरुआत की घोषणा की है। एनएलसी इंडिया लिमिटेड की एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह प्लांट नेवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड (एनयूपीपीएल) के माध्यम से विकसित किया गया है जो उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (यूपीआरवीयूएनएल) के साथ एक संयुक्त उद्यम है। पहली इकाई ने 7 दिसंबर, 2024 को सफलतापूर्वक अपना परीक्षण संचालन पूरा किया और 12 दिसंबर को 00ः00 बजे से वाणिज्यिक संचालन शुरू किया। यह सुपरक्रिटिकल पावर जनरेशन तकनीक में एनएलसीआईएल के पहले उद्यम का प्रतिनिधित्व करता है जो कंपनी के ऊर्जा पोर्टफोलियो को बढ़ाने में एक बड़ी छलांग है। विशेष रूप से, यह 660 मेगावाट क्षमता वृद्धि महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस वित्तीय वर्ष में भारत में चालू होने वाला पहला जीवाश्म ईंधन आधारित थर्मल पावर प्लांट है। यह उपलब्धि बिजली क्षेत्र में एनएलसीआईएल की स्थिति और भारत की ऊर्जा सुरक्षा

देने में और सतत विकास लक्ष्यों में योगदान देने वाली बड़े पैमाने की परियोजनाओं को निष्पादित करने की इसकी क्षमता है। ग्रीनफील्ड घाटमपुर थर्मल पावर स्टेशन की पहली 660 मेगावाट इकाई के वाणिज्यिक संचालन के साथ, एनएलसी इंडिया लिमिटेड और इसकी समूह कंपनियों की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 6,071 मेगावाट से बढ़कर 6,731 मेगावाट हो गई है। जीटीपीपी परियोजना उत्तर प्रदेश और असम राज्य की बढ़ती बिजली मांगों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इसकी सुपरक्रिटिकल तकनीक पारंपरिक संयंत्रों की तुलना में उच्च दक्षता, कम ईंधन खपत और कम उत्सर्जन सुनिश्चित करने वाली एक उन्नत पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली है जिसमें उच्च दक्षता वाले इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर और फ़्लू-गैस डिसल्फ़राइज़ेशन इकाइयां शामिल हैं।

यह परियोजना एनएलसी इंडिया लिमिटेड और उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (यूपीआरवीयूएनएल) के बीच दीर्घकालिक साझेदारी में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है।

बैंकिंग तंत्र पूरी तरह सशक्तः चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने फोन करके ऋण दिलाने के आरोपों को पूरी तरह से निराधार बताते हुए कहा कि मोदी सरकार में यह संभव ही नहीं है बल्कि पिछले 10 वर्षों में बैंकिंग तंत्र को मजबूत बनाया गया है। श्री चौधरी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपने दोस्तों को बैंकों से ऋण दिलाने के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि मोदी सरकार में यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि श्री गांधी जो बोलते हैंख् उनकी बाते ध्यान देने योग्य भी नहीं है। उन्होंने कहा कि 10 वर्षों में भारतीय बैंकिंग तंत्र बहुत मजबूत हुआ है और किसी भी व्यक्ति को फोन करके ऋण देने के लिए नहीं कहा गया है। माल एवं सेवा कर (जीसीटी) को लेकर अक्सर लगाए जा रहे आरोपों पर वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि अब तक जीएसटी परिषद में अधिकांश निर्णय सर्वसम्मति से लिए लिए गए हैं। परिषद

में सभी राज्यों के वित्त मंत्री शामिल हैं इसलिए मोदी सरकार पर लगाना पूरी तरह निराधार है। केंद्र सरकार इस संबंध में निर्णय नहीं ले सकती है।

रिलायंस के हैमलीज़ खिलौना ब्रांड ने इटली में खोला चौथा स्टोर

एजेंसी

मुंबई। उद्योगपति मुकेश अंबानी की पेट्रोलियम समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली कंपनी रिलायंस से जुड़े अंतरराष्ट्रीय खिलौना ब्रांड हैमलीज़ ने इटली में अपने चौथे स्टोर की शुरूआत की है। कंपनी ने बयान जारी कर कहा हैमलीज़ ने इटली में नए मैक्सीमॉल-पोम्पेई के टोरे अन्नुंज़ियाटा में अपना स्टोर लॉन्च किया है। रोम, मिलान और बर्गामो के बाद यह इटली में हैमलीज़ का चौथा स्टोर है। 750 वर्ग मीटर में फैले इस स्टोर को प्रमुख खिलौना निर्माता और वितरक जिओची प्रीज़ियोसी के सहयोग से खोला गया है। नेपल्स के स्टोर में कदम रखते ही ग्राहकों खासकर बच्चों का स्वागत हैमलीज़ के प्रिय पात्रों द्वारा किया जाएगा, जिसमें हैमली के सबसे लोकप्रिय खिलौने, जैसे

हैटी भालू, सर्कस रिंगमास्टर, खिलौना सैनिक और गुड़िया शामिल होंगी। इस मौके पर हैमलीज़ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुमीत यादव ने कहा, हम अपने इतालवी स्टोरों का जादू बिखरते देख रोमांचित हैं। यह नया स्टोर दुनिया भर के बच्चों और परिवारों के लिए अविस्मरणीय अनुभव देने की हमारी प्रतिबद्धता को पूरी तरह से दर्शाता है। जिओची प्रीज़ियोसी (जीपी ग्रुप) के साथ हमारा सहयोग हर कदम फलता-फूलता और मजबूत होता जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि हैमलीज़ की स्थापना वर्ष 1760 में विलियम हैमली ने की थी और 2019 में रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड (आरबीएल) ने इसका अधिग्रहण कर लिया था। वर्तमान में 14 देशों में इसके 190 स्टोर हैं। यूके के अलावा भी हेमलीज़ नए बाजारों में लगातार अपने पैर जमा रहा है। हाल ही में रोम, शारजाह (यूएई), मिलान, तिराना, प्रिस्टिना और दोहा में कंपनी ने स्टोर खोले हैं। मैक्सीमॉल पोम्पेई में हैमलीज़ स्टोर आधिकारिक तौर पर 14 दिसंबर को खुलेगा।

उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने 17 डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों को दिए नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता संरक्षण के नियम कायदों के उल्लंघन के आरोप में डारेक्ट सेलिंग कारोबार करने वाली 17 फर्मों को नोटिस जारी किया है जिनमें से से 13 संस्थाओं के खिलाफ जांच की कार्रवाई शुरू की गयी है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इन संस्थाओं को उपभोक्ता संरक्षण (प्रत्यक्ष बिक्री) नियम, 2021 के तरह नोटिस दिए गए हैं। इन फर्मों विहान डायरेक्ट सेलिंग (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (क्यूनेट ग्रुप, हांगकांग की एक उप-फ्रैंचाइज़ी), ट्रिप्टेल्स प्राइवेट लिमिटेड, ओरियंस ग्लोबल मार्केटिंग प्रा. लि., जेनेसा वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड,ऑर्गोलाइफ सॉल्यूशंस प्रा.लि, ओरिफ्लेम इंडिया प्रा. लि, जंक्चर मार्केटिंग प्रा. लि,

उपभोक्ता मामले विभाग
DEPARTMENT OF
CONSUMER AFFAIRS
सत्यमेव जयते

वोल्टे मार्केटिंग प्रा. लि, प्रीत लाइफ केयर प्रा. लि. एनरूट्स होराइजन प्रा. लि, ई बायोटोरियम नेटवर्क प्रा. लि, मेघदूत मार्केटिंग प्रा. लि, सुई धागा लाइफस्टाइल प्रा. लि, विनमर्ग बिजनेस प्रा. लि, आयुप्रत्ना नेचुरल हर्बल प्रा. लि, बायोथॉन लाइफकेयर प्रा.लि, ओकफ्लिप इंडिया प्रा. लि के नाम शामिल हैं।अभी तीन संस्थाओं से नोटिस के जवाब नहीं मिले हैं। बयान में कहा गया है कि उपभोक्ता अधिकारों को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत सीसीपीए ने प्रत्यक्ष बिक्री गतिविधियों को विनियमित करने और प्रासंगिक कानूनी ढांचे के अनुपालन को सुनिश्चित करने पर अपना ध्यान केंद्रित किया है।बयान में कहा गया है कि प्राधिकरण ने इस संबंध में इन प्रत्यक्ष बिक्री संस्थाओं की वेबसाइटों की सावधानीपूर्वक जांच की है।

उपभोक्ता संरक्षण (प्रत्यक्ष बिक्री) नियम, 2021 का उद्देश्य प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग के भीतर पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देना है, जिससे उपभोक्ता पूरी जानकारी के आधार पर खरीद का निर्णय ले सकें। इसके अतिरिक्त, ये नियम उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 और कानूनी माप विज्ञान (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 सहित अन्य विनियामक ढाँचों के पूरक हैं, जो उपभोक्ता संरक्षण तंत्र को और मजबूत करते हैं। बयान में कहा गया है कि कुछ धोखाधड़ी करने वाली संस्थाएँ अवैध पिरामिड या मनी सर्कुलेशन योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रत्यक्ष बिक्री मॉडल का दुरुपयोग करती हैं।

वार्डविज़र्ड ने ई वाहनों के पोर्टफोलियो का किया विस्तार

एजेंसी

मुंबई। ईलेक्ट्रिक वाहन निर्माता वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एंड मोबिलिटी लिमिटेड ने आज अपने ब्रांड जॉय ई-रिक के तहत 'मेड इन इंडिया' पैसेंजर एवं कमर्शियल ईलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर की नई रेंज लॉन्च किया। साथ ही ब्राण्ड जॉय ई-बाईक के तहत नए हाई स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर 'नेमो' को भी लॉन्च किया जिसका आमंत्रण मूल्य 99 हजार रुपये है।

कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि ईलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर्स को यात्री एवं चालक के लिए अधिक भरोसेमंद, सुरक्षित और व्यवहारिक बनाते हुए पैसेंजर व्हीकल सेगमेन्ट में दो मॉडल्स लॉन्च किए हैं- जॉय ई-रिक वी 1 (एल5) और जॉय बंधु (एल3)। कमर्शियल सेगमेन्ट में भी कंपनी दो मॉडल्स लेकर आई है- जॉय सहायक प्लस कार्गो (एल5) तथा जॉय ईको लोडर (एल3)।

देश में ई-मोबिलिटी को सशक्त बनाने के प्रयास में कंपनी भारत में फ्लीट ऑपरेटर्स के साथ साझेदारी करेगी, तथा इलेक्ट्रिक लास्ट माईल डिलीवरी, शेयर्ड मोबिलिटी और लॉजिस्टिक्स सेक्टर के लिए परिवहन के आधुनिक समाधान उपलब्ध कराकर इलेक्ट्रिक वाहनों के अडॉप्शन को गति प्रदान करेगी। वार्डविज़र्ड की आधुनिक ईवी टेक्नोलॉजी एवं संचालन दक्षतता का सदुपयोग कर यह साझेदारी फ्लीट ऑपरेटर्स को कार्बन फुटप्रिन्ट कम करने, संचालन की लागत पर बचत करने तथा दक्षता बढ़ाने में सक्षम बनाएगी। इनोवेशन और स्थानीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए वार्डविज़र्ड भारतीय फ्लीट ऑपरेटर्स की ज़रूरतों के अनुसार कस्टमाइज़्ड समाधान लाती है। जॉय ई-बाईक के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को सशक्त बनाते हुए कंपनी ने नए हाई स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर 'नेमो' का लॉन्च भी किया है, जो अपने बोल्ड डिज़ाइन के साथ शानदार परफोर्मेन्स देता है।

इसके नए फीचर्स और टेक्नोलॉजी राइडर को आराम और सुविधा का अनुभव प्रदान करते हैं। जॉय ई-बाईक की यह नई पेशकश उपभोक्ताओं तक पहुंचने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नए मॉडल की बुकिंग आज से सभी ऑथोराइज़्ड डीलरशिप्स पर शुरू हो जाएगी।

राष्ट्रीय राजमार्गों के 13 हजार ब्लैक स्पॉट 2029 तक हो जाएंगे समाप्त- पंकज चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने वर्ष 2029 तक देश के राजमार्गों पर चिह्नित सभी 13 हजार ब्लैक स्पॉट को भरने या समाप्त करने की घोषणा करते हुए कहा कि बीते 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने सड़क से लेकर हवाई यातायात नेटवर्क का बड़े पैमाने पर विस्तार किया है, जिससे लोगों का सफर करना सुगम और सुविधाजनक हो गया है। श्री चौधरी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सड़क, रेल और हवाई नेटवर्क की मजबूती से देश में न केवल आर्थिक विकास की रफ्तार में तेजी आई है, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी बुनियादी सुविधाएं बेहतर हुई हैं और इसका सीधा लाभ आम लोगों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर चिह्नित किए गए सभी ब्लैक स्पॉट को भरने या समाप्त करने की व्यवस्था की गई है, ताकि इन राजमार्गों को दुर्घटना मुक्त बनाया जा सके। ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटना होने की संभावना बहुत अधिक होती है। श्री चौधरी ने मोदी सरकार में सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी में हुए क्रांतिकारी बदलाव को रेखांकित करते हुए कहा कि 10 वर्षों में यातायात बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। इससे आर्थिक प्रगति के द्वार खुले हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में 1.6 गुना वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 में 91,287 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग थे, जो नवंबर 2024 तक बढ़कर 1,46,195 किलोमीटर हो गए हैं।

शेयर बाजार नौ सप्ताह के उच्चतम स्तर पर हुआ बंद

एजेंसी

मुंबई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर में कटौती की उम्मीद में स्थानीय स्तर पर आईटी और टेक समेत चौदह समूहों में हुई दमदार लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार नौ सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 843.16 अंक की छलांग लगाकर नौ सप्ताह बाद 82 हजार अंक के पार 82,133.12 अंक पर पहुंच गया। इससे पहले यह 03 अक्टूबर को 82,497.10 अंक पर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 219.60 अंक की तेजी के साथ 24,768.30 अंक पर बंद हुआ। हालांकि बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.08 प्रतिशत फिसलकर 47,776.62 अंक और स्मॉलकैप 0.29 प्रतिशत उतरकर 56,957.46 अंक रह गया।इस दौरान बीएसई में कुल 4105 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2173 में गिरावट जबकि 1818 में तेजी रही वहीं 114 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 41 कंपनियों में लिवाली जबकि अन्य नौ में बिकवाली हुई। बीएसई में सर्विसेज, कमोडिटीज, इंडस्ट्रियल्स, हेल्थकेयर, रियल्टी और धातु समूहों के शेयरों की 0.76 प्रतिशत तक की तेजी को छोड़कर अन्य 14 समूहों में तेजी का रुख रहा। इससे सीडी 0.48, ऊर्जा 0.36, एफएमसीजी 1.07, वित्तीय सेवाएं 0.36, आईटी 0.57, दूरसंचार 2.13, यूटिलिटीज 0.09, ऑटो 0.46, बैंकिंग 0.81, कैपिटल गुड्स 0.18, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.14, तेल एवं गैस 0.23, टेक 1.32 और फोकस्ड आईटी के शेयर 0.66 प्रतिशत उछल गए।अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इससे ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.13 और जर्मनी का डैक्स 0.27 प्रतिशत मजबूत रहा जबकि जापान का निक्केई 0.95, हांगकांग का हैंगसेंग 2.09 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 2.01 प्रतिशत लुढ़क गया। कारोबार की शुरूआत में सेंसेक्स 78 अंक फिसलकर 81,212.45 अंक पर खुला और भारी बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद ही 80,082.82 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, लिवाली शुरू होने से यह लगातार बढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 82,213.92 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 81,289.96 अंक के मुकाबले 1.04 प्रतिशत की छलांग लगाकर 82,133.12 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी 50 अंक गिरकर 24,498.35 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 24,180.80 अंक के निचले जबकि 24,792.30 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 24,548.70 अंक की तुलना में 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,768.30 अंक पर आ गया। इस दौरान सेंसेक्स की तेजी पर कंपनियों में भारती एयरटेल 4.39, आईटीसी 2.07, कोटक बैंक 2.06, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.92, अल्ट्रासिमको 1.87, टाइटन 1.80, एचसीएल टेक 1.69, पावरग्रिड 1.52, नेस्ले इंडिया 1.33, अडानी पोर्ट्स 1.29, आईसीआईसीआई बैंक 1.22, एसबीआई 0.93, मारुति 0.90, रिलायंस 0.75, एलटी 0.71, एचडीएफसी बैंक 0.70, इंफ़ोसिस 0.66, टेक महिंद्रा 0.63, टाटा मोटर्स 0.55, एनटीपीसी 0.52, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.43, टीसीएस 0.37 और एक्सिस बैंक 0.27 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, टाटा स्टील 1.26, इंडसइंड बैंक 1.09, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.53 और बजाज फिनसर्व के शेयर 0.15 प्रतिशत नुकसान में रहे।

कड़क चाय बनाने के लिए कितनी देर उबालनी चाहिए जान लें Tea कितने टेम्परेचर में करनी चाहिए सर्व, नहीं जलेगा मुंह

कई बार लोग चाय इतनी जल्दबाजी में बनाते हैं कि चाय के बर्तन में दूध, पानी, चाय पत्ती, चीनी सब एक साथ डालते हैं और तेज आंच पर उबाल कर चाय छान लेते हैं. चाय बनाने का ये तरीका सही नहीं है. परफेक्ट टी पीनी है तो आप जान लें चाय को कितनी देर उबालें और किस तरह से बनाएं.

अपने देश में चाय पीने वालों की कोई कमी नहीं है. यहां कुछ लोगों के लिए चाय एक नशा की तरह है. जिन्हें दूध वाली चाय पीना बेहद पसंद है, वे दिन भर में चार-पांच कप चाय पी जाते हैं. दूध वाली चाय के आगे लेमन टी, ब्लैक टी, ग्रीन टी, रेड टी सब फेल है. जब तक सुबह एक कप गरमा गरम अदरक डली दूध वाली कड़क चाय (ह्ह्ड्ड) न मिल जाए, मूड ही फ्रेश नहीं होता. चाय की एक घूंट अंदर जाते ही जैसे शरीर में फुर्ती सी आ जाती है. किसी को इलायची वाली चाय, किसी को अदरक तो किसी को सिंपल दूध वाली गाढ़ी चाय पीना भाता है. आप चाय चाहे जैसा भी पीना पसंद करते हों, जब तक इसे सही तरीके से न बनाया जाए, इसमें डाली गई हर चीज का स्वाद परफेक्ट नहीं लगता है.

कुछ लोग जल्दबाजी में चाय बनाते हैं. ऐसे में वे एक बार में ही गैस ऑन करके चाय के बर्तन में पानी, चीनी, दूध, चाय पत्ती, अदरक, इलायची पाउडर सब कुछ डाल देते हैं. तेज आंच पर एक-दो मिनट उबालते हैं और बस पी लेते हैं. ऐसे में चाय का परफेक्ट फ्लेवर नहीं मिल पाता है. जल्दबाजी में चाय बनाने से बेहतर है कि आप जान लें चाय को कितनी देर उबालना चाहिए. यही नहीं, किसी को भी कितने तापमान पर गर्म चाय सर्व करना चाहिए.

चाय बनाने का बेस्ट तरीका (**Right ways to make tea**)

-अगर आप एक कप चाय बनाते हैं तो उसी हिसाब से चाय पत्ती, चीनी, दूध, अदरक की मात्रा रखनी चाहिए. एक कप चाय में 1 बड़ा चम्मच चाय पत्ती डाल देने से चाय कड़वी हो जाएगी. बड़े कप में चाय बनाएं तो आधा छोटा चम्मच चाय पत्ती काफी है. चाय जब भी बनाएं, सबसे पहले बर्तन में दूध न डालें. हमेशा दूध उबला हुआ हो, कच्चा डालने से चाय खराब लग सकती है.

-चाय के बर्तन में सबसे पहले पानी डालें. उबल जाए तो पका हुआ दूध डालें. उसके एक मिनट बाद चाय पत्ती डालें. इसे ढंककर उबालें ताकि चाय का फ्लेवर अच्छी तरह से घुल जाए. चीनी आप कभी भी डाल सकते हैं. कभी भी पहले दूध को उबालने के बाद पीना, चाय पत्ती तुरंत न डालें. इससे चाय का टेस्ट कच्चा लगेगा. कभी भी अंत में चाय पत्ती न डालें वरना इसका फ्लेवन ठीक से नहीं आएगा.

टी बैग वाली चाय पीते हैं तो पानी को उबालकर उसमें टी बैग डालें और फिर दूध, चीनी डालें.

कितनी देर उबालें चाय? (how long to boil tea)

कुछ लोग अधिक रंग लाने या जल्दी चाय बनाने के चक्कर ज्यादा चाय पत्ती डालते हैं और फटाफट हाई फ्लेम पर उबालकर चाय कप में निकाल लेते हैं. ऐसा करने से चाय कड़वी लगेगी. चाय उबालने का भी एक मानक तय है. आप चाहते हैं कि चाय पत्ती का टेस्ट अच्छी तरह से आए तो चाय को कम से कम 6 मिनट जरूर उबालें. खासकर, जब अधिक मात्रा में चाय बना रहे हों.

किस तापमान में चाय करें सर्व? (At what temperature should tea be served)

चाय बनाने के बाद उसे फटाफट कप में डालकर लोग सर्व कर देते हैं. इतनी गर्म चाय पीने से मुंह जल सकता है. हालांकि, बहुत लोगों को गरमा गरम चाय की चुस्की लेने में मजा आता है. कुछ रिपोर्ट के अनुसार, चाय को हमेशा लगभग 60 डिग्री सेल्सियस पर सर्व करना चाहिए. इस तापमान पर चाय न तो बहुत अधिक गर्म होती है और ना ही बिल्कुल ठंडी. यह इतनी गर्म होती है, जिसे आप आराम से चुस्की लेकर पी सकते हैं.

ब्रिक्स मुद्रा का सपना और डॉलर विरोधी अभियान ट्रम्प की नयी चिंता

ब्रिक्स मुद्रा बनाने का विचार व्यावहारिक से ज्यादा राजनीतिक है। इस परियोजना की अवधारणा बनाना आसान है, लेकिन उचित योजनाओं के साथ इस पर विचार करना आसान नहीं है। इसके लिए बैंकिंग संघ के साथ-साथ राजकोषीय संघ की स्थापना की आवश्यकता होगी।

ब्रिक्स मुद्रा बनाने का विचार व्यावहारिक से ज्यादा राजनीतिक है। इस परियोजना की अवधारणा बनाना आसान है, लेकिन उचित योजनाओं के साथ इस पर विचार करना आसान नहीं है। इसके लिए बैंकिंग संघ के साथ-साथ राजकोषीय संघ की स्थापना की आवश्यकता होगी। इस प्रणाली से बाहर रहने वाले देशों से निपटने के लिए एक अनुशासनात्मक तंत्र होना चाहिए। इसके लिए एक साझा केंद्रीय बैंक की आवश्यकता होगी।अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नौ सदस्यीय ब्रिक्स प्लस देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ (आयात शुल्क) लगाने की धमकी दी है,यदि वे अमेरिकी डॉलर को एक आम ब्रिक्स मुद्रा से बदलने की कोशिश करेंगे। इसे ट्रम्प की ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा की ब्रिक्स देशों के लिए अलग मुद्रा के प्रस्ताव पर घबड़ाहट ही कहा जायेगा। लूला ने अमेरिकी डॉलर विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के प्रति बढ़ती भेद्यता को कम करने के लिए यह प्रस्ताव दिया है।राष्ट्रपति लूला ने पिछले साल अगस्त में जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आम ब्रिक्स मुद्रा का प्रस्ताव रखा था। हाल ही में, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कज़ान (रूस) में आयोजित नवीनतम ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में एक नयी अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्रणाली का आह्वान करते हुए कहा कि %डॉलर का उपयोग एक हथियार के रूप में किया जा रहा है।' कज़ान शिखर सम्मेलन ने वैश्विक दक्षिण के साथ संबंधों को बढ़ावा देने की ब्रिक्स की महत्वाकांक्षा और विशेष रूप से वैश्विक वित्तीय और व्यापार प्रणाली में एक वैकल्पिक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को आकार देने के इसके उद्देश्य को रेखांकित किया।जाहिर है, अमेरिकी डॉलर के लिए एक वैकल्पिक मुद्रा को पेश करने का विचार ट्रम्प को पसंद नहीं आया, जिन्होंने इस विषय पर या भौगोलिक, राजनीतिक, व्यापार और आर्थिक विविधताओं को देखते हुए इस तरह की प्रतिस्पर्धी नयी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बनाने में शामिल जमीनी स्तर की कठिनाइयों के बारे में ज्यादा सोचे बना ही घबड़ाहट में प्रतिक्रिया व्यक्त की।नौ ब्रिक्स राष्ट्र - ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात- चार महाद्वीपों में फैले हुए हैं। ब्रिक्स देशों में सबसे बड़ा और सबसे प्रभावशाली चीन, खुद एक आम ब्रिक्स मुद्रा रखने में दिलचस्पी नहीं रखता है, कम से कम अभी के लिए। चीन की रेनमिनबी अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से महत्व प्राप्त कर रही है, लेकिन उसके द्वारा अमेरिकी डॉलर को प्रभावित करने की संभावना नहीं है, जो दुनिया की मुख्य आरक्षित मुद्रा है जो वैश्विक विदेशी मुद्रा भंडार का लगभग 58 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करती है। चीन अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े कर्जदार देशों में एक है, जिसका अकेले अमेरिकी सरकारी प्रतिभूतियों में करीब 775 बिलियन डॉलर का निवेश है। चीन कई दशकों से अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिभूतियां खरीद रहा है।कई लोगों का मानना है कि ब्रिक्स मुद्रा बनाने का विचार व्यावहारिक से ज्यादा राजनीतिक है। इस परियोजना की अवधारणा बनाना आसान है, लेकिन उचित योजनाओं के साथ इस पर विचार करना आसान नहीं है। इसके लिए बैंकिंग संघ के साथ-साथ राजकोषीय संघ की स्थापना की आवश्यकता होगी। इस प्रणाली से बाहर रहने वाले देशों से निपटने के लिए एक अनुशासनात्मक तंत्र होना चाहिए। इसके लिए एक साझा केंद्रीय बैंक की आवश्यकता होगी। व्यापार असंतुलन एक बड़ी समस्या बन सकता है।नौ ब्रिक्स देशों में से, चीन का व्यापार संतुलन उसके पक्ष में करीब एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। पिछले साल चीन का वैश्विक व्यापारिक अधिशेष करीब 823.2 बिलियन डॉलर था, जिसमें निर्यात करीब 3.38 ट्रिलियन डॉलर और आयात करीब 2.56 ट्रिलियन डॉलर था। जबकि भारत का व्यापार घाटा 240 बिलियन अमेरिकी डॉलर है, जिसमें से लगभग आधा चीन के साथ है। भारत, मिस्र और इथियोपिया आयात पर अधिक और निर्यात पर कम निर्भर हैं, जिससे उनका व्यापार संतुलन घाटे में है। ब्रिक्स के सभी सदस्य देशों का मुख्य व्यापारिक साझेदार चीन है। वे एक-दूसरे के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं। ब्रिक्स देशों की व्यक्तिगत व्यापार, आर्थिक और कूटनीतिक चिंताएं आर्थिक संभावनाओं और भू-राजनीतिक प्रभाव के बीच जटिल अंतर्संबंध को उजागर करती हैं। यह आलोचनात्मक रूप से जांचना महत्वपूर्ण हो सकता है कि ये गतिशीलता स्थापित शक्ति विन्यास और गठबंधनों को कैसे आकार देती है।अभी तक, चीन अमेरिका में निवेश को सुरक्षित और स्थिर मानता है। सैद्धांतिक रूप से, चीन प्रतिशोधात्मक उपाय के रूप में अपने अमेरिकी ऋण होल्डिंग्स को बेच सकता है, लेकिन ऐसा होने की संभावना बहुत कम है क्योंकि बड़ी मात्रा में ऋण का निपटान चीन के लिए जोखिम भी पैदा करेगा। पिछले कुछ वर्षों में, चीन की निर्यात-केंद्रित अर्थव्यवस्था अमेरिका की कीमत पर फली-फूली, जो चीनी माल का सबसे बड़ा आयातक है। 2023 में चीन से आयात में .109 बिलियन की गिरावट के बावजूद, चीन के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा 279.4 बिलियन था। पिछले साल चीन के साथ अमेरिका के व्यापार का कुल मूल्य लगभग 575 बिलियन था।चीन डोनाल्ड ट्रम्प के चार साल के कार्यकाल के दौरान कम व्यापार और निवेश प्रोफ़ाइल बनाये रख सकता है, जो दोनों देशों के बीच शत्रुतापूर्ण व्यापार और आर्थिक संबंधों को समय के साथ कम करने की उम्मीद करता है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग वैकल्पिक वैश्विक वित्तीय और व्यापार प्रणाली के लिए लूला-पुतिन के प्रस्ताव को जल्दबाज़ी में लेने की संभावना नहीं है।

इसके अलावा, राजनीतिक और आर्थिक रूप से परिपक्व चीन पूरी तरह से जानता है कि अमेरिकी डॉलर के लिए एक वैकल्पिक आरक्षित मुद्रा के रूप में ब्रिक्स मुद्रा को एक साथ रखना अल्प या मध्यम अवधि में संभव नहीं है। संयोग से, चीन की तरह, भारत, दूसरी सबसे बड़ी ब्रिक्स अर्थव्यवस्था, ने अभी तक अमेरिकी डॉलर के लिए एक वैकल्पिक मुद्रा के लिए दबाव नहीं डाला है।

हालांकि, वैश्विक व्यापार और वाणिज्य पर पर्याप्त अमेरिकी डॉलर की पकड़ को अस्थिर करने के लिए ब्रिक्स मुद्रा के जल्द ही आने की संभावना से अधिक, अगले अमेरिकी राष्ट्रपति को डी-डॉलरीकरण की प्रक्रिया के बारे में अधिक चिंतित होना चाहिए जो विशेष रूप से यूक्रेन के बाद रूस के खिलाफ अमेरिकी व्यापार और वित्तीय प्रतिबंध के बाद जमीन हासिल कर रहा है।रूस कई पश्चिमी यूरोपीय देशों, चीन, सऊदी अरब और यूएई सहित पश्चिमी एशियाई देशों और भारत के साथ ऊर्जा व्यापार में खुशी से लगा हुआ है। लंबे समय से चल रहे यूक्रेन युद्ध ने द्विपक्षीयता को एक नया धक्का दिया है क्योंकि अधिक से अधिक आयातक और निर्यातक, साथ ही उधारकर्ता, ऋणदाता और मुद्रा व्यापारी स्वतंत्र रूप से अन्य मुद्राओं के उपयोग पर निर्णय ले रहे हैं। यह डी-डॉलरीकरण प्रक्रिया को मजबूत कर रहा है, तथा अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली पर कई तरह के प्रभाव पैदा कर रहा है, जिसमें विनिमय दर की अस्थिरता, व्यापार पैटर्न में संभावित परिवर्तन शामिल हैं और स्थापित वित्तीय संस्थानों के लिए चुनौतियां पेश कर रहा है।तथाकथित ब्रिक्स मुद्रा प्रस्ताव एक गैर-मुद्दा है जबकि डी-डॉलरीकरण प्रक्रिया अमेरिका को एक वास्तविक खतरे के रूप में चिंतित करेगी।

कमोडिटी स्पेस में, ऊर्जा लेनदेन की कीमत गैर-अमेरिकी मुद्राओं में बढ़ रही है। यह भी ध्यान रखना दिलचस्प हो सकता है कि केंद्रीय बैंक, विशेष रूप से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में, अमेरिकी डॉलर-केंद्रित वित्तीय प्रणाली से दूर जाने के लिए अपने सोने के भंडार बढ़ा रहे हैं।जे.पी. मॉर्गन की वैश्विक कमोडिटी रिसर्च टीम के अनुसार, केंद्रीय बैंकों ने सामूहिक रूप से 2022 में 1,136 टन सोना खरीदा, जो रिकॉर्ड पर सबसे अधिक वार्षिक मांग है, और 2023 में 1,037 टन और खरीदा। इसने अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी ट्रेजरी के एहतियाती भंडार की उनकी ज़रूरत को कम कर दिया, जो बदले में विकास को बढ़ावा देने वाली घरेलू परियोजनाओं में निवेश करने के लिए पूंजी को मुक्त करता है।गले अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए अच्छा होगा कि वे नाटो को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाएं, जिसका नेतृत्व वे करते हैं, ताकि यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने में मदद मिल सके, डी-डॉलरीकरण प्रक्रिया को धीमा किया जा सके, इज़राइल-हमास युद्ध को लाल सागर और लेबनान जैसे नये सीमाओं तक फैलने से रोकने में मदद मिल सके, और वैश्विक वाणिज्य और कूटनीति पर बढ़ते चीनी प्रभाव को कम करने के लिए रूस को अपने पक्ष में वापस लाया जा सके, खासकर पश्चिम एशियाई क्षेत्र में।

संपादकीय

अब कपूर खानदान में शाङ्किमल मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस भी जगह जाते हैं उससे उनका नाता जुड़ जाता है। चाहे वह कोई राज्य हो या कोई शहर-कस्बा। जिस व्यक्ति से मिलते हैं उनके परिवार का हिस्सा बन जाते हैं । अब वे जिस नये कुटुम्ब का हिस्सा बन गये हैं वह है भारत का प्रथम सिनेमाई परिवार यानी %कपूर खानदान%। अविभाजित पाकिस्तान के पेशावर से चलकर मुम्बई आये महान अभिनेता पृथ्वीराज कपूर ने हिन्दी सिनेमा को न केवल अपनी अदाकारी से समृद्ध किया, बल्कि होनहार कलाकारों की एक पीढ़ी अपने ही परिवार में तैयार कर भारतीय सिनेमा को सौंपी, जिसमें उनके तीनों पुत्र थे। शम्मी कपूर और शशि कपूर के अतिरिक्त शो मैन कहलाने वाले राजकपूर इसी परिवार की देन हैं। करोड़ों भारतीयों का 8 दशकों से मनोरंजन कपूर खानदान कर रहा है। अपनी अनेक फिल्मों में %राजू% का नाम लेकर रूपहले पर्दे पर अवतरित होने वाले राज कपूर ने अपनी बेहतरीन पटकथाओं वाली फिल्में अभिनीत व निर्देशित कीं जिनमें भारतीय समाज के सुख-दुख के अलावा उसके सपनों के बनने और बिगड़ने को फिल्माया था। उन्होंने फिल्मों को खालिस मनोरंजन के माध्यम से बाहर निकालकर सामाजिक परिवर्तन का जरिया बनाया था।उन्हीं राज साहब की जन्म शताब्दी पर कपूर खानदान मुम्बई में एक कार्यक्रम कर रहा है; और पूरा परिवार पीएम को बुधवार को आमंत्रित करने दिल्ली गया था। जब राज कपूर के पोते रणबीर कपूर (ऋषि कपूर के बेटे) ने मोदी से कहा कि आने के पहले उनके परिवार के बीच इस बात को लेकर विमर्श होता रहा कि उन्हें क्या कहकर सम्बोन्धित करना होगा- मिस्टर प्राइम मिनिस्टर% या %प्रधानमंत्री जी... या कुछ और?%इस पर अपनत्व दिखाते हुए मोदी ने पूरी विनम्रता के साथ कहा कि %मैं इसी परिवार का हिस्सा हूं और आप मुझे कैसे भी सम्बोधित कर सकते हैं। देश के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा प्राप्त स्नेह से गदगद राज कपूर की पुत्री रीमा ने पीएम को धन्यवाद तो दिया ही, स्वयं इस परिवार से आमंत्रण पाकर व उससे जुड़कर मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर न केवल राजकपूर के जयंती समारोह की जानकारी साझा की बल्कि इस मुलाकात के हाईलाइट्स यानी झलकियां दिखाने वाली कई तस्वीरें भी डाली हैं।देश के लब्ध प्रतिष्ठित किसी खानदान द्वारा राष्ट्राध्यक्ष को बुलाना अजूबा नहीं, न ही किसी के द्वारा इस प्रकार की मुलाकातों से देश-दुनिया को अवगत कराना बेजा बात है। यह दीगर बात है कि सोशल मीडिया पर कई विघ्नसंतोषी इस मुलाकात एवं मोदी की भावाभिव्यक्ति की यह कहकर खिल्ली उड़ा रहे हैं कि उनके पास मणिपुर जाने का समय नहीं है लेकिन कपूर खानदान से मिलने का भरपूर वक्त है, या फिर क्या मणिपुर के पीड़ित उनके परिवार का हिस्सा नहीं हैं? हद तो तब कर दी गयी जब कुछ लोगों ने कहा कि अनेक कलाकारों के साथ सबसे बड़ा अभिनेता। खैर !वैसे मोदी में यह अच्छी बात है कि वे ऐसी आलोचनाओं की परवाह न करते हुए समझदारी के साथ अपना परिवार चुनते रहते हैं या शामिल होते हैं। कभी कई बच्चों वाला अब्बास भी उनके परिवार का हिस्सा बन जाता है तो कभी महिला पहलवान उनके परिवार की सदस्य हो जाती हैं। यह अलग बात है कि वही अब्बास चुनाव के वक्त खलनायक बन जाता है जिसके समुदाय के लोगों की ओर संकेत कर मोदी लोगों को चेतावनी देते हैं कि यदि कांग्रेस आई तो मंगलसूत्र और भैंसें उन्हें दे दी जायेंगी।ऐसे ही, धरना-प्रदर्शन करते ही महिला पहलवानह्यउनके परिवार से बाहर कर दी जाती हैं। बहरहाल, जैसा कि पिछले दशक भर से देखा जा रहा है कि हर घटना, हर स्थल और हर व्यक्ति का एक सिरा सीधे-सीधे मोदी से जुड़ता है (या कहें कि जोड़ लिया जाता है), तो दूसरा सिरा किसी न किसी तरह से राजनीति से जुड़ता है। उनका सम्बन्ध पश्चिम बंगाल से वैसा ही निकल आता है जैसा महाराष्ट्र से। उनका बौद्ध धर्म से नाता निकल आता है तो संत रविदास से भी। मोदी तो यह तक बतला देते हैं कि चीनी यात्री ह्वेन सॉंग शी जिनपिंग के गांव से होकर गुजरा था और उनके वडनगर तक आया था। उन्होंने राजस्थान के वीर लड़ाके महाराणा प्रताप के ऐतिहासिक महत्व के अश्व चेतक की मां गुजरात की बतलाई। नाते-रिश्तेदारी जोड़ने में निष्णात मोदी यदि कपूर खानदान के परिवार में स्वयं को समाहित करते हैं

तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिये।मोदी ने इस अवसर पर बताया कि दिल्ली चुनाव हारने की निराशा से उबरने के लिये भारतीय जनता पार्टी के नेता व पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी और मार्गदर्शक लालकृष्ण आडवाणी ने राज कपूर की फिल्म नई सुबह होगी देखी थी जिसके बाद भाजपा की नई सुबह हुई और वह मौजूदा मुकाम पर खड़ी है। बकौल मोदी राज कपूर की फिल्मों में जिस सॉफ्ट पावर का इस्तेमाल हुआ उसी पर भारत की कूटनीति चलती है।कई विरोधाभासों की तरह यह नई जुड़ी नातेदारी भी बेहद विसंगतिपूर्ण है .

बहुमत की इच्छा से आखिर क्यों नहीं चलेगा देश कोई समझाएगा जनमानस को!

कहते हैं कि जो राजा या शासन पद्धति जनभावनाओं को नहीं समझ पाते हैं, रणनीतिक रूप से अकस्मात गोलबंद किए हुए उग्र लोगों के द्वारा नष्ट कर दिए जाते हैं। मुगलिया सल्तनत से लेकर ब्रिटिश साम्राज्य का हश्र हमारे-आपके सामने है। वहीं, एक बार नहीं बल्कि कई दफे हुआ पारिवारिक लोकतांत्रिक सत्ता का पतन भी आप सबके सामने हैं, जबकि इसको यथावत बनाए रखने के लिए कथित धर्मनिरपेक्षता व जातिवाद की आड़ लेकर क्रमशः अल्पसंख्यक और आरक्षण जैसे पक्षपाती विचारों का भी पालन-पोषण किया गया तथा तुष्टीकरण की नीतियों तक को बेहिसाब बढ़ावा दिया गया। फिर भी हश्र सबके सामने है।वैश्विक और भारतीय परिस्थिति भी अब इस बात की चुगली कर रही है कि इन्हें शह देने वाले संविधानों व उस पर आधारित कुछ अतिवादी कानूनों का भी देर-सबेर कुछ यही हश्र होने वाला है, आज नहीं तो निश्चय कल! साथ ही उस बनावटी लोकतंत्र का भी, जो पूंजीवादी देशों की रखैल बन चुकी है, क्योंकि वे इसका मनमाफिक दुरुपयोग कर रहे हैं। ऐसे में हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय दोनों को दूरदर्शिता दिखानी होगी, और पाकिस्तान-बांग्लादेश समेत अन्य इस्लामिक देशों के बदलते प्रशासनिक घटनाक्रमों से सबक लेना होगा, अन्यथा भारत को भी आतंकवादी ताकतें उसी तरह से नष्ट कर देंगी, जैसे उदाहरण इस्लामिक देशों में भरे पड़े हैं।

अलबत्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट के हिंदूवादी जज जस्टिस शेखर कुमार यादव के बहुमत से चलेगा देश जैसे स्पष्टवादी बयान को भी उपर्युक्त नसीहतों की कसौटी पर ही कसा जाना चाहिए। अन्यथा संसद और सुप्रीम कोर्ट की मनमजी (षडयंत्रकारी धर्मनिरपेक्षता/पंथनिरपेक्षता के संदर्भ में) भारत को भी अशांत इस्लामिक मुल्क बना देगी, जो हमारे कतिपय धर्मनिरपेक्ष दलों का अघोषित सियासी एजेंडा है, जिससे समय रहते ही सावधान हो जाने की जरूरत है। यदि भारत के विद्वान न्यायाधीश, अधिवक्ता, प्रोफेसर, राजनेता, पत्रकार और बुद्धिजीवियों के समूह इस तथ्य को अब और नजरअंदाज करेंगे तो अशांत मुल्क के रूप में अगला नम्बर हमारे देश का ही होगा। जिसके ट्रेलर मोदी काल में जहां तहां विपक्ष के इशारे पर दिखाई भी दे रहे हैं।देखा जाए तो विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक बौद्धिक व राष्ट्रवादी प्रोग्राम 'समान नागरिक संहिताः एक संवैधानिक अनिवार्यता' विषय पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के हिंदूवादी जज% जस्टिस शेखर कुमार यादव के द्वारा दिए गए विवादित बयान पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा संज्ञान लिया जाना उचित है, लेकिन इसकी सांगोपांग व्याख्या से पहले वह अपने पड़ोसी देशों के हश्र भी देख ले, जहां भारत को कमजोर करने वाले अमेरिकी और चीनी एजेंडे के अनुगामियों ने, उग्रपंथियों ने वहां की धर्मनिरपेक्ष सरकारों को अपदस्थ कर दिया और हिंदुओं पर नाना प्रकार के जुल्म कर रहे हैं। उनकी घटती आबादी इसका सबूत है।जबकि भारत की उदारवादी संसदीय नीतियों और उनकी सुप्रीम व्याख्या की अदूरदर्शिता से यहां की जनसंख्या बेतहाशा बढ़ी है, बेरोजगारी और भरण-पोषण का संकट उतपन्न हुआ है और कानून के उस शासन को भी अब कथित भीड़तंत्र के द्वारा जगह-जगह चुनौती मिल रही है। इस सूरतेहाल पर हमारी संसद और सुप्रीम कोर्ट की किंकर्तव्यविमूढ़ता भी जनहित के नजरिए से सवालों के घेरे में है, क्योंकि शांतिपूर्ण तरीके से जीना अब इस देश में भी मुहाल होता जा रहा है, इस्लामिक देशों की तरह।

ऐसा इसलिए कि दुनिया की दूसरे सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी भारत में रहती है और इन्हें शिक्षित करने और उग्रपंथी विचारों से अलग रखने में हमारा प्रशासन बुरी तरह से विफल प्रतीत हुआ है। कश्मीर, पश्चिम बंगाल, केरल के अलावा जहां भी मुस्लिमों की ज्यादा आबादी है, वहां पुलिस प्रशासन की चुनौतियों को भी समझा जा सकता है। यह बात आज देश के हर बुद्धिजीवी को अखड़ रही है कि आखिर वोट बैंक की धर्मनिरपेक्ष राजनीति हमें किधर ले जा रही है और इसमें बदलाव के लिए क्या किया जा सकता है! कहना न होगा कि हमारे निर्वाचित नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों व न्यायाधीशों की तरह ही स्पष्टवादी बुद्धिजीवियों के भी कुछ विशेषाधिकार हैं, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संरक्षित हैं और जनमत निर्माण में यथोचित योगदान देते आए हैं, इसलिए जस्टिस यादव के विचारों को भी हमें इसी कसौटी पर कसने की जरूरत है। क्योंकि उन्होंने अपने सम्बोधन के क्रम में ही यह साफ कर दिया था कि ये बातें वे जज की हैसियत से नहीं, बल्कि एक आम प्रबुद्ध भारतीय की हैसियत से कह रहे हैं और इस पर अडिग रहने की जरूरत है।

वर्तमान में शेखर कुमार यादव इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीश हैं। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से 1988 में लॉ ग्रेजुएट शेखर कुमार यादव ने 1990 में वकील के रूप में अपना रजिस्ट्रेशन कराया था। उन्हें 12 दिसंबर, 2019 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। 26 मार्च, 2021 को उन्होंने स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। अपनी पदोन्नति से पहले उत्तर प्रदेश राज्य के स्थायी वकील रहे। भारत संघ के लिए अतिरिक्त स्थायी वकील रहे। यूपी की अदालतों में रेलवे के लिए स्थायी वकील का पद संभाला था। जस्टिस शेखर यादव 2026 में रिटायर होंगे। गत 1 सितंबर, 2021 को जस्टिस शेखर कुमार यादव ने कहा था कि वैज्ञानिकों का मानना है कि गाय ही एकमात्र जानवर है, जो ऑक्सीजन छोड़ती है।

सबसे पहले हम आपको यह बता रहे हैं कि जस्टिस यादव ने कब और क्या कहा था, जिसको लेकर अब नैतिक और कानूनी सवाल उठाए जा रहे हैं? दरअसल, जस्टिस शेखर कुमार यादव ने कहा कि ÷मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि यह हिंदुस्तान है, यह देश हिंदुस्तान में रहने वाले %बहुसंख्यक% की इच्छा के मुताबिक काम करेगा। यह कानून है... आप यह नहीं कह सकते कि आप हाईकोर्ट के जज होने के नाते ऐसा कह रहे हैं। कानून बहुमत के हिसाब से काम करता है, परिवार या समाज के कामकाज को देखें, यह बहुमत ही तय करता है। परिवार या समाज में जो बात ज्यादा लोगों को मंजूर होती है, वही स्वीकार की जाती है। केवल वही स्वीकार किया जाएगा, जो बहुसंख्यकों के कल्याण और खुशी के लिए फायदेमंद हो।÷ अपने संबोधन में उन्होंने शाहबानो केस का ज़िक्र करते हुए कहा कि भारत अपने बहुसंख्यकों की इच्छा के अनुसार चलेगा। उन्होंने बातों ही बातों में यहां यहां तक कहा कि, ÷कठमुल्ला शब्द गलत है लेकिन यह कहने में परहेज नहीं है क्योंकि वो देश के लिए बुरा है। वो जनता को भड़काने वाले लोग हैं। देश आगे न बढ़े, इस प्रकार की सोचने के लोग हैं। उनसे सावधान रहने की जरूरत है।

÷ वहीं, मुस्लिम समुदाय का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, ÷हमारे यहां बच्चा जन्म लेता है तो उसे ईश्वर की तरफ ले जाते हैं। वेद मंत्र बताते हैं, उनके यहां बच्चों के सामने बेजुबानों का बेरहमी से वध किया जाता है। फिर कैसे अपेक्षा की जाती है कि वो उदार होगा।÷ कहने का तातपर्य यह कि हिंदुओं के बच्चों को हमेशा दयालु और अहिंसक होने की शिक्षा दी जाती है, लेकिन मुस्लिम समुदाय में ऐसा नहीं है।जस्टिस शेखर कुमार यादव ने यूनिफॉर्म सिविल कोड पर कहा कि ÷यह देश भारत है, यहां रहने वाले भारतीय हैं। देश एक है और एक संविधान है तो कानून क्यों नहीं है? देश के महापुरुषों का अनादर करने का अधिकार नहीं है। इस देश में हलाला, तीन तलाक नहीं चलने वाला है। आप चार पत्नियां रखने, हलाला करने या तीन तलाक करने का अधिकार नहीं मांग सकते। अगर आप कहते हैं कि हमारा पर्सनल लॉ इसकी अनुमति देता है, तो इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। अगर आप कहते हैं कि हमें तीन तलाक देने और महिलाओं को भरण-पोषण न देने का अधिकार है, लेकिन यह अधिकार काम नहीं करेगा। आप उस महिला का अपमान नहीं कर सकते जिसे हिंदू शास्त्रों और वेदों में देवी माना जाता है। समान नागरिक संहिता जल्द ही वास्तविकता बन जाएगी।÷

न्यायाधीश यादव आगे कहा कि ÷समान नागरिक संहिता (यूसीसी) से समाज में सौहार्द बढ़ेगा। इसका उद्देश्य धर्मों और समुदायों पर आधारित असमान कानूनी प्रणालियों को समाप्त कर सामाजिक सद्भाव, लैंगिक समानता और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना है। यूसीसी ऐसी चीज नहीं है जिसका सिर्फ वीएचपी, आरएसएस या हिंदू धर्म ही समर्थन करता हो, बल्कि देश की टॉप अदालत भी इसके बारे में बात करती है।÷

सवाल है कि जब जस्टिस शेखर यादव ने यह स्पष्ट कर दिया था कि ÷मैं यह बात हाईकोर्ट के जज के तौर पर नहीं बोल रहा हूँ÷ तो फिर उनकी बात पर सियासी व कानूनी बवंडर खड़ा करने के पीछे के निहित उद्देश्य को समझा जा सकता है। इससे धर्मनिरपेक्षता मजबूत नहीं, बल्कि कमजोर होगी। बता दें कि जस्टिस शेखर कुमार यादव ने प्रयागराज में विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर बोलते हुए जब यह विवादित बयान दिया था, तो इस मौके पर हाईकोर्ट के एक अन्य न्यायाधीश जस्टिस दिनेश पाठक भी मौजूद थे। वहीं, खबर है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस शेखर कुमार यादव के द्वारा दिए गए विवादित बयान पर अब सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया है। कोर्ट ने कहा, ÷मामला विचाराधीन है। हाईकोर्ट से विस्तृत जानकारी मांगी गई है।÷

अब इस पर सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस शेखर कुमार यादव की ओर से दी गई स्पीच की न्यूज पेपर्स में छपी रिपोर्ट पर ध्यान देकर हाईकोर्ट से डिटेल में इसका ब्योरा मांगा है।वहीं, इससे पहले कैंपेन फॉर ज्यूडीशियल अकाउंटेबिलिटी एंड रिफॉर्म्स (CJAR) ने भी चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को चिट्ठी लिखकर इसकी शिकायत की है। इस चिट्ठी में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस शेखर कुमार यादव के बयान की इन-हाउस जांच कराने की मांग की गई है। चिट्ठी में मांग की गई है कि जांच होने तक जस्टिस को सभी न्यायिक कार्यों से दूर रखा जाए।

मूक हत्यारा हाईपर टेंशन

जीवनशैली, काम का बढ़ता दबाव और जरूरत से अधिक महत्वाकांक्षी होना 20 से 30 आयु वर्ग के युवाओं में ब्रेन हैमरिज का कारण बन रहा है. ब्रेन स्ट्रोक के मामले पहले बुजुर्ग अवस्था में देखे जाते थे क्योंकि इसके लिए उच्च रक्तचाप और मधुमेह मुख्य कारण होते थे. हाल ही में ऐसे मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है जिन्हें बहुत कम उम्र में ब्रेन हैमरिज का सामना करना पड़ता है और ऐसा उस जीवन शैली के कारण होता है जिसे वे अपनाते हैं. भारत में ब्रेन स्ट्रोक के मामले सालाना प्रति एक लाख लोगों पर 100 से 150 के बीच होते हैं जिनमें से 15 से 20 फीसदी मामले 30 से कम उम्र के युवाओं के हैं.

मानसिक तनाव, कामकाज के अधिक दबाव, अनियमित दिनचर्या, प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण, अच्छी नींद का अभाव, गैर स्वास्थ्य और गलत समय पर खानपान की आदतें, व्यायाम का अभाव और जेनिटिक कारण ब्रेन हैमरिज का कारण बन रहे हैं. इन सभी के चलते कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप और मधुमेह का शिकार होना पड़ता है जो ब्रेन स्ट्रोक का कारण बनता है. उच्च रक्तचाप मस्तिष्क में रक्तसाव का मुख्य कारण होता है. कई बार मरीजों को उच्च रक्तचाप का पता नहीं होता और इसलिए उन्हें इस बात का अहसास तक नहीं हो पाता कि वे एक टाइम बम लिए बैठे हैं जो फटने के इंतजार में हैं. कई बार उच्च रक्तचाप भी अधिक मानसिक दबाव को नहीं दर्शाता और यही तनाव बढ़ने पर खतरनाक साबित हो जाता है.

हालिया एक मामले में प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा की तैयारी कर रहे एक 22 वर्षीय युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसे बेहद उच्च स्तर का हाईपर टेंशन था. उसे अर्धबेहोशी की हालत में सिर के पिछले हिस्से में दर्द की शिकायत के साथ लाया गया था. सीटी स्कैन में उसके मस्तिष्क के आधार वाले हिस्से में बड़े रक्तसाव का पता चला. कई सप्ताह के इलाज के बाद उसके उच्च रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सका. मरीज के शरीर के एक हिस्से में अभी भी कमजोरी है. अस्पताल में सप्ताह में ऐसे चार पांच मामले आते हैं जो युवाओं में ब्रेन स्ट्रोक से संबंधित होते हैं. हाईपर टेंशन एक मूक हत्यारा है और इसका एक सामान्य रास्ता यही है कि केवल उतना ही दबाव लें जितना संभाल सकें. दवाओं या जीवन शैली में बदलाव के जरिए उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करना ब्रेन स्ट्रोक से बचने में बड़ी भूमिका अदा कर सकता है. जीवनशैली में सुधार का मतलब है कि नियमित रूप से व्यायाम करना और स्वस्थ खानपान की आदतें अपनाना. आज के कामकाज के माहौल में तनाव और प्रतिस्पर्धा शामिल है. इसलिए लोगों को तनाव को कम करने के लिए रोजाना कुछ ऐसा हटकर करना चाहिए जिससे तनाव कम हो. इसके लिए अपना कोई शौक अपनाएं या कुछ देर के लिए ध्यान लगाएं. मधुमेह और हाईपर टेंशन के कारण रक्त वाहिनियों के भीतर एथेरोमा जैसे कुछ तत्वों का जमाव हो जाता है और वाहिकाएं कमजोर पड़ने लगती हैं. एथेरोमा के जमाव के कारण रक्त वाहिकाएं संकरी हो जाती हैं जिससे मस्तिष्क में रक्त की आपूर्ति में कमी आती है और अंततः मस्तिष्क उत्तक नष्ट हो जाते हैं. रक्त वाहिनियों के कमजोर पड़ने से मस्तिष्क के भीतर ही रक्त वाहिनियां फट जाती हैं जिससे रक्त का थक्का जम जाता है और ये सब मिलकर ब्रेन स्ट्रोक का कारण बनते हैं.

मोनोपॉज महिलाओं को अनिद्रा से बचाता है योग

रजोनिवृत्ति को हासिल कर चुकी महिलाओं को योग अनिद्रा की समस्या से निजात दिलाने में सहायक हो सकता है. एक नए शोध में यह बात कही गयी है. रजोनिवृत्ति के दौरान कई महिलाओं को ठंडा गरम लगने, रात में पसीना आने, वजन बढ़ने और मुहांसों की समस्या से जूझना पड़ता है. शोधकर्ताओं ने पाया है कि 12 सप्ताह तक योग प्रशिक्षण हासिल करने और बाद में घर पर उसका नियमित अभ्यास करने से अनिद्रा की समस्या से छुटकारा मिलता है. शोध रिपोर्ट की मुख्य लेखिका और अमेरिका में ग्रुप हेल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट की वरिष्ठ जांचकर्ता कैथरीन न्यूटन ने बताया, ''ठंडा गरम महसूस होने और रात में पसीना आने की समस्या को हार्मोन थेरेपी से दूर किया जा सकता है लेकिन आजकल बहुत कम महिलाएं ही हार्मोन थेरेपी लेती हैं.'' शोध में यह पता लगाने का प्रयास किया गया कि क्या योग, कसरत या मछली का तेल इन लक्षणों को दूर करने में सहायक हो सकता है. शोध के बाद पाया गया कि योग रजोनिवृत्ति के चरण में पहुंच चुकी महिलाओं को अनिद्रा की बीमारी से बचाता है.

अपनी त्वचा को यूं खूबसूरत रखें...

अपनी त्वचा की खूबसूरती किसे अच्छी नहीं लगती लेकिन इसे बरकरार रखने के लिए मशक्कत भी करनी पड़ती हैं तो आप भी इनका ध्यान रखें. साफ, स्वस्थ और चमकदार त्वचा से हमारा कॉन्फीडेंस बढ़ता है. लेकिन प्राकृतिक रूप से त्वचा को स्वस्थ रखना आसान नहीं है. हालांकि ऐसे कई खाद्य पदार्थ हैं जो हमारे सिस्टम को साफ रखते हुए त्वचा को खूबसूरत बनाते हैं. स्किन ट्रीटमेंट और फेसपैक के साथ ही हम क्या खाते हैं, यह भी बहुत महत्वपूर्ण है. इसलिए साफ और दमकती त्वचा पाने के लिए खाएं हेल्दी फूड

चुकंदर (बीटरूट) – यह हमारे शरीर के जहरीले तत्वों को साफ करता है, रक्त और लिवर को साफ करता है और फ्री रेडिकल्स का सामना करता है. इसके साथ ही, चुकंदर में पोटैशियम, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, फाइबर और विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है.

अनार (पॉमग्रेनेट) – यह फल वर्ष भर उपलब्ध रहता है और आप इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठा सकती हैं. यह हमें फ्री रेडिकल्स से बचाता है और खून साफ करता है. अनार एंटीऑक्सीडेंट फल है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और रक्त संचार को बेहतर बनाता है.

सौंफ (फेनल) – सौंफ में दो जबर्दस्त गुण पाये जाते हैं; पहला, यह एंटीऑक्सीडेंट और डिटॉक्सिफायर है. साथ ही, यह त्वचा को टोन करता है और रक्त संचार बेहतर बनाता है. दूसरा, यह त्वचा को हाइड्रेट और मॉइश्चराइज्ड करता है.

पिपरमिंट (**एक किस्म का पुदीना**) – मिंट या पुदीना स्ट्रेस कम करता है और श्वास संबंधी परेशानियों को दूर करता है. पिपरमिंट त्वचा को सूद करता है और उपचारात्मक गुणों के कारण विभिन्न प्राकृतिक दवाइयों में इसका प्रयोग किया जाता है.

लाल अंगूर (**रेड ग्रेप्स**) – इनमें एंटी इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टी पाई जाती है और ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो सिस्टम और रक्त को साफ करने में मदद करते हैं. साथ ही, स्वस्थ त्वचा देने में सहायक होते हैं.

टमाटर – टमाटर का इस्तेमाल कर अपनी त्वचा को सूर्य की किरणों से बचाएं. ये एक्ने को कम करता है और त्वचा की ऑयलीनेस को भी घटाता है. टमाटर सनबर्न को ठीक करने में भी सहायक है.

मिल्क सब्स्टीट्यूट – त्वचा की समस्याओं से बचने के लिए सुझाव दिया जाता है दूध से परहेज करें लेकिन आप इसके न्यू ट्रियंट्स, विटामिन्स और मिनरल्स को एब्जॉर्ब करने के लिए इसके विकल्प प्रयोग कर सकती हैं. लैक्टिक एसिड और एंजाइम्स त्वचा को इम्प्रूव करते हैं.

बेरीज – एंटीऑक्सीडेंट्स आमतौर पर गहरे रंग के स्ट्राबेरीज जैसे ब्लूबेरी, मलबेरी और स्ट्राबेरी में पाये जाते हैं. यह खाने की ललक को कम करता है जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है.

दिल की बीमारी का इलाज है सरसों का तेल

खाने में सरसों तेल का इस्तेमाल स्वास्थ्य को बेहतर बना सकता है और दिल की बीमारी के जोखिम को 70 प्रतिशत कम कर सकता है. एक सरसों प्रोत्साहक इकाई ने यह जानकारी दी है. सरसों शोध एवं संवर्धन कन्सोर्टियम (एमआरपीसी) के अनुसार सरसों का तेल दिल की बीमारी के जोखिम को कम करता है और संतुलित आवश्यक फैटी एसिड अनुपात से जीवन की गुणवत्ता बढ़ता है. एमआरपीसी एक सहायतार्थ सरकार के द्वारा मान्यताप्राप्त शोध संगठन है जिसका ध्येय भारत में सरसों फसल की उपज में सुधार लाना है. एमआरपीसी ने एक बयान में कहा, हम भारतीयों को सरसों तेल अपनाने के लिए प्रोत्साहित करके वैश्विक हृदय स्वास्थ्य को बढ़ाना चाहेंगे क्योंकि यह स्वास्थ्य में सुधार लाने और हृदयरोग के जोखिम को 70 प्रतिशत कम करने में मदद कर सकता है जैसा कि जर्नल ऑफ प्रिवेन्टिव कार्डियोलॉजी के अध्ययन में कहा गया है.

14 कारण क्यों खाएं खीरा

दुनिया में चार सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली सब्जियों में से खीरा एक है. आइए जानते हैं 14 कारण कि क्यों रोज खाएं खीरा... अगर नियमित रूप से खीरे का सेवन किया जाए तो यह कई बीमारियों को दूर करता है. खीरे का इस्तेमाल लोग अपनी खूबसूरती बढ़ाने के लिए भी करने लगे हैं. खीरा गुणकारी है. इसलिए इसे पश्चिमी देशों में सुपरफूड तक कहा जाता है. लेकिन सड़कों व गली-मौहल्लों में गर्मियों के दिनों में कटा हुआ खीरा खाना बीमारी को बुलावा देना है. इसलिए साफ सुथरा खीरा खाएं और स्वस्थ रहें. दुनिया में चार सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली सब्जियों में से खीरा एक है.

1. **पानी की कमी को पूरा करने वाला** – खीरे में 90 फीसद पानी होता है. खीरा खाने के बाद शरीर को पर्याप्त मात्रा में पानी मिल जाता है. यह शरीर में पानी का एक तरह से पुन: चक्रण करता है.
2. **ठंडक पहुंचाता है** – खीरा शरीर को अंदर और बाहर दोनों से ठंडक पहुंचाता है. खीरा खाने से हार्टबर्न की अवस्था में आराम मिलता है. सूर्य की गर्मी से झुलसी त्वचा (सनबर्न) पर खीरा लगाने से ठंडक मिलती है.
3. **टाक्सिक निकालता है** – खीरे में पानी अत्यधिक होता है. खीरा अधिक खाने पर विषैले पदार्थ टाक्सिक बाहर निकलते हैं. कुछ लोगों का मानना है कि रोज खीरा खाने से गुर्दे की पथरी खत्म हो जाती है.
4. **रोजमर्रा की जरूरत के विटामिन मुहैया कराने वाला** – रोजाना जिन विटामिन की जरूरत होती है, वे खीरा में हैं. प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व दैनिक दिनर्चया के लिए विटामिन ए, बी और सी की जरूरत है. खीरे के छिलके में विटामिन सी होता है. इसे खाना भी फायदेमंद होता है. अगर सब्जियों के जूस में खीरा का भी रस निकालते हैं तो यह और भी फायदेमंद है.
5. **त्वचा के लिए जरूरी खनिज मुहैया करवाने वाला** – खीरा में पौटेशियम, मैगनीशियम और सिलीकान अत्यधिक मात्रा में होता है. यह खनिज त्वचा के लिए बहुत जरूरी हैं.
6. **खाना पचाने वाला व वजन कम करने में मददगार** – खीरे में पानी अत्यधिक होता है और कैलोरी कम होती है. इसलिए वजन कम करने के इच्छुक लोगों के लिए खीरा वरदान है. सूप और सलाद में खीरा खाएं. खीरा में फाइबर होते हैं जो खाना पचाने में मददगार होते हैं. कब्ज से परेशान हैं तो रोजाना खीरा खाएं. यह कब्ज के लिए दवाई का कार्य करता है.
7. **आंखों के लिए लाभकारी** – खीरे को स्लाइस की तरह काटकर आंखों की पलक के ऊपर पर रखें. इससे आंखों को ठंडक मिलती है. खीरा की तासीर जलन कम करने की होती है.
8. **कैंसर से लड़ता है** – खीरा खाने से कैंसर होने की आशंका कम रहती है. खीरे में साइकोइसोलएरीक्रिस्नोल, लैरीक्रिस्नोल और पाइनोरिस्नोल तत्व होते हैं. ये तत्व सभी तरह के कैंसर के रोकथाम में कारगर हैं.
9. **मधुमेह, कोलस्ट्रोल और ब्लड प्रेशर नियंत्रक** – खीरा के रस में वो तत्व हैं जो पैनक्रियाज को सक्रिय करते हैं. पैनक्रियाज सक्रिय होने पर शरीर में इंसुलिन बनती है. इंसुलिन शरीर में बनने पर मधुमेह से लड़ने में मदद मिलती है. खीरा खाने से कोलस्ट्रोल का स्तर कम होता है. इससे हृदय संबंधी रोग होने की आशंका कम रहती है. खीरा में फाइबर, पोटैशियम और मैगनीशियम होता है जो ब्लड प्रेशर दुरुस्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं. खीरा उच्च और निम्न ब्लड प्रेशर दोनों में ही एक तरह से दवा का कार्य करता है.
10. **मुंह को ताजगी देता है** – खीरा खाने से मसूड़ों की बीमारी कम होती हैं. खीरे के एक टुकड़े को जीभ से मुंह के ऊपरी हिस्से पर आधा मिनट तक रोकें. ऐसे में खीरे से निकलने वाला फाइटोकैमिकल मुंह की दुर्गंध को खत्म करता है.
11. **बालों और नाखून के लिए लाभकारी** – खीरे में मौजूद तत्व सीलिशिया बालों और नाखूनों में चमक लाता है और इन्हें मजबूत करता है. सल्फर और सीलिशिया के कारण बाल तेजी से बढ़ते हैं.
12. **जोड़ों की दवा और गठियाबाय में आरामदायक** – खीरे में सीलिशिया प्रचूर मात्रा में होता है. इससे जोड़ों को मजबूती मिलती है और टिशू परस्पर मजबूत होते हैं. गाजर और खीरे का जूस एकसाथ निकालकर पीने पर गठियाबाय रोग में मदद मिलती है. इससे यूरिक एसिड का स्तर भी कम होता है.
13. **सरदर्द व खुमारी से उबरने में मददगार** – अगर सुबह उठने पर सिर में दर्द या खुमारी की शिकायत हो तो सोने से पहले खीरा खाएं. खीरा में विटामिन बी, शूगर और इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं. ये शरीर के लिए पौष्टिक तत्व हैं और सरदर्द व खुमारी से उबरने में मदद करते हैं.
14. **गुर्दे को आकार में रखता है** – खीरे के कारण शरीर में यूरिक एसिड का स्तर नियंत्रित रहता है जिससे गुर्दे अपने सही आकार में रहते हैं.

जानकारी

वजन घटाने में मददगार है 'स्विमिंग' मगर इन 4 बातों का जरूर रखें ध्यान

तैराकी को हमेशा एक मनोरंजक गतिविधि के रूप में माना जाता है, जिसे लोग अपने खाली समय में और कुछ मौज-मस्ती के लिए पसंद करते हैं। वास्तविकता यह है कि यह गतिविधि आपको बहुत सारी कैलोरी जलाने, आपके शरीर को टोन करने और यहां तक कि वजन कम करने में मदद कर सकती है, बशर्ते आप सही तरीके से सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें। तैरना एक कम प्रभाव वाला व्यायाम है जो वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है जैसा कि आप दौड़कर कर सकते हैं और वह भी बिना आपके जोड़ों को चोट पहुंचाए। यह निश्चित रूप से एक मजेदार और स्वस्थ गतिविधि है, जो सभी आयु वर्ग के लोगों द्वारा की जा सकती है। या तो आप अपना वजन कम करने के लिए तैर रहे हैं या अपने शरीर को टोन करने के लिए, यहां 4 चीजें हैं जिन्हें आपको ध्यान में रखना है।

सही खानपान

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि अगर आप वजन कम करने के लिए जिमिंग या स्विमिंग कर रहे हैं। इसके लिए स्वस्थ भोजन करना भी महत्वपूर्ण है। आप केवल सही व्यायाम करके और सही प्रकार का भोजन खाकर अपना वजन कम कर सकते हैं। पहला, जब आप तैर रहे होते हैं तो बहुत अधिक ऊर्जा की खपत होती है और दूसरी बात यह है कि ठंडा पानी आपकी भूख बढ़ा सकता है। यह आपके स्विमिंग सेशन के बाद आपको उग्र महसूस करवा सकता है। ओवरईटिंग से बचें, वरना आपकी सारी मेहनत बेकार हो जाएगी। खाने में हरी सब्जियां जोड़ें और अपने स्विमिंग सेशन के बाद प्रोटीन शेक पीएं।

सही स्ट्रोक

अलग-अलग तैराकी के विभिन्न स्वास्थ्य लाभ हैं और कैलोरी की काफी मात्रा को जलाते हैं। लेकिन जो सबसे प्रभावी है वह है बटरफ्लाई स्ट्रोक है। अगर सही तरीके से किया जाए तो यह स्ट्रोक 10 मिनट में 150 कैलोरी जलाने में आपकी मदद कर सकता है। अगला सबसे अच्छा स्ट्रोक फ्रीस्टाइल है, जो आपको एक घंटे में 704 कैलोरी जलाने में मदद कर सकता है।

अच्छी गति

यदि आपका मकसद वजन कम करना है, तो निश्चित रूप से, आपको कुछ अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। आपकी गति यह निर्धारित करती है कि आप कितनी कैलोरी खोने जा रहे हैं। तो एक राउंड तेज तैरें और फिर अगले में सामान्य रहें। यह आपके वसा जलने की प्रक्रिया को तेज करेगा।

सही समय

हमेशा नाश्ते से पहले सुबह तैरने की कोशिश करें। सुबह तैरना आपके शरीर को एक उपवास की स्थिति में छोड़ देगा और यह संग्रहीत वसा का अधिक कुशलता से उपयोग करने में सक्षम होगा। शरीर वसा को ऊर्जा के रूप में उपयोग करेगा और आप अधिक वजन कम करने में सक्षम होंगे।

धूम्रपान है घातक

इससे होने वाले रोग सीओपीडी का कैंसर से है सीधा संबंध

भारत में हुए अध्ययनों से पता चला है कि देश के महानगरों और बड़े शहरों जैसे दिल्ली, चेन्नई और बेंगलुरु में फेफड़ों के कैंसर के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। फेफड़े का कैंसर का कई बार क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के साथ संबंध होता है। एम्स के डॉ. नबी दर्या वली के मुताबिक, सीओपीडी फेफड़ों से संबंधित एक ऐसा रोग है, जिसमें मरीज की सांस छोड़ने की क्षमता ठीक से काम नहीं कर पाती, इस स्थिति के कारण मरीज को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। लंबे समय तक धूम्रपान करने के कारण यह रोग होता है। सीओपीडी से पीड़ित लोगों में फेफड़ों का कैंसर का विकसित होने की संभावना दोगुनी होती है और इन दोनों स्थितियों के एक साथ होने की संभावना भी काफी अधिक होती है। दरअसल, पूरी दुनिया में कैंसर के सबसे आम रूपों में से एक है, फेफड़े का कैंसर। डॉ. वली कहते हैं, फेफड़ों का कैंसर एक आम बीमारी हो गई है और अभी भी दुनिया भर में कैंसर से होने वाली मौतों के मुख्य कारणों में से एक है। फेफड़े के कैंसर वाले अधिकांश मरीजों का इलाज तब शुरू होता है जब रोग शरीर में फैल चुका होता है। यानी उन्नत चरणों में कैंसर का निदान किया जाता है, इसलिए अब नए चिकित्सीय विकल्पों की पहचान नैदानिक अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है।

संकेत और लक्षण

हालांकि सीओपीडी और फेफड़ों के कैंसर के समान लक्षण हैं, जैसे खांसी और सांस लेने में कठिनाई, लेकिन इनमें कुछ अंतर भी हैं। थकान, भूख में कमी, अचानक वजन घटना, खांसी के साथ ही कहीं सीने में दर्द, गला बैठना, फेफड़ों में संक्रमण, खांसी और कफ के साथ खून के अलावा लगातार सूखी खांसी आ रही हो तो तत्काल ध्यान देने की जरूरत हो सकती है। यदि कैंसर फैल गया है, तो किसी को सिरदर्द, सुन्नता (नंबनेस), चक्कर आना, पेट में दर्द, पीलिया और हड्डी में दर्द का अनुभव हो सकता है।

निदान और उपचार

कैंसर के विभिन्न चरणों की पहचान सीटी स्कैन, एमआरआई, पीईटी स्कैन और बोन स्कैन के माध्यम से की जाती है। नैदानिक परीक्षणों में छाती का एक्स-रे, सीटी स्कैन, थूक परीक्षण, ऊतक (टिश्यू) बायोप्सी और ब्रोन्कोस्कोपी शामिल हैं। मरीज सीओपीडी से पीड़ित है या नहीं, फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी का उपयोग किया जाता है। सीओपीडी और कैंसर के शुरुआती चरणों के उपचार के लिए सर्जरी, कीमोथैरेपी और रेडियोथैरेपी जैसे विकल्पों का मिश्रण हो सकता है। इम्यूनोथैरेपी और लक्षित दवाओं जैसी नई थेरेपी भी अच्छी तरह से काम करती हैं।

फेफड़ों के कैंसर को रोकना

डॉ. वली के मुताबिक फेफड़ों से संबंधित रोगों से बचाव रखने के लिए आप ये तरीके अपना सकते हैं- नियमित रूप से व्यायाम करें, हार्ट रेट को बढ़ाने वाली एरौबिक एक्सरसाइज करना सबसे ज्यदा फायदेमंद होता है। पोषक तत्वों से भरपूर भोजन फायदेमंद है। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। इन्फेक्शन से बचने के लिए अपने हाथों को नियमित रूप से धोते रहें। हाथों से अपने मुंह को ना छुएं (जितना कम हो सके छूने की कोशिश करें)। बीमार लोगों से दूर रहें। नियमित रूप से डॉक्टर से जांच करवाते रहें फेफड़ों के रोगों से जुड़े किसी भी संकेत व लक्षण को नजरअंदाज ना करें। धूम्रपान करने वालों को एक बार में धूम्रपान छोड़ देना चाहिए। धूम्रपान करने वाले व्यक्ति और उसके धुएं से दूर रहें, घर पर या बाहर के प्रदूषण या दूषित हवा में सांस ना लें। फेफड़ों को नुकसान न पहुंचे इसके लिए मास्क जैसे कुछ सुरक्षात्मक साधन पहनकर भी बच सकते हैं। रेडॉन गैसे जैसे रडियो एक्टिव पदार्थ कैंसर को बढ़ावा देते हैं और अपने रहने की जगह ऐसे तत्व वातावरण को खराब तो नहीं कर रहे, यह जानने के लिए घर पर ही रेडॉन लेवल पता करना होता है। लंबे समय तक ऐसे पदार्थों से संपर्क सीओपीडी के साथ ही फेफड़ों के कैंसर के खतरे को बढ़ा सकता है। किसी प्रकार के केमिकल, धूल या धुएं आदि में सांस ना लें यदि आप में फेफड़ों के कैंसर का अधिक खतरा है, तो डॉक्टर से इस बारे में बात करें और जांच करवाएं।

सेहत

सर्दियों की स्किन प्रॉब्लम दूर करेंगे ये टिप्स

सर्दियों का मौसम आते ही कई तरह की स्किन प्रॉब्लम होनी शुरू हो जाती हैं। ठंड आते स्किन रूखी, बेजान और अजीब सी होने लगती है। कुछ आसान तरीके अपनाकर आप इस मौसम में होने वाली इन समस्याओं को दूर कर सकते हैं।

आइब्रो डैंड्रफ

वैसे डैंड्रफ यानी रूसी बालों की समस्या है। लेकिन सर्दियों में डैंड्रफ भौहों में भी हो सकती है। रात में चेहरा धोते समय आइब्रो पर भी फेसवॉश जरूर लगाएं। इससे यहां की डेड स्किन निकल जाएगी। आपकी भौहों से जब तक डैंड्रफ पूरी तरह खत्म न हो जाए, आइब्रो मेकअप न करें।

नाक की रूखी और फटी स्किन

बाहर की सर्दी और घर के अंदर की गर्मी नाक सूखने लगती है। त्वचा में नमी बरकरार रखने के लिए हाइड्रेटिंग मॉइस्चराइजर या सेरामाइड्स युक्त क्रीम लगाएं। इससे आपकी स्किन रूखी नहीं होगी।

रूखे हाथ

सर्दियों में सबसे ज्यादा प्रभाव हाथों पर ही पड़ता है। हाथों में ऑयल ग्लैंड बहुत कम होता है। बार-बार हाथ धोने की वजह से भी हाथों की नमी चली जाती है। इसलिए बाहर निकलने से पहले हमेशा ग्लिसरीन वाली हैंड क्रीम लगाएं। ठंड के महीनों में आपके क्यूटिकल भी फट सकते हैं, इसलिए हाथों में बादाम का तेल या कुसुम का तेल लगाएं।

सूखे और पपड़ीदार पैर

हाथों की तरह पैरों में भी अधिक ऑयल ग्लैंड नहीं होता है और वो जल्दी रूखे दिखने लगते हैं। रूखे पैरों में एक पपड़ीदार स्किन बनने लगती है। ठंड में गर्म पानी से नहाना भी इसकी एक वजह है। हमेशा गुनगुने पानी से नहाएं जिससे आपकी त्वचा की नमी पूरी तरह खत्म न हो। नहाने के बाद बॉडी बटर लगाने से भी त्वचा में नमी रहेगी।

ऑयली स्किन

सर्दियों में त्वचा की सीबम से प्राकृतिक रूप से तेल निलकता है। इसलिए थोड़ा सा ही मॉइश्चराइजर लगाने से त्वचा तैलीय होने लगती है। स्किन का पीएच संतुलन बनाए रखने के लिए हाइड्रेटिंग फॉर्मूला मॉइश्चराइजर ही लगाएं।

फटे होंठ

सर्दियों में हर कोई रूखे और फटे होंठों से परेशान रहता है। सबसे पहले तो अगर आपको अपने होंठ चबाने की आदत है तो इसे तुरंत छोड़ दें। होंठों का रूखापन दूर करने के लिए मॉइस्चराइजिंग तेल में चीनी के दानें मिलाएं और इसे होंठों पर लगाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2677

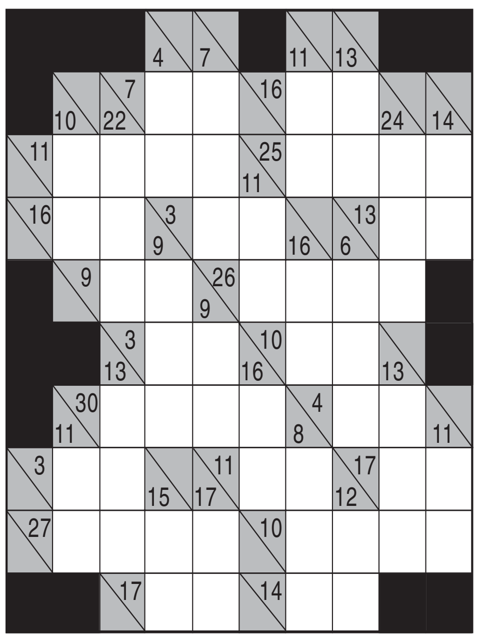

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

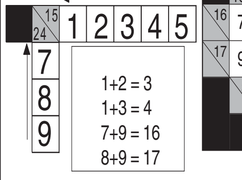

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2676 का हल

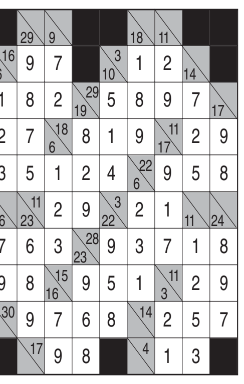

हंसी के फूव्वारें

पूजा में पण्डितजी ने बच्चों को लड्डू दिया और कहा-इसे हवन कुण्ड में डालो और कहो स्वाहा. बच्चों ने लड्डू मुंह में डाल लिया और कहा - आहा.

एक लड़का पार्क में साइकिल चला रहा था . उसकी मां बड़े गर्व से उसे देख रही थी. पहले चक्कर में मां के पास आने पर लड़के ने कहा, 'देखिये मम्मी, हाथों के बिना.' दूसरे चक्कर में बोला, 'देखिये मम्मी, पैरों के बिना.' तीसरे चक्कर में वह चिल्लाया, 'देखिये मम्मी, दांतों के बिना.'

एक खूबसूरत लड़की बस स्टॉप पर खड़ी था, एक नौजवान बोला-चांद तो रात को निकलता है, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बड़ी हाजिरजवाब थी. बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है ?

मास्टरजी: (व्याकरण पढ़ाते हुए) एक ऐसा वाक्य बताओ जिसमें वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यकाल तीनों आ जायें.
छात्र: सौ साल पहले मुझे तुमसे प्यार था, आज भी है, और कल भी रहेगा.

जज: (चोर से) तुम्हें बार-बार कचहरी में आते लज्जा नहीं आती ?
चोर: हुजूर मैं तो साल में एक बार ही आता हूँ मगर आप तो रोज ही आते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 2677

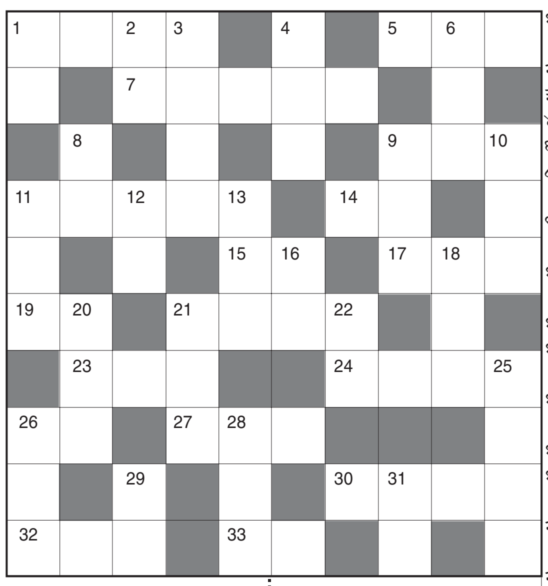

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2676

सूडोकु -2677

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 2676 का हल

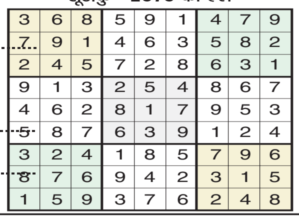

शब्द पहेली - 2677

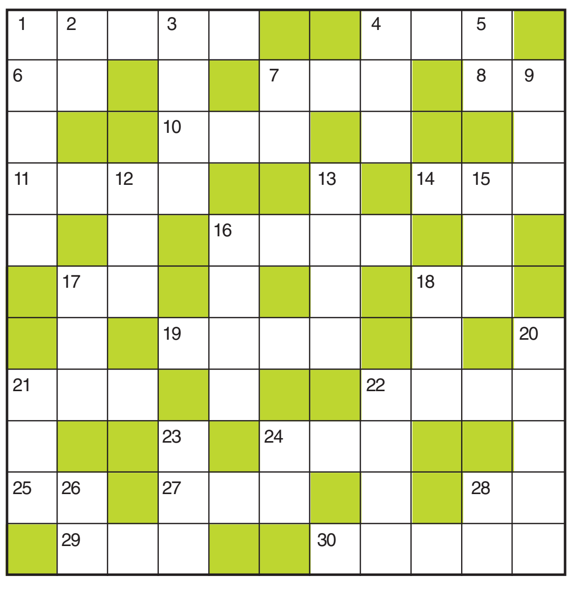

बाएँ से दाएँ

1.पदमाकर,कमल सरोवर-5
4.इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6.देवस्थान,मंदिर-2
7.शिव आवास-3
8.उत्तम,सज्जन-2
10.पति,शोहर-3
11.दमकना-4
14.टीस,पीड़ा-3
16.झरने की आवाज-4
17.आशा,इच्छा-2
18.संध्या,शाम-2
19.निराकार,भगवान-4
21.बुझाना,शांति-3
22.अभिप्राय-4
24.आंचल-3
25.घोड़ागाड़ी-2
27.उष्ण-3
28.पिता के पिता-2
29.पंक्ति-3
30.तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे

1.कथा कहने वाला-5
2.चित,जी-2
3.कार्यशाला,यंत्रालय-4
4.माहिर,दक्ष-3
5.आकाश,गगन-2
7.कारावास-2
9.योग्य-3
12.अनुमान,अंदाज-3
13.झगड़ा,कहासुनी-4
15.मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16.पक्षियों का शोर-4
17.राहत, विश्राम -3
18.मुसीबत, आफत -3
20.होशियार, चेतावनी-5
21.नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23.मगरमच्छ-3
24.दर,मूल्य-2
26.भूमि,धरती-2
28.पिता के पिता-2

शब्द पहेली -2676 का हल

स्वदेशी 'जोरावर' टैंक ने उच्च ऊंचाई पर गोले दागकर अपनी क्षमता साबित की

नई दिल्ली। भारतीय लाइट टैंक 'जोरावर' ने 4200 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर विभिन्न रेंजों में कई राउंड फायर करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उच्च ऊंचाई वाले स्थान पर यह परीक्षण पहले चरण में रेगिस्तानी वातावरण में लगातार सटीक परिणामों के बाद किया गया है।इसी के साथ वायु सेना ने दूरदराज के स्थानों में त्वरित तैनाती के लिए टैंक की एयर लिफ्टिंग क्षमता का प्रदर्शन भी किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लाइट टैंक के सफल उच्च ऊंचाई परीक्षणों पर डीआरडीओ, भारतीय सेना, भारतीय वायुसेना और लार्सन एंड टुब्रो को बधाई दी? है। चीन की सीमा पर पहाड़ी इलाकों के लिए उपयुक्त तेज़ बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों की तलाश पूरी हो गई है। चीन के साथ सैन्य टकराव के बीच पूर्वी लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश जैसे स्थानों पर उच्च ऊंचाई वाले युद्ध के लिए डिजाइन किए गए स्वदेशी जोरावर लाइट टैंक का पहला परीक्षण सितंबर में रेगिस्तानी इलाकों में किया गया था। फील्ड ट्रायल के दौरान रेगिस्तानी इलाकों में सफल परिणाम मिलने के बाद अब 4200 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर विभिन्न रेंज में गोले दागने के परीक्षण किये गए हैं। इस टैंक को 25 टन वर्ग के बख्तरबंद लड़ाकू वाहन के रूप में डिजाइन किया जा रहा है, ताकि उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

भारत को विश्व गुरु बनाना है तो हमें अपने संस्कृति एवं दर्शन की ओर लौटना होगा: परमार

भोपाल। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि भारत को यदि विश्व गुरु बनाना है तो, हमें अपने संस्कृति एवं दर्शन की ओर लौटना होगा। भारतीय परंपराओं के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दुनिया के सामने रखना होगा। भारत आज खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर है और हमें 2047 तक भारत को दुनिया का भरण पोषण करने का सामर्थ्य रखने वाला देश बनाना होगा। भारत अवश्य ही विश्व गुरु बनेगा। हमें अपनी देश की क्षेत्रीय भाषाओं को भी सीखने के लिए प्रयास करना चाहिए। मध्य प्रदेश शीघ्र ही ऐसे केंद्र विकसित करने जा रहा है, जिसमें भारत की विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं को सीखा जा सकेगा। उच्च शिक्षा मंत्री परमार गुरुवार शाम को भोपाल स्थित मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय में तीन दिवस से चल रही राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रोजगार कौशल विकास संबंधी कार्यशाला के माध्यम से देश के युवाओं की समस्याओं का समाधान करने की दिशा में ठोस कदम उठाया जाएगा। मंत्री परमार ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है और रोजगार संबंधी समस्याओं के लिए स्थायी समाधान खोजे जाने की आवश्यकता है। हमें अपने स्नातकों को नौकरी देने के साथ-साथ उनमें मानवीय मूल्यों के विकास के लिए भी प्रयास करना होगा। उन्होंने आजकल के युवाओं में गिरते मूल्यों के बारे में चिंता व्यक्त की।

झांसी में एनआईए की छापेमारी: मुफ्ती को छुड़ाने वालों की तलाश में पुलिस, 100 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

झांसी। एनआईए की टीम ने अलीगोल मोहल्ले से पूछताछ के लिए मुफ्ती खालिद को हिरासत में लिया था। लेकिन, वहां जमा हुई भीड़ ने मुफ्ती को छुड़ा लिया था। इस मामले में शहर कोतवाली में सौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस की दबिशें लगातार जारी हैं। मुफ्ती खालिद को पूछताछ के लिए ले जाते समय एनआईए अफसरों समेत पुलिसकर्मियों पर हमला करने के आरोपियों के घर पुलिस ने कई बार दबिश दी। अभी तक पुलिस के हाथ आरोपी नहीं आए हैं। पुलिस उनकी सुरागकशी में जुटी है। उधर, वीडियो के आधार पर पुलिस अन्य आरोपियों की शिनाख्त कर रही है। एनआईए का रास्ता रोकने वाली महिलाओं की भी शिनाख्त कराई जा रही है। कोतवाली पुलिस ने बृहस्पतिवार देर रात थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह की तहरीर पर छोटी मस्जिद इमाम अब्दुल हमीद, शाकिर उर्फ पप्पू बिरयानी पुत्र मुर्तजा, गोल्डी पुत्र इमामउद्दीन, परवेज पुत्र मूसा, जकरया पुत्र छोटे, गुफरान पुत्र निजाम सभी निवासी मुकरयाना समेत मोनिस, कामिल, तारिक, इकराम एवं शाबिर मकरानी के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी।

गगनयान को लेकर इसरो ने हासिल की एक और उपलब्धि, प्रक्षेपण स्थल पहुंचा पहला मोटर खंड

नई दिल्ली।भारत के पहले मानव मिशन गगनयान को लेकर इसरो ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इसरो ने कहा कि गगनयान के लिए जरूरी पहले ठोस मोटर खंड को उत्पादन संयंत्र से प्रक्षेपण परिसर में ले जाया गया। इससे पहले छह दिसंबर को इसरो ने भारतीय नौसेना के साथ गगनयान का 'वेल डेक' रिकवरी ट्रायल किया था। एक्स पर किए गए पोस्ट में इसरो ने कहा कि गगनयान कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि। पहले ठोस मोटर खंड उत्पादन संयंत्र से प्रक्षेपण परिसर में ले जाया गया है, जो एचएलवीएम3 जी1 उड़ान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत के मानव अंतरिक्ष यान के सपने आकार ले रहे हैं। गगनयान देश का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन है। भारत का लक्ष्य 2025 तक 400 किमी. ऊपर अंतरिक्ष यात्री भेजने का है। गगनयान मिशन तीन दिवसीय है। इसरो के अनुसार गगनयान परियोजना में तीन सदस्यों के एक दल को तीन दिन के मिशन के लिए 400 किमी. की कक्षा में लॉन्च करके और भारतीय समुद्री जल में उतरा जाएगा।

पीएम मोदी ने किया 5500 करोड़ की 167 परियोजनाओं का शुभारंभ

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5500 करोड़ की 167 परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इसमें यात्री सुविधाओं के लिए रेलवे स्टेशनों के अपग्रेडेशन और डेवलपमेंट के साथ-साथ आरओबी फ्लाईओवर, सड़कों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण की प्रमुख परियोजनाएं सम्मिलित रहीं। इसके अतिरिक्त, स्थायी घाटों, रिवर फ्रंट, सीवरेज, पेयजल सुविधाओं के साथ विद्युत आपूर्ति से जुड़ी परियोजनाओं का भी शुभारंभ हुआ। इन सभी परियोजनाओं के माध्यम से न सिर्फ श्रद्धालुओं को महाकुम्भ के दौरान सुविधा का लाभ प्राप्त होगा, बल्कि प्रयागवासी महाकुम्भ के बाद इन सभी सुविधाओं का उपयोग कर सकेंगे। यह परियोजनाएं प्रयागराज को प्रगति की नई दिशा दिखाएंगी।

इन विकास परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण

- 1610 करोड़ से यात्री सुविधाओं के लिए 9 रेलवे स्टेशनों का उन्नयन एवं विकास

- 1376 करोड़ से 61 सड़कों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण

- 1170 करोड़ से 10 आरओबी फ्लाईओवर

- 100 करोड़ से 4 नालों का अवरोधन, दिशा परिवर्तन एवं सुदृढ़ीकरण

- 304 करोड़ से 7 स्थायी घाटों एवं 8 नदी तट सड़कों का सुदृढ़ीकरण

- 215 करोड़ से 13 सीवरेज परियोजनाओं का उन्नयन, पेयजल सुविधाओं का विकास

- 203 करोड़ से 4 नए ट्रांसफॉर्मर, 2 सब स्टेशनों की स्थापना एवं विद्युत ढांचे का उन्नयन

अक्षयवट कॉरिडोर : अक्षयवट, जिन्हें पुराणों में तीर्थराज प्रयागराज का क्षत्र कहा गया है। मान्यता है कि अक्षयवट का क्षय प्रलयकाल में भी नहीं होता। इनके दर्शन से मोक्ष की प्राप्ति होती है। त्रेतायुग स्वयं प्रभु श्रीराम ने माता सीता और लक्ष्मणजी के साथ अक्षयवट के दर्शन किए थे। सरस्वती कूपः प्रयागराज की पुराणों में महिमा पुण्य पावन मां गंगा, यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के त्रिवेणी संगम का होना बताई जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार सरस्वती कूप वह पुण्य स्थान है, जहां आज भी मां सरस्वती के दुर्लभ दर्शन संभव हैं।

एचएएल की नासिक यूनिट में बनेंगे वायु सेना के लिए 12 सुखोई लड़ाकू विमान

एजेंसी

नई दिल्ली। वायु सेना के लिए 12 लड़ाकू सुखोई विमान खरीदे जाने का रास्ता साफ हो गया, क्योंकि रक्षा मंत्रालय ने इन विमानों की खरीद के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को बढ़ावा देते हुए विमानों और संबंधित उपकरणों की खरीद के लिए यह सौदा 13,500 करोड़ रुपये का है। इन विमानों में 62.6 फीसदी स्वदेशी सामग्री होगी और इनका निर्माण एचएएल के नासिक डिवीजन में किया जाएगा। इन विमानों की आपूर्ति से भारतीय वायु सेना की परिचालन क्षमता बढ़ेगी और देश की रक्षा तैयारियां मजबूत होंगी।रक्षा मंत्रालय के अनुसार भारतीय वायु सेना के लिए खरीदे जाने वाले यह 12 सुखोई-30 एमकेआई जेट उन विमानों की जगह लेंगे, जो पिछले कई वर्षों में दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। इनका निर्माण एचएएल के नासिक संयंत्र में लाइसेंस के आधार पर किया जाएगा और इसकी लागत लगभग 13,000 करोड़ रुपये होगी। सुखोई वायुसेना का अग्रिम पंक्ति का लड़ाकू विमान है। दरअसल, 2000 से 2019 के बीच 11 सुखोई-30 दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। वायुसेना के लड़ाकू बेड़े में इन विमानों की भरपाई करने के लिए 02 जुलाई, 2020 को रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने 12 सुखोई-30 एमकेआई विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी। विमान में आवश्यकता के अनुसार 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री शामिल होगी। यह विमान हवा से हवा मार करने वाली नई मिसाइलों के लिए बेहद कारगर माने जाते हैं।

पीएम मोदी और सीएम योगी के डिजिटल महाकुम्भ का संकल्प हुआ साकार

एजेंसी

महाकुम्भनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकुम्भ से ठीक एक माह पहले तीर्थराज आकर दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम का शंखनाद कर दिया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने डिजिटल महाकुम्भ के अपने संकल्प को भी साकार किया। पीएम मोदी ने के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में महाकुम्भ पहला ऐसा बड़ा आयोजन होने जा रहा है, जहां डिजिटलाइजेशन का व्यापक पैमाने पर उपयोग हो रहा है। खास तौर पर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं में डिजिटल को विशेष महत्व दिया जा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने 11 भाषाओं में श्रद्धालुओं की मदद करने वाले एआई चैटबॉट को लॉन्च किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के विरासत और विकास के विजन को यह कुम्भ सहायक साकार करेगा। इसके साथ ही देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी यह कारगर साबित होने जा रहा है। एआई जेनरेटिव चैटबॉट नेवीगेशन, पार्किंग व रुकने के स्थान समेत हर जानकारी बस कुछ पल में उपलब्ध करा देगा। श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य के लिहाज से देश में पहली बार महाकुम्भनगर में हाईटेक एआई

मैसेजिंग फ्लो सिस्टम का प्रयोग किया जा रहा है। इसके अलावा डॉक्टरों और मरीजों के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संवाद स्थापित करने में सहयोग करेगा। योगी सरकार की इस नई पहल से एआई मरीजों की इंटेंसिव केयर में भी मददगार साबित होगा। महाकुम्भनगर में बने अस्थाई अस्पतालों में आने वाले मरीजों के साथ डॉक्टर्स के संवाद में भाषा किसी प्रकार की बैरियर नहीं बनेगी। एआई 22 रीजनल व 19 इंटरनेशनल लैंग्वेज को समझकर डॉक्टर्स को मरीज की बात समझा सकेगा। जिससे महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत मिलने वाली है। प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल महाकुम्भ के विजन को सीएम योगी आदित्यनाथ ने साकार किया है। इस बार महाकुम्भ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिहाज से ऐसा साइबर थाना तैयार किया गया है, जो एआई, डार्क वेबसाइट और सोशल मीडिया स्कैमर्स से बचाने में सक्षम है।

केजरीवाल ने एक भी सीएजी रिपोर्ट विधानसभा में पेश नहीं की : विजेन्द्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने बातचीत की। इस दौरान उन्होंने आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने अपने कार्यकाल में एक भी सीएजी की रिपोर्ट विधानसभा में पेश नहीं की।

नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में एक भी कैग (सीएजी) की रिपोर्ट विधानसभा के पटल पर नहीं रखी। उन्होंने इसे हैरानी और चिंता का विषय बताया है।उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को सदन में बुलाया जाना चाहिए, चाहे आचार संहिता लागू हो या नहीं। विधानसभा की अवधि फरवरी तक है और यह स्थिति नहीं हो सकती कि सरकार सदन की कार्यवाही से बचने के लिए बहानेबाजी करती रहे। हम केजरीवाल की बहानेबाजी को अब चलने नहीं देंगे। उन्होंने आगे कहा कि जब भी विपक्ष ने विधानसभा में कैग की रिपोर्ट को पटल पर रखने की मांग की, तो उन्हें मार्शल आउट किया गया। विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि हमें

विधानसभा के अंदर सजा दी गई, हमें यह समझाया गया कि आखिर हम कैग की रिपोर्ट को क्यों उठाना चाहते हैं। हमें माइक बंद करके चुप कराया गया, यह बेहद हैरानी और दुख की बात है। आपको बताते चलें, दिल्ली विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता समेत भाजपा के 7 विधायकों ने 2017 से लेकर 2021 तक के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) रिपोर्ट को विधानसभा की पटल पर रखने की मांग को लेकर पूर्व में दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका भी दायर कर चुके हैं। भाजपा की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि ये सभी सीएजी रिपोर्ट दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के पास लंबित है। याचिका में दिल्ली सरकार को निर्देश देने की मांग की है कि वह सीएजी की रिपोर्ट्स को उप-राज्यपाल को भेजें, ताकि वह इन रिपोर्ट्स को दिल्ली विधानसभा के समक्ष प्रस्तुत कर सकें। याचिका दायर करने वालों में विजेंद्र गुप्ता के अलावा भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट, ओम प्रकाश शर्मा, अजय कुमार महावर, अभय वर्मा, अनिल बाजपेई और जितेंद्र महाजन शामिल हैं।

किसान सम्मेलन - पशुपालकों को सीएम भजनलाल शर्मा ने 200 करोड़ रूपए की सहायता राशि का किया सीधा हस्तान्तरण

एजेंसी

अजमेर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारा अन्नदाता किसान धरती माता का सच्चा सपूत है। जब किसान खुशहाल समृद्ध होगा तभी विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा। हमारी सरकार किसान-पशुपालक के कल्याण के लिए कृतसंकल्पित होकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के एक साल पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रदेश के किसानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए हमने आज किसान सम्मेलन आयोजित किया है। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि जब भी किसानों के हित की बात आएगी, राज्य सरकार सदैव आपके साथ खड़ी मिलेगी। मुख्यमंत्री शर्मा राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर 'निभाई जिम्मेदारी-हर घर खुशहाली' की थीम पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों के क्रम में अजमेर में आयोजित राज्यस्तरीय किसान

सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं खुद एक किसान परिवार में जन्मा हूं। मैंने हल चलाया है और खेती का सारा काम किया है। मैं किसानों के दर्द को भली भांति समझता हूं। इसीलिए हमारी सरकार ने 2027 तक किसानों को दिन में बिजली देने का लक्ष्य तय किया है।

प्रधानमंत्री के लिए किसानों का हित सबसे पहली प्राथमिकता

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए किसानों का हित सबसे पहली प्राथमिकता है। उनके मन में किसानों का भला करने की अद्भुत इच्छाशक्ति और संकल्प है। प्रधानमंत्री ने महान किसान नेता चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित किया है, जो ये दर्शाता है कि वे किसानों के प्रति कितना सम्मान रखते हैं। श्री शर्मा ने किसानों को किसान दिवस (23 दिसम्बर) की बधाई देते हुए पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी ने ही किसान दिवस मनाने की शुरुआत की थी।

ईआरसीपी-ताजेवाला से किसानों को मिलेगा पर्याप्त पानी

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान की पीड़ा और आकांक्षाओं को समझते हुए पिछले एक साल में राज्य सरकार ने किसान हित में अनेक फैसले लिए हैं। हमने ईआरसीपी परियोजना का एमओयू कर इस पर तेजी से काम शुरू कर दिया है। शेखावाटी क्षेत्र में भी पानी की कमी को पूरा करने के लिए ताजेवाला से यमुना का पानी लाने के लिए लंबे समय से लंबित एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

अपराध समीक्षा मीटिंग में पुलिस कमिश्नर ने कसे अफसरों के पेंच, निर्धारित किए दायित्व

एजेंसी

वाराणसी। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल की अध्यक्षता में पुलिस लाइन में मासिक अपराध

समीक्षा गोष्ठी आयोजित हुई। गोष्ठी के दौरान कोतवाली थाना इंस्पेक्टर राजीव सिंह को विशेश्वरगंज मंडी और थाना क्षेत्र में अतिक्रमण, कार्यों में शिथिलता, और दुर्व्यवहार की शिकायतों के चलते उनके पद से हटाकर प्रतीक्षारत किया गया। उनकी जगह दयाशंकर सिंह, जो वर्तमान में एएचटीयू के प्रभारी थे, को कोतवाली प्रभारी नियुक्त किया गया।थाना प्रभारियों के लिए 8 मुख्य प्राथमिकताएं तय की गईं, जिनमें यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाना, अतिक्रमण हटाना, जनता की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण, रात्रि गश्त, हेलमेट और तीन सवारी की चेकिंग, फुट पेट्रोलिंग, माफियाओं की संपत्ति जब्त करना और जांच प्रक्रियाओं को तेज करना शामिल हैं। पुलिस कमिश्नर ने गोष्ठी के पूर्व सैनिक सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें थानों और शाखाओं के कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। उनकी समस्याएं सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश दिए गए। इसके अलावा, प्रत्येक माह थाना स्तर पर सैनिक सम्मेलन आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए।

विदेशी नागरिकों को ठगने वाले कॉल सेंटर का हुआ पर्दाफाश, 9 महिलाओं समेत 76 गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा । नोएडा पुलिस ने विदेशी नागरिकों के साथ अमेजन पार्सल, टैक सपोर्ट और पे-डे लोन प्रक्रिया के नाम पर फर्जी मैसेज लिंक एवं कॉल के माध्यम से लाखों रुपये की ठगी करने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए 9 महिलाओं समेत 76 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

थाना सेक्टर-63 पुलिस और सीआरटी टीम नोएडा ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए इंस्टा सॉल्यूशन नाम से कॉल सेंटर संचालित कर विदेशी नागरिकों से ठगी करने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए उनके कब्जे से 58 लैपटॉप, 1 एप्पल मैक बुक, 45 लैपटॉप चार्जर, 2 राउटर, 45 हेडफोन, 24 मोबाइल फोन व अन्य सामान बरामद किए हैं। डीसीपी सेंट्रल शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना सेक्टर-63 पुलिस और सीआरटी टीम नोएडा ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए लोकल इंटेलीजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर इंस्टा सॉल्यूशन नाम से कॉल सेंटर संचालित कर विदेशी नागरिकों के

साथ धोखाधड़ी करने वाले कॉल सेंटर में छापेमारी कर 76 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया है कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया है कि ये लोग साथ मिलकर विदेशो में बैठे लोगों को अमेजन सपोर्ट, माइक्रोसॉफ्ट, टेक सपोर्ट एवं पे-डे के नाम पर ठगी करते हैं। इस कॉल सेंटर को कुरूनाल रे, सौरभ, सादिक, साजिद अली द्वारा मिलकर चलाया जा रहा था। ये लोग स्काइप एप्प के माध्यम से ग्राहकों का व्यक्तिगत डाटा खरीदते हैं, जिसका पेमेंट यूएसडीटी में यूएस के लोगों को करते हैं, जो डिजिटल करेंसी में होता है। उसके बाद यूएस में जिन लोगों के कम्प्यूटरों में सीएक्स भेजा जाता है तो उनके कंप्यूटर में खराबी आने के कारण उसकी स्क्रीन नीले रंग की हो जाती है इसके बाद स्क्रीन पर एक नंबर दिखाई देता है। जिस नंबर पर पीड़ित कॉल करता है वह कॉल इनके सिस्टम पर आती है, जिस पर ये लोग अपने आप को माइक्रोसॉफ्ट का अधिकारी बताकर उनकी समस्या का समाधान करने के लिए 99 डॉलर या इससे अधिक का पेमेंट मांगते हैं। पेमेंट के बाद पीड़ित को एक कमांड बताते है जिससे उसका कम्प्यूटर ठीक हो जाता है। इसी प्रक्रिया में ये लोग व्यक्ति को धोखा देकर पैसे लेने के लिए बात करते हैं इस गैंग के आरोपियों ने बताया है कि अमेजन प्रोसेस में ये स्काइप ऐप से डाटा लेते हैं। जिसमें यूएस के नागरिकों की जानकारी होती है और उसका किसी ना किसी साइट पर लोन का आवेदन होता है। जिसका फायदा उठाकर हमारे द्वारा हमारे फोन से उनके लोन के संबंध में एक मैसेज भेजा जाता है। मैसेज में नाम व मोबाइल नंबर आवश्यकतानुसार चेंज करते है। जिस व्यक्ति को लोन की जरूरत होती है वह या तो हमे यस का मैसेज भेजता है या हमारे द्वारा दिए गये नम्बर पर काल करता है। फिर हम उससे लोन कराने के लिए 100-500 डॉलर की मांग करते है। अगर उसके पास पैसा होता है तो हम उससे पैसा एप्पल ई-बे, वालमार्ट गिफ्ट कार्ड के माध्यम से प्राप्त कर लेते हैं। यदि उसके पास पैसा नही होता तो उसको ये फर्जी चेक भेजते हैं और वह व्यक्ति उस चेक का फोटो लेकर अपने अकाउंट में लगा देता है। यदि बैंक उसको पैसा पे करता है तो पेमेंट उसके अकाउंट में आ जाता है। जिस पैसे को हम गिफ्ट कार्ड के माध्यम से ले लेते हैं।

झारखंड में लौट जंगल राज रहा है : भाजपा

एजेंसी

रांची । झारखंड प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व सांसद डॉ. रवींद्र कुमार राय ने राज्य में विधि-व्यवस्था को लेकर हेमंत सोरेन सरकार पर बड़ा हमला बोला है। प्रदेश कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में हाल के दिनों में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, लातेहार, चतरा सहित अन्य जिलों में जिस तरह की वारदातें हुई हैं, उससे यही लगता है कि झारखंड जंगल राज की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि चाईबासा में पिछले पांच-छह दिनों में कई हत्याएं हुई हैं। ये घटनाएं लज्जाजनक हैं, तथाकथित उग्रवादियों ने निर्दोष ग्रामीणों की हत्या की। पुलिस ने इन मामलों में कार्रवाई नहीं की, तो नौजवान गांवों की सुरक्षा के लिए उठ खड़े हुए। वे अस्त्र उठाने को मजबूर हुए। मीडिया की खबरों के अनुसार, कई लोगों को मौत के घाट उतारा गया है। इसके पहले पूर्वी सिंहभूम में विधानसभा चुनाव के

रिजल्ट के ठीक पहले बालू घाट पर वर्चस्व को लेकर हिंसक वारदात में दो लोग मारे गए। लातेहार में रेलवे लाइन बिछाने वाली कंपनी की गाड़ियां जलाई गईं। रांची-चतरा जिले की सीमा पर हाईवा में आग लगाई गई। लातेहार में एक व्यक्ति की नृशंस हत्या हुई। ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं, जिन्हें देखकर लगता है कि बिहार में राजद के शासन काल में जैसा जंगल राज कायम हुआ था, वैसे ही हालात यहां बन रहे हैं। राज्य में ढाई दशक पहले की स्थितियों का उल्लेख करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि वर्ष 2000 में जब झारखंड अलग राज्य बना था, तब बिहार की राजद सरकार के 'जंगल राज' में पनपे नक्सलियों-उग्रवादियों ने झारखंड के इलाके में शरण ले रखी थी। उन्होंने राज्य के सांसद, विधायक, पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे सहित कई लोगों की हत्या जैसी वारदातें अंजाम दी थीं। खुलेआम लेवी वसूली होती थी। उद्योग कर्मियों, व्यवसायियों से मोटी रकम की वसूली एक सामान्य बात हो गई थी। लेकिन, केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार ने इस पर कड़ाई से निपटने के सार्थक प्रयास किए थे और उसके अच्छे परिणाम भी निकले।

'वन नेशन-वन इलेक्शन' भाजपा की जुगाड़ योजना : अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय कैबिनेट ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' से जुड़े विधेयक के प्रारूप को मंजूरी दे दी। अब इसे संसद में पेश किया जाएगा। इस विधेयक को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस विधेयक को 'भाजपा का जुगाड़' बताया।

विपक्षी पार्टियां इस विधेयक का विरोध कर रही हैं। वे इस बिल को सरकार का शिगूफा बता रही हैं। लोकसभा में संविधान के 75 साल पूरे होने के मौके पर जारी चर्चा के बीच अखिलेश यादव ने संसद

भवन परिसर में कहा, 'संविधान मजबूत हो। अगर संविधान मजबूत होगा, तो हमारा लोकतंत्र मजबूत होगा। 'वन नेशन-वन इलेक्शन' के बारे में उन्होंने कहा, 'वन नेशन-वन इलेक्शन' भारतीय जनता पार्टी की जुगाड़ योजना है। सपा के लोकसभा सांसद वीरेंद्र सिंह ने भी 'वन नेशन-वन इलेक्शन' को लेकर कहा, यह केवल शिगूफा है। सरकार को पहले विपक्ष को बताना चाहिए देश के संविधान के तहत प्रदेशों को जो अधिकार दिए गए हैं, उनका क्या होगा? सरकार इस पर स्थिति स्पष्ट किए बिना विधेयक को सदन से पास कराने का प्रयास करेगी, तो यह संभव नहीं है। संविधान पर चर्चा को लेकर उन्होंने कहा कि संविधान देश का गौरव है। सभी संविधान दिवस को बहुत उत्साह के साथ मनाएंगे। लेकिन साथ ही साथ सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाएंगे। जिन मूल्यों और सिद्धांतों को लेकर देश का संविधान बना था उसका उद्देश्य अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को उनका अधिकार देना था, उन अधिकारों का क्या हुआ और अब तक कितना न्याय मिल सका। हम संविधान में दिए अधिकारों का कितना पालन कर सके हैं, सरकार उसका जवाब दे।

शिक्षा मंत्री एवं संसदीय कार्य मंत्री ने किया लघु उद्योग भारती के कौशल विकास केंद्र का लोकार्पण, लघु उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था की मुख्य धुरी

एजेंसी

जोधपुर। लघु उद्योग भारती के नवनिर्मित कौशल विकास केंद्र का लोकार्पण शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर और संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री श्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य एवं लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाश चन्द के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ । शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री दिलावर ने कहा कि यह केंद्र युवाओं को कुशलता प्रदान कर उन्हें उद्योगों के लिए तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि कौशल विकास से स्थानीय स्तर पर रोजगार

के अवसर बढ़ेंगे, जिससे न केवल क्षेत्र का विकास होगा, बल्कि मजदूर भी अपने परिवार के साथ रह सकेंगे।

दिलावर ने लघु उद्योगों की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि ये 8 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराते हैं और देश के 45त्न निर्यात में योगदान देते हैं। लघु उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था की मुख्य धुरी है। उन्होंने कहा लघु उद्योग भारती न केवल आर्थिक विकास बल्कि सामाजिक सरोकारों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा प्रदेश सरकार ने घुमंतू,अर्द्ध-घुमंतू एवं विमुक्त परिवारों के लिए पहचान पत्र और पट्टे जारी कर उनके जीवन को स्थायित्व प्रदान किया गया। संसदीय कार्य मंत्री श्री पटेल ने कहा कि लघु उद्योगों को बढ़ावा देना डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

माथेरान हिल स्टेशन में सबकुछ मिलेगा, देख लिया तो चकित रह जाएंगे

हिल स्टेशन को मनोरम पहाड़ी इलाका कहते हैं। भारत में पहाड़ियों की विशालतम, लंबी, सुंदर और अद्भुत श्रृंखलाएं हैं। एक और जहां विध्यांचल, सतपुड़ा की पहाड़ियां है, तो दूसरी ओर आरावली की पहाड़ियां। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारत में एक से एक शानदार पहाड़ हैं, पहाड़ों की श्रृंखलाएं हैं और सुंदर एवं मनोरम घाटियां हैं। यहां पर घूमना बहुत ही यादगार और शानदार होता है। आओ इस बार जानते हैं भारत के टॉप हिल स्टेशनों में से एक माथेरान हिल स्टेश के बारे में रोचक जानकारी।

माथेरान हिल स्टेशन :

1. यह हिल स्टेशन महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में स्थित है।
2. इसे देश के सबसे छोटे हिल स्टेशन परंतु खूबसूरत हिल स्टेशन का दर्जा प्राप्त है।
3. यहां देखने के लिए कई व्यू प्वाइंट, झीलें और पार्क हैं जिनमें मंकी प्वाइंट, लिटिल चॉक, चॉक पॉइण्ट, इको प्वाइंट, मनोरमा प्वाइंट, सनराइज और सनसेट प्वाइंट प्रमुख हैं।
4. यहां झरने और बादलों को देखने का मजा ही कुछ और है। बादलों से घिरे पहाड़ और पहाड़ों से गिरते झरनों को देखकर आप चकित रह जाएंगे। इन अद्भुत नजारों का आनंद अपने आप में ही बहुत रोमांच भरा है।
5. यहां जितने ऊंचे पड़ा हमें चकित करते हैं उतनी ही नीची घाटियों को देखने से हमारा मन प्रसन्न हो जाता है। पेड़ों के घने आवरण से बीच में पहाड़ी के नीचे की घाटियां, तीव्र ढलानों, पठारों और मैदानों के कई विहंगम दृश्य हमें मोहित करते हैं।
6. माथेरान में चारों ओर छायादार घने पेड़ और हरियाली से लदी समतल पहाड़ियां भी हैं जहां सब तरफ लहरदार पैदल रास्ते मौजूद हैं। यहां पैदल घुमने का भी मजा ही कुछ और है।
7. माथेरान में मोटर वाहन के प्रवेश पर पूरी तरह पाबंदी है। वैसे यहां सवारी के लिए घोड़े, खच्चर, टट्टू, हाथ से खींचने वाले रिक्शे और पालकी उपलब्ध रहते हैं लेकिन आप चाहें तो पैदल घूम कर भी पूरे हिल स्टेशन का मजा ले सकते हैं।
8. माथेरान में एक खुबसूरत झील भी है। कच्ची-पक्की पगडंडियों के जरिए नीचे घाटी की तरफ जाने पर उस झील तक भी पहुंचा जा सकता है जहां से पूरे माथेरान में पानी की सप्लाई होती है।
9. यदि आप मुंबई से माथेरान जाने चाहते हैं तो मुंबई के करीब नेरूल जंक्शन से दो फुट चौड़ी नैरो गेज लाइन पर चलने वाली टॉय-ट्रेन सबसे बेहतर विकल्प हैं जो लगभग 22 किमी का सफर तय करके पर्यटकों को माथेरान बाजार के बीच स्थित रेलवे स्टेशन तक पहुंचाती है। हालांकि यह ट्रेन आराम से ही चलती है लेकिन जितनी भी देर का सफर हो उसका आदंन ही कुछ और है क्योंकि यात्रा में इतने तीखे और घुमावदार मोड़ हैं कि कई बार पुरी ट्रेन या अगला पिछला कोच एकदम पुरा दिखाई देता है। साथ ही रास्ते के प्राकृतिक नजारे भी बहुत रोमांचित करते हैं।
10. बारिश के महीनों को छोड़कर यहां कभी भी जाया जा सकता है। बारिश के मौसम में घने बादल होते हैं जिसके चलते दूर-दूर तक नजारे कम देखने को मिलते हैं साथ ही यहां कच्ची सड़क होने से फिसलने का खतरा भी बढ़ जाता है।
11. यहां रहने और खाने की कोई परेशानी नहीं है परंतु आप खाने और पीने की व्यवस्था खुद करके ले जाएंगे तो पैदल घुमते वक्त परेशानी नहीं होगी।

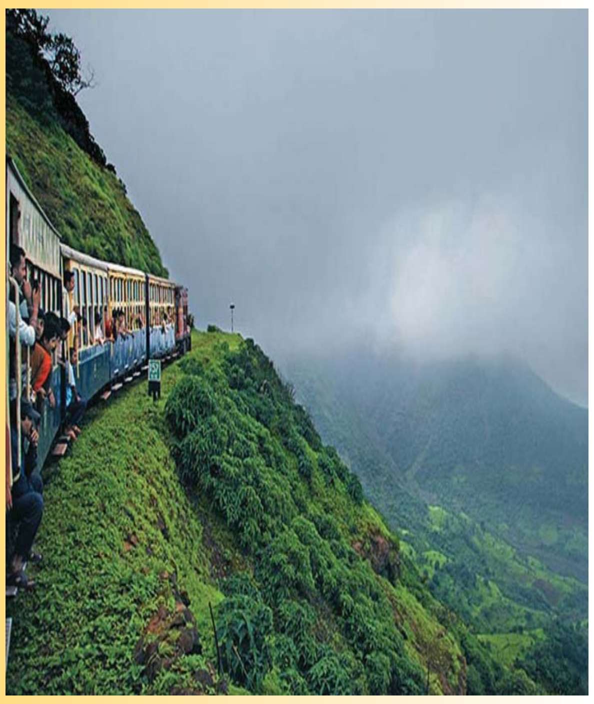

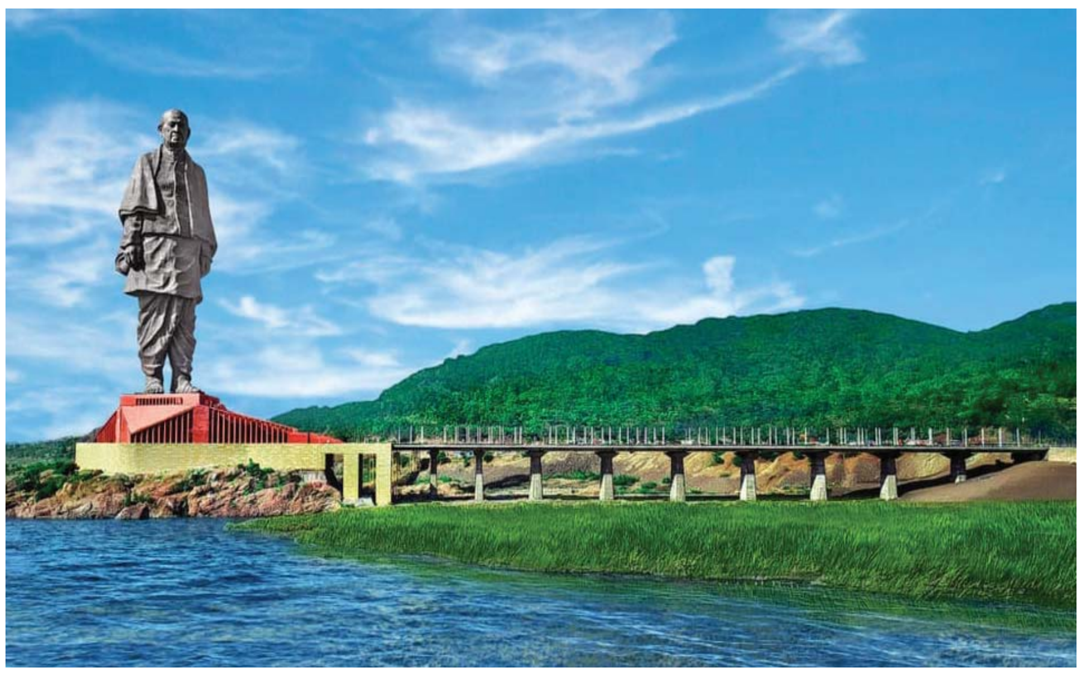

15 दिसंबर - सरदार वल्लभ भाई पटेल पुण्यतिथि पर जानिए कहां है उनकी विशाल प्रतिमा

स्टेचू ऑफ यूनिटी देश के पहले गृहमंत्री रहे सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा है। यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है तथा शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गेनाइजेशन द्वारा इसे 8 अजूबों की लिस्ट में शामिल किया है।

इस प्रतिमा की विशालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मात्र इसके चेहरे की ऊंचाई ही 7 मंजिली इमारत के बराबर है। इतना ही नहीं लौह पुरुष की प्रतिमा के 6 फीट के इंसान के कद से बड़े होंठ, आंखें और जैकेट के बटन हैं। इसके हाथ 70 फुट लंबे हैं, जबकि पैर के निचले हिस्से की ऊंचाई 85 फुट है। इस मूर्ति की ऊंचाई न्यूयॉर्क स्थित 'स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी' से भी करीब दोगुनी है।

गुजरात में केवड़िया कॉलोनी में नर्मदा नदी पर स्थित सरदार सरोवर बांध से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा, स्टेच्यू ऑफ यूनिटी स्थित है। इस विशाल प्रतिमा को बनाने की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2010 में की थी, जब वे गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यरत थे। और अक्टूबर 2013 में तब मुख्यमंत्री रहे मोदी ने इसकी आधारशिला रखी थी, इसे बनाने का काम एलएंडटी कंपनी को अक्टूबर 2014 को दिया गया था तथा इसके निर्माण की शुरुआत अप्रैल 2015 में हुई थी।

इस विशाल मूर्ति को बनाने में 90 हजार टन सीमेंट और लगभग 24,000 टन स्टील, 25,000 टन लोहा तथा 1,700 टन तांबा और इतना ही कांसा उपयोग किया गया है। इस प्रतिमा के आधार पर एक म्यूजियम और इसके अंदर 153 मीटर की ऊंचाई पर जहां इसका हृदयस्थल है, उसमें पहाड़ी क्षेत्र, नर्मदा नदी और निकटवर्ती सरदार सरोवर डैम का नजारा देखने के लिए एक दर्शक क्षेत्र भी बनाया गया है।

इतना ही नहीं इस विशालकाय प्रतिमा में 2 लिफ्ट भी लगी हुई हैं। इस मूर्ति को 7 किमी दूर से देखा जा सकता है। इस प्रतिमा में महत्वपूर्ण बात यह है इसकी ऊंचाई कि गुजरात की असेंबली सीट 182 के बराबर ही रखी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर, 2018 को इस प्रतिमा का अनावरण करके इसे राष्ट्र को समर्पित किया है। सरदार वल्?लभ भाई पटेल की इस प्रतिमा का कार्य मात्र 4 वर्षों में पूरा किया गया है तथा इसे बनाने की लागत 2,989 करोड़ रुपए आई है। सबसे कम समय में बनने वाली यह दुनिया की पहली प्रतिमा है।

बता दें कि इसे एक टूरिस्ट स्पॉट के रूप में घोषित किया जा चुका है। तथा यहां इस मूर्ति के अलावा एक ट्राइबल म्यूजियम, एक गार्डन और बोटिंग फैसिलिटीज की सुविधा भी है। तथा यहां पहुंचने के लिए पैदल रास्ता, फोर लेन हाईवे की सुविधा और इसके पास में ही 52 कमरों का भारत भवन 3 स्टार होटल है। यहां से लोग सरदार सरोवर बांध के अलावा नर्मदा के 17 किमी लंबे तट पर फैली फूलों की घाटी का नजारा देख सकेंगे।

इस प्रतिमा के अनावरण के साथ ही यह चीन के स्प्रिंगफील्ड बुद्धा की 153 मीटर ऊंची मूर्ति प्रतिमा को पीछे छोड़ते हुए आधिकारिक तौर पर दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति बन गई। यह भी माना जाता है कि अमेरिका के 133 साल पुराने 'स्टेचू ऑफ लिबर्टी' को देखने आने वाले पर्यटकों से ज्यादा अब 'स्टेचू ऑफ यूनिटी' को देखने आने वाले पर्यटकों की संख्या हो गई है। शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गेनाइजेशन द्वारा स्टेचू ऑफ यूनिटी को 8 अजूबों की लिस्ट में शामिल करना, निश्चित रूप से एक प्रेरणा के रूप में काम करेगा।

मध्यप्रदेश की 10 रोमांटिक जगह हनीमून के लिए हैं परफेक्ट डेस्टिनेशन

मध्यप्रदेश एक बहुत ही खूबसूरत प्रदेश है। यहां पर प्राकृतिक सुंदरता के साथ ही ऐतिहासिक धरोहरों को भी देखा जा सकता है। इसी के साथ यहां पर क्षिप्रा, नर्मदा के तट पर बस कई पौराणिक और प्राचीन तीर्थ स्थल भी मौजूद हैं। यदि आप हनीमून के लिए जाना चाहते हैं तो मध्य प्रदेश के इन 10 परफेक्ट डेस्टिनेशन पर जा सकते हैं।

1. पचमढ़ी: होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है जिसे मध्यप्रदेश का श्रीनगर और स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। रोमांटिक स्थलों में यह टॉप पर है। ऊंचे ऊंचे पहाड़, झील, झरने, गुफाएं, जंगल सभी कुछ हैं यहां पर। राजधानी भोपाल से यहां पहुंचना और रहना बहुत ही आसान और सस्ता है। पचमढ़ी के पास ही अमरकंटक वह स्थान है जहां से नर्मदा नदी का उद्गम हुआ है। हालांकि मानसून में घूमने यहां पर जा रहे हैं तो अपनी रिस्क पर ही जाएं क्योंकि यहां पर पहाड़ी पर ले जानी वाली जीप बंद हो जाती है। आप कुछ स्थानों की यात्रा बाइक से और कुछ की पैदल कर सकते हैं। पंचमढ़ी जा रहे हैं तो पास में ही अमरकंटक जरूर जाएं।
2. मांडू : यदि आप ऐतिहासिक स्थलों पर प्री-वेडिंग फोटोशूट करना चाहते हैं तो इंदौर के पास धार के आगे मांडव जाएं। यहां पर राजा महाराजों के महल, बावड़ी, तालाब आदि जगहों पर फोटो शूट कर सकते हैं। यहां पर प्राकृतिक सुंदरता भी भरपूर है। यह स्थान इंदौर से करीब 98 किलोमीटर दूर है।
3. इंदौर: इंदौर देश की सबसे स्वच्छ सिटी है। यहां पर लाल बाग पैलेस, राजबाड़ा, रालामंडल, तिंछाफाल, सिरपुर तालाब, बिलावली तालाब आदि जगहों पर फोटो शूट कर सकते हैं। इंदौर के आसपास गंगा महादेव मंदिर, पातालपानी, गुलावत, जामगेट, जानापावा, देवास टेकरी, चोरल नदी डेम, पूनासा डेम आदि जगहों पर जा सकते हैं।
4. खजुराहो : मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित विश्वप्रसिद्ध पर्यटन स्थल खजुराहो अपने मंदिरों के लिए प्रसिद्ध। खजुराहो शिल्प के अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय नृत्य समारोह के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। इन विश्व प्रसिद्ध मंदिरों का निर्माण चंदेल राजाओं ने सन् 950-1050 के बीच करवाया था। पहले इसका नाम 'खर्जुरवाहक' था। 1986 में यूनेस्को द्वारा इन मंदिरों को 'विश्व धरोहर स्थल' घोषित कर रखा है।
5. भेड़ाघाट: जबलपुर के पास भेड़ाघाट बहुत ही शानदार जगह है। दो सफेद पहाड़ों के बीच नर्मदा नदी बहती है। नर्मदा में नौका-विहार करने का रोमांच ही कुछ और है। यहां की खासियत है वॉटर फाल अर्थात जल प्रपात। बहुत ऊंचाई से गिरते धुंआ धुंआ से झरने को देखना आनंददायक होता है।
6. भोपाल : भोपाल में बहुत बड़ी झील है जिसे देखने के लिए लोग दूर दूर से आते हैं। बारिश में यह शहर बहुत ही खूबसूरत नजर आता है। इस शहर के पास ही भीम बैठका, अभयारण्य और भोजपुर को देखना न भूलें। यह जहगें बारिश के मौसम में और भी ज्यादा खूबसूरत हो जाती है।
7. देवास : यदि आप छोटे शहरों में रोमांटिक लम्हों का आनंद लेना चाहते हैं तो इंदौर के पास देवास बहुत ही सुंदर शहर है जहां पर माताजी की टेकरी के अलावा कई प्राकृतिक स्थलों को देखा जा सकता है। देवास के आसपास कई घने जंगल और पहाड़ियां हैं। आप इस जिले में नर्मदा तट पर बसे नेमावर भी जा सकते हैं।
8. ओरछा: अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल और रामराजा की नगरी ओरछा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में भारत से ही नहीं, बल्कि विदेशी सैलानी भी पहुंचते हैं। यहां पर ओरछा के राजाओं द्वारा बनाए गए भव्य मंदिर और स्मारकों को देखना अद्भुत है। बेतवा नदी के तट पर बसे ऐतिहासिक शहर ओरछा की स्थापना 16 वीं शताब्दी में बुंदेला राजपूत प्रमुख रुद्र प्रताप ने की थी।
9. बांधवगढ़ : यह स्थल मध्यप्रदेश के उमरिया जिले में स्थित है। यहां जंगल में घूमने का आनंद ही कुछ और है क्योंकि यहां बंगाल के टाइगर, सफेद बाघ, लंगूर, हिरण, हाथी, प्राइमेट और अनेक प्रकार के लुप्तप्राय पक्षियों के नजारे आपको देखने को मिलेंगे। यहां हनीमून कपल्स के लिए पार्क के अंदर रुकने के स्थान भी हैं।
10. अमरकंटक: भारत के पर्यटन स्थलों में अमरकंटक प्रसिद्ध तीर्थ और नयनाभिराम पर्यटन स्थल है। विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमालाओं के बीच 1065 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हरा-भरा होने के साथ-साथ काफी लुभावना भी है। भारत की प्रमुख सात नदियों में से अनुपम नर्मदा का उद्गम स्थल अमरकंटक है और यह मध्यप्रदेश के शहडोल जिले की पुष्पराजगढ़ तहसील के दक्षिण-पूर्वी भाग में स्थित अमरकंटक पवित्र स्थलों में गिना जाता है।

विंटर्स में स्कीइंग का लेना है आनंद तो इन हिल स्टेशनों पर जरूर जाएं

सर्दी के मौसम में बर्फबारी देखने का अपना अलग ही मजा है। आपको भी अगर बर्फबारी देखना और बर्फ में खेलना पसंद है तो आज हम आपको ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं जहां आपको चारों तरफ बर्फ ही बर्फ नजर आएगी। बर्फ से ढकी पहाड़ियां और पेड़-पौधे आपका मन मोह लेंगे। यहां आप स्नोमैन बनाना और स्केटिंग जैसी एक्टिविटीज़ भी कर सकते हैं।

औली: औली बेहद शांत और खूबसूरत हिल स्टेशन है यहां आप स्कीइंग का आनंद ले सकते हैं। यह सबसे फेमस स्कीइंग प्लेस है। यहां नंदा देवी, नर पर्वत, माना पर्वत, घोरी पर्वत, नीलकंठ, बीथरटोली और दुनागिरी जैसी बर्फ से ढकी पहाड़ियां आपको एक अलग ही दुनिया में ले जाती हैं। आप अपने साथ किसी अच्छे पेशेवर स्कीयर को ले जा सकते है। आप नवम्बर से मार्च तक औली जा सकते हैं।

तवांग: तवांग में आपको पर्यटकों की कम भीड़ देखने को मिलेगी। यहां आपको चारो और बर्फ की वादियां दिखाई देंगी। तवांग बेहद खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, हरे-भरे जंगलों और खूबसूरत झीलों के लिए भी जाना तवांग में स्कीइंग का मजा लेने के लिए सबसे अच्छी जगह पंगा टेंग त्सो झील या पीटी झील है। तवांग जाने का सबसे अच्छा समय दिसंबर से फरवरी है।

मनाली: एक बहुत ही खूबसूरत हिल स्टेशन है यह हिमांचल प्रदेश में है यहां आपको टूरिस्ट की भीड़ मिलेगी। इसलिए होटल की बुकिंग पहले से ही करा लें। मनाली में आमतौर पर नवम्बर के शुरुआत में ही बर्फबारी होने लगती हैं यहां आप ट्रेकिंग, स्कीइंग और कई तरह की एक्टिविटीज इंजॉय कर सकते है।

शिमला: शिमला आप दिसम्बर से जनवरी तक जा सकते हैंक्योंकि इस समय यहां अच्छी बर्फबारी देखने को मिलेगी। यहां आस-पास कुफरी, मनाली, डलहौजी जैसी जगहें हैं जहां आप जा सकते है।

मुनस्यारी: मुनस्यारी अपनी बर्फबारी के लिए प्रसिद्ध है फेमस स्कीइंग प्लेस है यह जौहर घाटी केपास है। मुनस्यारी नाम का शाब्दिक अर्थ है 'बर्फ से ढकी जगह'। मुनस्यारी को एक ऐसी जलवायु और इसके प्राकृतिक नज़ारे इसको पर्वतारोहियों, का पसंदीदा स्थान है यहां के ग्लेशियर के प्रति उत्साही और उच्च ऊंचाई वाले ट्रेकर्स के लिए एक अड्डा है। बर्फ से ढकी ढलानें आपके स्कीइंग कौशल को परखने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है।

गुलमर्ग: गुलमर्ग में आपको चारो तरफ बर्फ नजर आएगी यह देश का सबसे पॉपुलर स्कीइंग प्लेस है। गुलमर्ग सर्दियों में बर्फ से लदी वादियां है और कागज से सफेद बर्फ से ढके पहाड़ो के बीच खेल का आनंद लेने के लिए बेस्ट प्लेस है। आप गुलमर्ग में दो जगहों से स्कीइंग शुरू कर सकते हैं कोंगडोरी और अपर्वाहट पीक। आप या तो कोंगडोरी की 450 मीटर की ढलान पर स्कीइंग कर सकते

हेजलवुड हुए फिट, गाबा टेस्ट में खेलेंगे: कमिंस

एजेंसी

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड फिट है और गाबा में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे। वह बोलैंड की जगह लेंगे। कमिंस ने कहा, हेजलवुड को अब कोई समस्या नहीं है और कल उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की। दो दिन पहले एडिलेड में भी उन्होंने पूरा अभ्यास किया था। हमारे चिकित्सक दल की ओर से भी हरी झंडी मिल चुकी है। उन्होंने कहा, बोलैंड को बाहर किया जाना कठिन था, वह एडिलेड में बेहतरीन थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्हें पिछले 18 महीनों में बेंच पर अधिक समय बिताने पड़े हैं। हालांकि जब भी वह खेले हैं, बेहतरीन रहे हैं। मुझे अभी भी लगता है कि उन्हें सीरीज के दौरान और भी अवसर मिलेंगे। हमने उनको कहा है कि वह मेलबर्न के लिए तैयारी करें क्योंकि उन्हें वहां खेलने का अच्छा अवसर है।

कमिंस ने कहा कि गाबा टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में एक बदलाव के साथ एकादश इस प्रकार हैः- पैट कमिंस (कप्तान), ऐलेक्स कैरी (विकेटकीपर), जॉश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नेथन लायन, मिचेल मार्श, नेथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क।

गेल की बराबरी पर टिम साउथी, विदाई मैच में 100 छक्कों से सिर्फ 2 कदम दूर

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के बल्लेबाज टिम साउदी ने खेल के सबसे लंबे प्रारूप में वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल (98 छक्के) का रिकॉर्ड बराबर कर लिया है। दो छक्के लगाकर वह 100 अंक का आंकड़ा छू लेंगे। यह उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर का विदाई मैच है। उम्मीद है दूसरी पारी में वह दो और छक्के लगाकर छक्कों का शतक पूरा कर लेंगे। बहरहाल, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच के पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए 36 वर्षीय साउदी ने केवल 10 गेंदों पर 23 रनों की तेज पारी खेली, जिसमें उन्होंने तीन छक्के भी लगाए।

टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

बेन स्टोक्स (133)
ब्रेंडन मैकुलम (107),
एडम गिलक्रिस्ट (100)
क्रिस गेल (98)
टिम साउदी (98)

5 नीलामी : कब और कहां होगी, तारीख-समय कर लें नोट, यहां होगा सीधा प्रसारण

नई दिल्ली। डब्ल्यूपीएल 2025 नीलामी रविवार को बेंगलुरु में आयोजित होने वाली है, जिसमें 120 खिलाड़ियों की बोली लगेगी। पांच फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों के लिए बोली लगाएंगी। नीलामी पूल में 91 भारतीय तो 29 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें एसोसिएट देशों की 3 उभरती प्रतिभाएं शामिल हैं। इनमें से 30 खिलाड़ी कैप्ड (9 भारतीय, 21 विदेशी) हैं, जबकि 90 अनकैप्ड (82 भारतीय, 8 विदेशी) हैं। अधिकांश फ्रेंचाइजी ने अपने मुख्य दल को बरकरार रखा है, केवल 19 स्लॉट खुले हैं, जिनमें 5 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं। इस साल की नीलामी में मार्की खिलाड़ियों में तेजल हसब्निस, स्नेह राणा, डींड्रा डॉटिन (वेस्टइंडीज), हीथर नाइट (इंग्लैंड), ओर्ला प्रेंडरगैस्ट (आयरलैंड), लॉरेन बेल (इंग्लैंड), किम गर्थ (ऑस्ट्रेलिया) और डेनिएल गिब्सन (इंग्लैंड) शामिल हैं।

रीजा हेंड्रिक्स ने बनाया टी20 का पहला शतक, डी कॉक का रिकॉर्ड टूट गया

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज रीजा हेंड्रिक्स ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 में अपने टी20 करियर का पहला शतक बनाया। उन्होंने 63 गेंदों पर 10 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 117 रन बनाए। वह अब दक्षिण अफ्रीका के लिए टी20 इंटरनेशनल में 18 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बना चुके हैं। उन्होंने इस तरह हमवतन क्विंटन डीकॉक का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिन्होंने 17 बार यह कारनामा कर दिखाया था।

टी20आई में साउथ अफ्रीका के लिए सर्वाधिक 50+ स्कोर

18 - रीजा हेंड्रिक्स , 17 - क्विंटन डी कॉक, 11 - जीन पॉल डुमिनी, 11 - फाफ डु प्लेसिस

साउथ अफ्रीका के लिए टी20 में हाइएस्ट स्कोर

119 - फाफ डू प्लेसिस बनाम वेस्टइंडीज (2015)
117* - रिचर्ड लेवी बनाम न्यूजीलैंड (2012)
117 - रीजा हेंड्रिक्स बनाम पाकिस्तान (2024)

अपनी शतकीय पारी के लिए प्लेयर आफ द मैच बने रीजा हेंड्रिक्स ने कहा कि तीन अंकों तक पहुंच कर काफी खुश हूं। मुझे इस मुकाम तक पहुंचने के लिए काफी समय लग गया।

पल्टन की घर में पहली जीत, बेंगलुरू बुल्स को 38 अंक से हराकर प्लेआफ की उम्मीदों को जिंदा रखा

एजेंसी

पुणे। अपने घर में पहली और बेहद प्रभावशाली जीत के साथ पुनेरी पल्टन ने प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के प्लेआफ में जाने की उम्मीदों को जिंदा रखा है। पल्टन ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए सीजन के 110वें मैच में बेंगलुरू बुल्स को 56-18 के अंतर से हराया। पल्टन 19 मैचों में आठवीं जीत के साथ अंक तालिका में एक स्थान की छलांग के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गए हैं। पल्टन और जयपुर के बराबर अंक हैं लेकिन स्कोर डिफरेंस में पल्टन बेहतर हैं। पल्टन की जीत में आकाश, आर्यवर्धन और मोहित ने 8-8 अंक लिए जबकि गौरव और अमन ने हाई-5 लगाया। बुल्स को 19 मैचों में 16वीं हार मिली। इस अहम मैच में पल्टन ने अच्छी शुरुआत करते हुए 4-1 की लीड बनाकर बुल्स के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। फिर मोहित ने नितिन का शिकार कर बुल्स को आलआउट की ओर धकेल दिया। अगली रेड पर हालांकि प्रतीक ने मोहित को सुपर टैकल कर स्कोर 4-5 कर दिया। आकाश ने बुल्स को फिर आलआउट की ओर धकेला।

परदीप को लपक पल्टन ने आलआउट लेकर 10-6 की लीड ले ली। आलइन के बाद भी पल्टन ने दो अंक लेकर फासला दोगुना कर लिया। 10 मिनट के बाद पल्टन 12-6 से आगे थे। ब्रेक के बाद तीन मिनट के खेल में पल्टन ने एक के मुकाबले पांच अंक लेकर स्कोर 17-7 कर दिया और फिर दूसरा आलआउट लेकर 20-7 की लीड ले ली। पल्टन यही नहीं रुके और अपने खाते में

6 अंक जोड़ते हुए 26-7 के स्कोर के साथ पाला बदला। बुल्स एक बार फिर आलआउट की कगार पर थे। हाफटाइम के बाद पल्टन ने तीसरा आलआउट लेते हुए 30-8 की लीड ले ली। आलइन के बाद बुल्स ने थोक में बदलाव किए लेकिन कोई फायदा होता नहीं दिखा। इसी बीच गौरव ने हाई-5 पूरा किया। अब तक के खेल में पल्टन ने रेड में पांच के मुकाबले 14 और डिफेंस में तीन के मुकाबले 11 अंक लेकर वर्चस्व कायम किया। इस बीच मोहित की रेड पर दोनो टीमों को 2-2 अंक मिले। स्कोर 36-11 हो गया था। इस बीच पल्टन ने बुल्स को एक बार फिर सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। साथ ही अमन ने हाई-5 पूरा किया। फिर मोहित ने दो अंक के साथ चौथा आलआउट लेकर पल्टन को 43-12 से आगे कर दिया। अब तक पल्टन ने 16 के मुकाबले सिर्फ 1 फेल्ड टैकल किया।

इसी बीच परदीप ने सुपर रेड के साथ थोड़ी उत्सुकता जगाई लेकिन इससे बेखबर पल्टन ने जल्द ही 50 अंक के आंकड़े को छू लिया। स्कोर 50-16 था। पल्टन ने इसके बाद भी बुल्स पर दया नहीं दिखाई। अंतिम मिनट में आर्यवर्धन ने पांच अंक की रेड के साथ बुल्स के डिफेंस को नेस्तनाबूत कर दिया। और इस तरह पल्टन ने घर में पहली और अब तक की सबसे बड़ी जीत के साथ अपने फैंस को खुश होने का मौका दिया। बुल्स के लिए परदीप के सुपर रेड के अलावा कोई बड़ा मौका नहीं आया।

बड़ौदा को छह विकेट से हराकर मुम्बई सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में

एजेंसी

बेंगलुरु। अजिंक्य रहाणे (98) और कप्तान श्रेयस अय्यर (46) की तूफानी पारियों की बदौलत मुंबई ने हुये पहले सेमीफाइनल मुकाबले में बड़ौदा को छह विकेट से हराकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली।बड़ौदा के 158 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई का पहला विकेट पृथ्वी शॉ (आठ) के रूप में गिरा। शॉ को हार्दिक पंड्या ने आउट किया। उस समय मुंबई का स्कोर मात्र 30 रन था। जीत की ओर बढ़ रही मुम्बई को 13वें ओवर में अतीत शेठ ने कप्तान श्रेयस अय्यर को आउट कर बड़ौदा को दूसरी सफलता दिलाई। श्रेयस अय्यर ने 30 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए (46) रनों की पारी खेली। अजिंक्य रहाणे ने 56 गेंदों में 11 चौके और पांच छक्कों की मदद से (98) रनों की पारी खेली। रहाणे को अभिमन्?यु विक्रमसिंह राजपूत ने 17वें ओवर में आउट किया। सूर्यकुमार यादव एक रन बनाकर आउट हुये। मुम्बई ने 17.2 ओवर में चार विकेट पर 164 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। सूर्यांश शेगड़े ने 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर छक्का लगाकर मुंबई को जीत दिलाई। बड़ौदा की ओर से हार्दिक पंड्या,अतीत शेठ,अभिमन्?यु विक्रमसिंह राजपूत और शाश्वत रावत ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां मुंबई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बड़ौदा के लिए शाश्वत रावत और अभिमन्?यु विक्रमसिंह राजपूत की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये अभी 23 रन ही जोड़े थे कि तीसरे ओवर में मोहित अवस्थी ने अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत (नौ) को आउट कर मुम्बई को पहली सफलता दिलाई। बड़ौदा का अगला विकेट कप्तान क्रुणाल पंड्या (30) के रूप में गिरा। भानु पनिया (दो), हार्दिक पंड्या (पांच), विष्णु सोलंकी(छह) और अतीत शेठ 14 गेंदों में (22) रन बनाकर आउट हुये। शिवालिक शर्मा ने 24 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 36) रनों की पारी खेली।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने घोषित की अपनी प्लेइंग इलेवन, वोक्स की जगह मैथ्यू पॉट्स टीम में शामिल

एजेंसी

हैमिल्टन। इंग्लैंड ने सेडॉन पार्क में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए अपनी अंतिम एकादश घोषित कर दी है। टीम में क्रिस वोक्स की जगह दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को शामिल किया है।

कप्तान बेन स्टोक्स ने संवाददाताओं से कहा कि इंग्लैंड हैमिल्टन में तीसरी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप प्रतियोगिता के लिए अपने लाइन-अप में एक बदलाव किया गया है, जिसमें तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को साथी तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की जगह वापस बुलाया गया है। इसका मतलब है कि ओली पोप कीपर की भूमिका में बने रहेंगे। इंग्लैंड ने क्राइस्टचर्च और वेलिंगटन में शुरुआती दो मैच जीत लिया है और अब उनका प्रयास क्लीन स्वीप करने का है। वहीं न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने अपनी एकादश का खुलासा नहीं किया है, कप्तान ने सुझाव दिया कि वह यह घोषणा करने से पहले शनिवार की सुबह तक इंतजार करेंगे, जिससे

यह अभी अधर में है कि अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउथी को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले अंतिम टेस्ट खेलने का मौका मिलेगा या नहीं। साउथी तीन तेज गेंदबाजी स्थानों के लिए अपने साथी तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के, नाथन स्मिथ और मैट हेनरी के साथ प्रतिस्पर्धा में हैं, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर के पास श्रृंखला में अपनी पहली उपस्थिति के लिए लाइन-अप में लौटने का मौका है।

इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवनः जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, ओली पोप, बेन स्टोक्स (कप्तान), गस एटकिंसन, मैथ्यू पॉट्स, ब्रायडन कार्स, शोएब बशीर।

न्यूजीलैंड की संभावित एकादशः टॉम लैथम (कप्तान), विल यंग, केन विलियमसन, रचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल, टॉम ब्लंडेल, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, नाथन स्मिथ, मैट हेनरी, टिम साउथी, विल ओ'रूर्के।

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम घोषित, शाई होप, शेरफेन रदरफोर्ड बाहर

एजेंसी

किंग्सटाउन। वेस्टइंडीज ने घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। विकेटकीपर-बल्लेबाज शाई होप और बाएं हाथ के बल्लेबाज शेरफेन रदरफोर्ड को टीम से बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग में खेलने के कारण इस जोड़ी को बाहर कर दिया गया, रोवमैन पॉवेल एक बार फिर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में वेस्टइंडीज का नेतृत्व करेंगे। फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज कीसी कार्टी ने सेंट किट्स में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे में 95 रन बनाकर पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय कॉल-अप हासिल किया, जबकि अनुभवी बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स भी चोट के कारण हाल ही में सीरीज गंवाने के बाद वापस लौटे हैं। वेस्टइंडीज के कोच डेरेन सैमी ने कहा कि टीम को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के 2026 संस्करण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।उन्होंने कहा, कार्टी ने हमें दिखाया है कि वह उस प्रारूप में एक बल्लेबाज हो सकता है, और बांग्लादेश के खिलाफ खेलते हुए, एक ऐसी टीम जिसे हम हल्के में नहीं ले सकते, हमें डेक पर

सभी की जरूरत है। हमारे पास उपलब्ध खिलाड़ियों के साथ टीम का सावधानीपूर्वक चयन किया गया था, और मुझे विश्वास है चैंपियनशिप जीतने के लिए आवश्यक अनुभव के साथ यह हमारी सबसे व्यवस्थित टीम है वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच तीनों मैच सेंट विंसेंट में होंगे, पहला मुकाबला 15 दिसंबर से शुरू होगा। दूसरा मैच ,17 और तीसरा 19 दिसंबर को खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज की टीम इस प्रकार है:रोवमैन पॉवेल (कप्तान), ब्रैंडन किंग (उप-कप्तान), कीसी कार्टी, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज़, जस्टिन ग्रीव्स, टेरेंस हिंड्स, अकील होसेन (केवल पहले दो मैच), जेडन सील्स (केवल तीसरा मैच), अल्ज़ारी जोसेफ , एविन लुईस, ओबेद मैककॉय, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, रोमारियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर।

अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को 50 रनों से दी शिकस्त

एजेंसी

हरारे । डरविश रसूली (58) रन की अर्धशतकीय पारी के बाद नवीन उल हक और राशिद खान (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर अफगानिस्तान ने दूसरे टी-20 मुकबाले में जिम्बाब्वे को 50 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में एक-एक से बराबरी कर ली हैं।अफगानिस्तान के 153 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की पूरी टीम 17.4 ओवर में 103 रन पर ढ़ेर हो गई। नवीन उल हक और राशिद खान के गेंदबाजी आक्रमण के आगे जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। कप्तान सिकंदर रजा ने टीम के लिए सर्वाधिक (35) रनों की पारी खेली। ब्रायन बेनेट (27) और ताशिंगा मुसेकीवा (13) रन बनाकर आउट हुये। जिम्बाब्वे के आठ बल्लेबाज दहाई अंक तक भी नहीं पहुंच सके।

अफगानिस्तान की ओर से नवीन उल हक और राशिद खान ने तीन-तीन विकेट लिये। मुजीब उर रहमान को दो, अजमतउल्लाह ओमरजई और फरीद अहमद को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 33 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। रहमानउल्लाह गुरबाज (11), जुबैद अकबरी (एक) और सेदिक़ुल्लाह अटल (18) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद डरविश रसूली और अजमतउल्लाह ओमरजई ने पारी संभालने का प्रयास किया। अजमतउल्लाह ओमरजई (28), मोहम्मद नबी (चार) और डरविश रसूली (58) रन बनाकर आउट हुये। गुलबदीन नईब (26) और राशिद खान (तीन) रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 153 रन का स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे की ओर से ट्रेवर ग्वांडू और रायन बर्ल ने दो-दो विकेट लिये। ब्लेसिंग मुजरबानी को एक विकेट मिला।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2024 से बाहर हुई ट्रीसा जॉली, गायत्री गोपीचंद की भारतीय युगल जोड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद हांग्जो में अपने ग्रुप ए मुकाबले में जापानी जोड़ी नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा के खिलाफ सीधे गेम में हारकर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2024 से बाहर हो गई।

भारतीय जोड़ी करो या मरो वाले मैच में 17-21, 13-21 से हार गई, जहां एक जीत उन्हें टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह दिला सकती थी। ट्रीसा और गायत्री, (सीज़न के अंतिम टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले एकमात्र भारतीय) को ग्रुप के अपने शुरुआती मैच में विश्व नंबर 1 लियू शेंग शू और चीन के टैन निंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने अपने दूसरे मैच में मलेशियाई जोड़ी पर्ली टैन और थिना मुरलीधरन के खिलाफ जीत के साथ वापसी की

और अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा। हालाँकि, हालिया हार के बाद, वे तीन मैचों में केवल एक अंक के साथ अपने समूह में तीसरे स्थान पर रहे। चीनी और जापानी जोड़ी समूह में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहते हुए अगले चरण में आगे बढ़ी।

भारत ने वेस्टइंडीज के साथ टी-20 श्रृंखला और वनडे के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषित

एजेंसी

मुंबई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसी) की महिला चयन समिति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टी-20 और एकदिवसीय घरेलू सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी हैं।हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय महिला टीम में नंदिनी कश्यप, सजना सजीवन और राघवी बिष्ट को शामिल किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली अरुंधति रेड्डी को एकदिवसीय और टी-20 टीमों में जगह नहीं मिली। स्मृति मंधाना टीम की उप कप्तान होगी। तीनों टी-20 मैच नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले जाएंगे।

इसके बाद 22 दिसंबर से वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी खेली जाएगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर रहने वाली शेफाली वर्मा भी टीम से बाहर हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टी20 मैचों की

सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है.- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), नंदिनी कश्यप, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, सजना सजीवन, राघवी बिस्ट, रेणुका सिंह ठाकुर, प्रिया मिश्रा, तितास साधु, साइमा ठाकोर, मिन्नू मणि और राधा यादव। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीमः- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देयोल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, तितास साधु, साइमा ठाकोर और रेणुका सिंह ठाकुर।

तमिलनाडु सरकार युवा विश्व चैंपियन गुकेश को देगी पांच करोड़ रूपये का पुरस्कार

एजेंसी

चेन्नई ।तमिलनाडु सरकार ने सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश को पांच करोड़ रूपये की पुरस्कार राशि देने की घोषणा की।मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने आज तमिलनाडु को गौरवान्वित करने वाले गुकेश को उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के अनुरोध पर पांच करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार श्री स्टालिन ने विश्व चैंपियन बनने के तुरंत बाद गुकेश से फोन पर बात कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।उल्लेखनीय है कि सिंगापुर में हुई विश्व चैंपियनशिप के 4वें और अंतिम दौर में गुरुवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को 7.5 - 6.5 से हराकर विश्व चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया था।

दिल्ली को सात विकेट से हराकर मध्यप्रदेश एसएमएटी के फाइनल में

एजेंसी

बेंगलुरु। कप्तान रजत पाटीदार (नाबाद 66) की अर्धशतकीय और हरप्रीत सिंह (नाबाद 46) की आतिशी पारियों के दम पर मध्यप्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में दिल्ली को सात विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली हैं। फाइनल में मध्यप्रदेश का मुकाबला मुम्बई से होगा।दिल्ली के 146 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मध्यप्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र 20 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। अर्पित गौड़ (शून्य), शुभ्रांशु सेनापति (सात) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद हरप्रीत सिंह ने हर्ष गवली के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में हिमांशु चौहान ने हर्ष गवली (30) को आउट कर मध्यप्रदेश को तीसरा झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान रजत पाटीदार ने हरप्रीत सिंह के साथ तूफानी अंदाज में रन बटोरते हुए अटूट साझेदारी कर अपनी टीम को जीत दिलाई। कप्तान रजत

पाटीदार 28 गेंदों में चार चौके और छह छक्के उड़ाते हुए (नाबाद 66) रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं हरप्रीत सिंह ने 38 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 46) रन बनाये। मध्यप्रदेश ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 152 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। दिल्ली की ओर से इशांत शर्मा ने दो और हिमांशु चौहान ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां मध्यप्रदेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली के लिए प्रियांश आर्य और यश ढुल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 38 रन जोड़े। छठे ओवर में त्रिपुरेश सिंह ने यश ढुल (11) को आउट कर दिल्ली को पहला झटका दिया। इसके बाद नौवें ओवर में कुमार कार्तिकेयन ने प्रियांश आर्य (29) को आउट कर मध्यप्रदेश को दूसरी सफलता दिलाई। कप्तान आयुष बदोनी (19), हिम्मत सिंह (15) और मयंक राव (24) रन बनाकर आउट हुये। अनुज रावत ने 24 गेंदों में (नाबाद 33) रन बनाये। हर्ष त्यागी नौ रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 146 रनों का स्कोर खड़ा किया।

देवांक, अयान और शुभव की बदौलत तमिल थलाइवाज को दूसरे स्थान पर पहुंचे पटना पाइरेट्स

एजेंसी

पुणे। अयान (13), देवांक (12), और डिफेंडर शुभम शिंदे (5) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत पटना पाइरेट्स् ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 109वें मैच में तमिल थलाइवाज को 42-38 के अंतर से हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। पटना ने 18 मैचों में 11वीं जीत हासिल की जबकि मोइन शफागी (11) और सचिन (8) के सराहनीय प्रदर्शन के बावजूद थलाइवाज को 18 मैचों में 11वीं हार को मजबूर हुई। इसी के साथ प्लेआफ में जाने की थलाइवाज की उम्मीदों को झटका लगा है। जिस वक्त पटना आलआउट की कगार पर थे, अयान को बोनस देना थलाइवाज को भारी पड़ गया। बहरहाल, तीन बार के चैंपियन पटना ने अच्छी शुरुआत के साथ तीन मिनट में 5-2 की लीड बना ली थी। पांचवां मिनट बीतते-बीतते हालांकि थलाइवाज ने वापसी की राह पकड़ी और स्कोर 5-6 कर दिया। इसके बाद हिमांशु ने शुभम का शिकार कर स्कोर बराबर कर दिया। शुरुआती 8 मिनट में पटना को एक भी टैकल प्वाइंट नहीं मिला था, फिर भी वे 9-7 से आगे थे। इस बीच देवांक ने मल्टी प्वाइंटर के साथ न सिर्फ स्कोर 11-7 किया बल्कि थलाइवाज के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। इसके बाद की रेड पर भी देवांक ने दो अंक लेकर थलाइवाज को आलआउट की कगार पर ला दिया। सचिन आए और लपक लिए गए। इस तरह पटना ने 16-9 की लीड ले ली। ब्रेक के बाद पटना ने शफागी को लपका तो थलाइवाज ने अयान और देवांक का शिकार कर पटना को बड़ा झटका दिया। 15 मिनट की समाप्ति तक थलाइवाज ने 12-17 के स्कोर पर वापसी की राह पकड़ ली थी। इसके बाद पटना ने लगातार दो अंक लिए पर सचिन ने मल्टी प्वाइंटर के साथ मामला बराबर कर दिया। हाफटाइम तक पटना 20-15 से आगे थे। हाफटाइम के बाद थलाइवाज ने एक अंक लिया तो दीपक ने सुपर रेड के साथ पटना को 23-16 से आगे कर दिया। इस बीच सुपर टैकल की स्थिति में देवांक ने सुपर रेड के साथ स्कोर 26-18 कर दिया। सचिन ने हालांकि आलआउट टाला और फिर साहिल ने देवांक को सुपर टैकल कर स्कोर 20-26 कर दिया। फिर सचिन ने डू ओर डाई रेड पर दो अंक लेकर फासला 4 का कर दिया। इस बीच सचिन ने चार के डिफेंस मे एक और अंक निकाला। पटना के लिए सुपर टैकल आन था और शुभम ने हिमांशु को लपक स्कोर 29-24 कर दिया। अगली रेड पर शफागी ने शुभम को बाहर कर दिया। 30 मिनट बाद पटना 29-25 से आगे थे। ब्रेक के बाद पायरेट्स आलआउट की कगार पर थे लेकिन दो मौकों पर अयान ने दो अंक के साथ उसे बचा लिया। तीसरे प्रयास में हालांकि वह लपके गए। अब स्कोर 31-35 था। देवांक और अयान सुपर-10 पूरा कर चुके थे। आलइन के बाद पटना ने 2 के मुकाबले तीन अंक लेकर पांच की लीड बरकरार रखी थी। थलाइवाज ने इसके बाद लगातार दो अंक लेकर फासला 3 का कर दिया।

पटना ने हालांकि उसे वापसी का मौका नहीं दिया और अपनी लीड को पांच का कर लिया। इसी दौरान शुभम का हाई-5 भी पूरा हुआ। अंततः पटना ने चार अंकों का फासला बनाए रखा और एक अच्छी जीत के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हो गई।

रेड सी फिल्म फेस्टिवल में पहुंचीं

प्रियंका चोपड़ा

ने फैन्स को क्यों कर दिया इग्नोर!

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपना परचम लहराया है. उनकी एक्टिंग की कला को देश-विदेश में सभी पसंद करते हैं. प्रियंका ग्लोबल आइकन बन चुकी हैं. हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने रेड सी फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की. क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान उनको बेहतरीन करियर और फिल्म इंडस्ट्री में उनके योदगान के लिए सम्मानित किया गया. इस फंक्शन में प्रियंका चोपड़ा ने गाउन पहनकर शिरकत की.

फिल्म फेस्टिवल में प्रियंका चोपड़ा के साथ उनके पति निक जोनस भी आए थे. निक ने इस दौरान ब्लैक टक्सिडो कैरी किया था, जिसमें दोनों बहुत प्यारे लग रहे थे. वैसे तो कपल के लिए ये बहुत ही यादगार रात थी, लेकिन शायद उनके फैंस के लिए ऐसा नहीं था, जो कि प्रियंका की एक झलक देखने के लिए वहां खड़े थे.

प्रियंका पर लगा इग्रोर करने का आरोप

प्रियंका चोपड़ा पर ये आरोप लगा है कि उन्होंने अपने फैंस को इग्नोर कर दिया और जल्दी में वहां से निकल गईं. उन्होंने फैंस से वापस आने का वादा भी किया था. दरअसल रेडिट पर एक पोस्ट शेयर किया गया है, जिसमें अरबी भाषा में इस बारे में लिखा है. उस पोस्ट को जब अंग्रेजी में ट्रांसलेट किया गया तो उसमें लिखा था, वो जल्दी में गुजर गईं और फैंस के साथ नहीं रुकीं, उन्होंने बताया कि वो वापस आ रही हैं लेकिन वो चली गईं. हम मीडिया वालों ने मुश्किल से उनकी तस्वीरें लीं और वो रेड कार्पेट पर अंदर चली गईं. उन्होंने सभी फैंस को परेशान कर दिया, क्योंकि वो उनके लिए बिल्कुल भी नहीं रुकीं, एक पल के लिए भी नहीं.

फैन्स ने किया प्रियंका का सपोर्ट

हालांकि मशहूर हस्तियों को इसके लिए अक्सर ट्रोल किया जाता है, वहीं प्रियंका चोपड़ा के साथ भी हुआ है. हालांकि इस बार प्रियंका के सपोर्टर्स ने उनका समर्थन किया. एक यूजर ने लिखा, एक एयरपोर्ट पर मैं प्रियंका से मिला और ईमानदारी से कह रहा हूं कि वो सबसे प्यारी हैं. वो एक कार्यक्रम से वापस आईं थी और बहुत थक गईं थी फिर भी वह मुझसे और उनके बाकी फैन्स से अच्छी तरह से मिलीं थीं. इसलिए मुझे लगता है कि वो वास्तव में इस समय जल्दी में रही होंगी. एक और फैन ने लिखा, ये जरूरी नहीं है कि उनको मिलना ही मिलना है.

शहनाज गिल

को फिर याद आए सिद्धार्थ शुक्ला, ब्लैक पेज पर लिखा कुछ ऐसा, आप भी हो जाएंगे इमोशनल

टीवी के पॉपुलर एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला ने तीन साल पहले दुनिया को अलविदा कह दिया था. 'बिग बॉस 13' का विनर बनने के बाद सिद्धार्थ की लोकप्रियता काफी बढ़ गई थी. सिद्धार्थ के पास कई प्रोजेक्ट्स थे और साथ में थीं शहनाज गिल, जिनके साथ उनके अफेयर के किस्से उन दिनों खूब उड़ रहे थे. आज फिर शहनाज गिल ने सिद्धार्थ को याद किया और ये बिल्कुल अलग अंदाज में दिखा.शहनाज गिल और सिद्धार्थ शुक्ला की फैन फॉलोविंग काफी तगड़ी थी. सिद्धार्थ और शहनाज के फैंस उन्हें 'सिडनाज' के नाम से पुकारते थे. शहनाज ने कई बार कबूल किया कि वो सिद्धार्थ को बहुत पसंद करती हैं. अब सिद्धार्थ के जाने के बाद शहनाज ने उन्हें कैसे याद किया ये आपको इमोशनल कर जाएगा.

शहनाज गिल ने किया सिद्धार्थ शुक्ला को याद

12 दिसंबर यानी आज सिद्धार्थ शुक्ला का 43वां बर्थडे है और सोशल मीडिया पर फैंस अपने-अपने तरीके से उन्हें याद कर रहे हैं.

वहीं सिद्धार्थ की खास दोस्त शहनाज गिल ने भी उन्हें खास अंदाज में याद किया. शहनाज गिल ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाई, जिसमें सिर्फ 12.12 लिखा जिसका मतलब 12 दिसंबर होता है. इसे उन्होंने ब्लैक पेज पर लिखा और समझा जा रहा है कि ये सिद्धार्थ शुक्ला की याद में है.

2 सितंबर 2021 को सिद्धार्थ शुक्ला का निधन 40 की उम्र में हार्ट अटैक के कारण हुआ. बताया जाता है कि सिद्धार्थ के आखिरी समय में शहनाज गिल उनके साथ थीं. सिद्धार्थ के निधन के लगभग 2 महीने तक शहनाज पब्लिकली नजर नहीं आईं और फैंस को उनकी अपियरेंस का इंतजार था. बाद में वो औपचारिक तौर पर बिग बॉस में बतौर गेस्ट नजर आईं और सलमान खान के गले लगकर इमोशनल हो गईं थीं.

'बिग बॉस 13' से शुरू हुई थी सिडनाज की स्टोरी

2019 में बिग बॉस 13 टेलीकास्ट हुआ था जिसमें बतौर कंटेस्टेंट शहनाज गिल और सिद्धार्थ शुक्ला भी पहुंचे. शो में जाने के दौरान दोनों ने सिर्फ एक-दूसरे का नाम सुना था और शहनाज को तो हिंदी दर्शक जानते भी नहीं थे. इसी शो के दौरान शहनाज ने अपने बात करने के अंदाज से लोगों का दिल जीता. इसी में सिद्धार्थ के साथ उनकी दोस्ती गहरी हुई और शो में शहनाज ने खुलेआम कह दिया था कि वो सिद्धार्थ से प्यार करती हैं.

दिनेश पंडित की कहानियों को अब थियेटर में असल बनाएगी 'हसीन दिलरुबा'.... थर्ड पार्ट में फैन्स को मिलेगा बड़ा सरप्राइज

सपने, उम्मीदों, संघर्ष और इमोशन के रोलरकोस्टर पर ले जाने वाली फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' 18 दिसंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है. इस फिल्म को अली फजल और ऋचा चड्ढा ने प्रोड्यूस किया है. ऋचा चड्ढा और अली फजल की पुशिंग बटन्स स्टूडियो की ये पहली फिल्म होगी. हाल ही में इस मूवी के प्रमोशन को लेकर ऋचा और अली ने खुलकर एएनआई से बात की है. इस दौरान अली फजल ने कहा कि एक एक्टर को लाइफ में एक बार प्रोड्यूसर जरूर बनना चाहिए.एएनआई से बात करते हुए ऋचा और अली ने अपनी आने वाली फिल्म को लेकर उत्सुकता जाहिर की. ऋचा ने कहा, गर्ल्स विल बी गर्ल्स हमारी पहली फिल्म है और इसे बहुत सारे अवॉर्ड्स मिल चुके हैं. सनडांस फिल्म फेस्टिवल में इसने पुरस्कार जीता था. फिर बुसान और टिफ में कई जगह इसकी स्क्रीनिंग की गई जहां इसने अवॉर्ड जीता. इसके बाद ये यहां मामी फिल्म फेस्टिवल में भी हमें 4 अवॉर्ड मिले. इसके बाद अब ये हिंदुस्तान में अमेजन प्राइम पर 18 दिसंबर को रिलीज हो जाएगी.

हर एक्टर को बनना चाहिए प्रोड्यूसर

इस दौरान अली फजल से सवाल पूछा गया कि जब आप एक्टर से प्रोड्यूसर बनते हैं तो क्या अपने पुराने दिन याद आते हैं और कितनी हेल्प मिलती है जब एक एक्टर प्रोड्यूसर बनता है? इसके जवाब में अली फजल ने कहा, बहुत हेल्प मिलती है और शायद हर एक्टर को एक बार प्रोड्यूसर जरूर बनना चाहिए. हमने कई बार इस बात को सोचा कि काश कोई हमसे पूछ लेता कि फिल्मिंग के इस स्टेज पर क्या तुमको किसी चीज की जरूरत है. या हमें कोई गाइड करता, क्योंकि छोटी-छोटी चीजें मायने रखती हैं.

क्या है 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' की कहानी

'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' की बात करें तो इस फिल्म में प्रीति पाणिग्रही, कानी कुसरुति और केसव बिनॉय किरण नजर आने वाले हैं. इस फिल्म की राइटर शुचि तलाती हैं. इस फिल्म की कहानी भारत के एक छोटे से पहाड़ी शहर के बोर्डिंग स्कूल की है. जहां एक 16 साल की लड़की मीरा एडल्ट होने की चुनौतियों से लड़ती है.

कपूर खानदान की चौथी पीढ़ी भी कर रही खूब मनोरंजन, मिलिए बॉलीवुड के पहले परिवार से

'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहांं' वैसे तो ये गाना राज कपूर की फिल्म 'मेरा नाम जोकर' का है. लेकिन इस गाने की ये लाइन कपूर परिवार का हिंदी सिनेमा के लिए योगदान बयां करती है. इस परिवार की चौथी पीढ़ी यानी करीना कपूर, करिश्मा कपूर और रणबीर कपूर भी फिल्म इंडस्ट्री में अपना कमाल दिखा रहे हैं. आइए राज कपूर की 100वीं जयंती के मौके पर बात करते हैं, कपूर परिवार के बारे में और जानते हैं कि उनकी जड़ें इस इंडस्ट्री में कितनी दूर तक फैली हुई हैं.

पृथ्वीराज कपूर से हुई थी शुरुआत (पहली पीढ़ी)

पृथ्वीराज कपूर, कपूर खानदान के वो पहल सदस्य थे, जो पाकिस्तान से एक्टर बनने मुंबई आए थे. उनके बाद उनके छोटे भाई त्रिलोक कपूर ने भी बॉलीवुड में एंट्री की. पृथ्वीराज कपूर के तीन बेटे थे, राज कपूर, शम्मी कपूर और शशि कपूर. तो वहीं त्रिलोक कपूर के भी दो बेटे थे विक्की कपूर और विजय कपूर.

कपूर खानदान की दूसरी पीढ़ी

राज कपूर को बॉलीवुड का 'पहला शोमैन' कहा जाता था. वो एक एक्टर होने के साथ-साथ सफल प्रोड्यूसर और डायरेक्टर भी थे. राज कपूर के दोनों भाइयों ने यानी शम्मी कपूर और शशि कपूर ने भी अपने अलग अंदाज से फिल्म इंडस्ट्री में खुद की अलग पहचान बनाई.त्रिलोक कपूर के बेटे विक्की कपूर और विजय कपूर की बात करें तो विक्की ने अपने करियर में कुछ फिल्मों का निर्देशन करने की कोशिश की. लेकिन ये कोशिश कुछ खास असर नहीं कर पाई. हालांकि, विजय ने फिल्मों में एंट्री नहीं की और वकालत की दुनिया में करियर बनाया.

कपूर खानदान की तीसरी पीढ़ी

राज कपूर की शादी कृष्णा मल्होत्रा से हुई थी और उनके तीन बेटे और दो बेटियां थीं. उनके बेटे रणधीर कपूर, राजीव कपूर और ऋषि कपूर ने एक्टिंग में ही अपना करियर बनाया. राज कपूर की बेटियों की बात करें तो उनकी बेटी ऋतू नंदा की शादी राजन नंदा से हुई और उनकी छोटी बेटी रीमा कपूर की शादी मनोज जैन से हुई. राज कपूर ने अपनी दोनों बेटियों को एक्टिंग से दूर रखा.शम्मी कपूर की बात करें तो उनकी पहली शादी गीता बाली से हुई थी और उन दोनों के दो बच्चे हैं. बेटे का नाम आदित्य राज कपूर है, तो बेटी का नाम कंचन कपूर है.

शम्मी कपूर ने अपनी पहली पत्नी गीता बाली की मौत के बाद भावनगर राज्य की राजकुमारी नीला देवी गोहिल से शादी की. आदित्य राज कपूर ने खुद को एक्टिंग तक सीमित नहीं रखा. उन्होंने अपने करियर में लगभग 9 से 10 फिल्में की फिर वो बिजनेस करने लगे. शम्मी कपूर की बेटी कंचन की बात करें, तो उन्होंने भी कपूर परिवार की बाकी बेटियों की तरह एक्टिंग से दूर रहने का फैसला लिया. कंचन कपूर की शादी मनमोहन देसाई के बेटे केतन देसाई से हुई है.